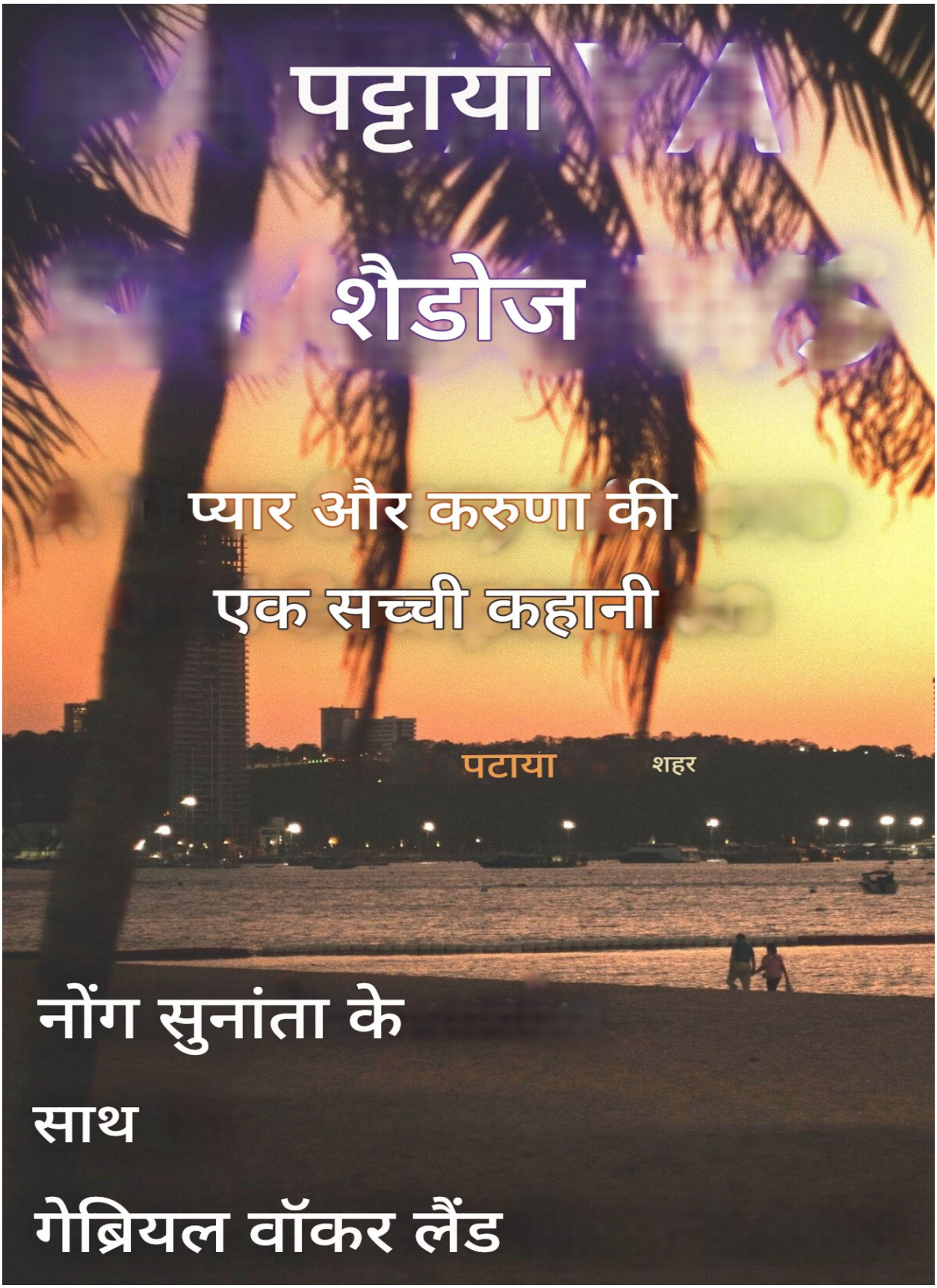
पट्टाया
शैडोज
प्यार और करुणा की
एक सच्ची कहानी
पटाया
शहर
नोंग सुनांता के
साथ
गेब्रियल वॉकर लैंड

PATTAYA SHADOWS

थाईलैंड में प्रेम, संघर्ष और करुणा की एक सच्ची कहानी

नोंग सुनांता विद गैब्रियल वॉकर लैंड

मानसून लैंड पब्लिकेशन्स

अंतर्वस्तु

शीर्षक पेज
प्रायोजक
समर्पण
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ
अध्याय दस
अध्याय ग्यारह
अध्याय बारह
अध्याय तेरह
अध्याय चौदह
अध्याय पंद्रह
अध्याय सोलह
अध्याय सत्रह
अध्याय अठारह
अध्याय उन्नीस
अध्याय बीस
अध्याय इक्कीस
अध्याय बाईस
अध्याय तेईस
अध्याय चौबीस
अध्याय पच्चीस

अध्याय छब्बीस
अध्याय सत्ताईस
अध्याय अट्ठाईस
अध्याय उनतीस
अध्याय तीस
अध्याय इकत्तीस
अध्याय बत्तीस
अध्याय तैंतीस
अध्याय चौंतीस
अध्याय पैंतीस
अध्याय छत्तीस
अध्याय सैंतीस
अध्याय अड़तीस
अध्याय उनतीस
अध्याय चालीस
अध्याय इकतालीस
अध्याय बयालीस
अध्याय तैंतालीस
अध्याय चौवालीस
अध्याय पैंतालीस
अध्याय छियालीस
अध्याय सैंतालीस
अध्याय अड़तालीस
अध्याय उनतालीस
अंतभाषण
लेखक के बारे में
लेखक के बारे में
इस लेखक की पुस्तकें

प्रायोजक

Pattaya
SUCCESS

RELIEF HERB
ผลิตภัณฑ์จากธรรมชาติ สมุนไพรไทยบรรเทาอาการปวด

PATTAYA
TEAM WORK
Put the right man on the right job

charity
property
Living in a paradise of delight

समर्पण

सभी पूछताछ और दान संबंधी प्रस्तावों के लिए, कृपया नोंग को sheltercenterpattaya@gmail.com पर ईमेल करें।

इस पुस्तक के लेखन, संपादन और प्रकाशन में सहायता के लिए बीबीएक्स थाईलैंड के प्रायोजन और समर्थन के लिए धन्यवाद।

शेल्टर सेंटर पटाया को वर्षों से मदद करने वाले सभी लोगों के प्रति बहुत आभार।

इसमें दानदाता, प्रायोजक, मीडिया संस्थान और नैतिक समर्थन देने वाले लोग शामिल हैं।

अनस्प्लैश पर केन्सिया इलिनिख द्वारा बैकग्राउंड कवर फ़ोटो

अध्याय एक

मेरा
पहली बार
घर छोड़ रहा हैं

मेरा पूरा नाम सुनंता कावमुआंगपेच है।
हालांकि, ज्यादातर लोग मुझे 'नोंग' उपनाम से बुलाते हैं, जिसका थाई भाषा में अर्थ 'छोटी बहन' या 'छोटा भाई' होता है।
मैंने पहली बार पटाया शहर की यात्रा तब की थी जब मैं सत्रह साल का था, यानी चौबीस साल पहले।
पटाया का व्यस्त शहर पहले बहुत अलग था, और दो दशकों के दौरान मैंने इसे कई बदलावों और काफी विकास से गुजरते हुए देखा है।
इनमें से कुछ बदलाव अच्छे के लिए हुए हैं, कुछ बुरे के लिए।
मेरा परिवार मूल रूप से चेम प्रांत का है, हालांकि वे अंततः उत्तरी-मध्य थाईलैंड के चाचेओंगसाओ प्रांत में चले गए, जो चेम और पटाया के बीच लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
कई अन्य युवाओं की तरह, मैं भी अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने और जीवन का अनुभव प्राप्त करने के लिए बड़े शहर में चला गया।
चाचेओंगसाओ में मेरा परिवार काफी धनी है, फिर भी मैं एक स्वतंत्र महिला के रूप में अपना जीवन अपने दम पर जीना चाहती थी, केवल अपने दम पर।
उस समय मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि मैं एक ऐसे साहसिक सफर पर निकल रहा हूं जो अंततः मुझे पटाया के स्थानीय समुदाय में एक नेता की भूमिका तक ले आएगा, शेल्टर सेंटर पटाया के संस्थापक के रूप में।
शेल्टर सेंटर शहर में बेसहारा पश्चिमी लोगों के लिए पहला बेघर आश्रय स्थल था।
हालांकि, इससे पहले मैं पटाया शहर में अपने शुरुआती वर्षों के बारे में और अधिक विस्तार से बताऊंगा, इससे पहले कि मैंने इस चैरिटी की स्थापना की।
17 साल की उम्र में पटाया पहुंचने पर, मेरी पहली नौकरी शहर के सबसे बड़े रिसॉर्ट में लॉन्ड्री विभाग में काम करना थी, जो प्रतुम्नाक हिल्स पर स्थित है।
उससे पहले, मैंने चाचोएंगसेओ वोकेशनल कॉलेज में गृह अर्थशास्त्र का अध्ययन किया, साथ ही फैशन और परिधान डिजाइन भी सीखा।
मैंने पटाया में प्रशिक्षण लेने का विकल्प इसलिए चुना क्योंकि मेरे कुछ वरिष्ठ छात्रों ने मुझे कॉलेज के शैक्षिक कार्यक्रम से परिचित कराया था, और मेरे कई दोस्त वहां होटल हाउसकीपिंग का प्रशिक्षण ले रहे थे।

इस शुरुआती प्रोत्साहन ने मुझे एक ऐसी जगह आने के लिए प्रेरित किया जो थाईलैंड के किसी भी अन्य शहर से बिल्कुल अलग थी।
बेशक, जब कोई युवा व्यक्ति किसी छोटे शहर से किसी बड़े शहर की यात्रा करता है, तो यह अनुभव हमेशा रोमांचक होता है।
हालांकि, यह कभी-कभी युवा वयस्कों के लिए डरावना भी होता है।
यह मेरे वयस्क जीवन के रोमांच की शुरुआत थी, और मैं घबराया हुआ था।
जब मैं पहली बार पटाया गया था, तो मुझे पता था कि मुझे वहां कई विदेशी मिलेंगे, और इसी वजह से मुझे दुनिया के बारे में और अधिक जानने में दिलचस्पी हुई।
बहुत से थाई लोग कभी भी अपने देश से बाहर यात्रा नहीं करते हैं, और वे कभी भी इसकी सीमाओं से परे जीवन का अनुभव नहीं करते हैं।
दरअसल, कई थाई लोगों ने तो थाईलैंड के सभी प्रांतों को देखा भी नहीं है।
दूसरे देश रहस्यमय लग सकते हैं, और यही कारण है कि जब थाई लोग किसी विदेशी से मिलते हैं तो अक्सर सबसे पहले पूछते हैं, 'आप कहाँ से हैं?'
मैं भी पटाया आने को लेकर उत्साहित था, क्योंकि मैं पश्चिमी पॉप संस्कृति से काफी प्रभावित था और हॉलीवुड फिल्मों का प्रशंसक था।
मुझे हमेशा से ही आकर्षक फिल्मी सितारे आकर्षित करते रहे हैं - कीनो रीव्स, ब्रैड पिट और जॉनी डेप जैसी हस्तियां, साथ ही जॉन बॉन जोवी और बैकस्ट्रीट बॉयज़ जैसे संगीतकार और अन्य बॉय बैंड।
किशोरावस्था में मैं फरांग्स के बारे में बहुत सोचता था, जो पश्चिमी या विदेशी के लिए थाई शब्द है।
बात सिर्फ इतनी नहीं थी कि मुझे उन पर बचकाना आकर्षण था, बल्कि यह भी थी कि मैं उन संस्कृतियों और समाजों के बारे में और अधिक जानना चाहती थी जिनसे वे आए थे।

अध्याय दो

आगमन

में

पटाया

जिस जगह मैंने हॉस्पिटैलिटी का प्रशिक्षण शुरू किया था, वह पटाया शहर के केंद्र से बहुत दूर थी, इसलिए मुझे वहां एकांत का अनुभव होता था।
साथ ही, वह इमारत किसी व्यस्त सड़क पर नहीं थी, इसलिए मुझे कोई विदेशी नहीं दिखा और न ही मुझे किसी ऐसे व्यक्ति से बात करने का मौका मिला जो थाई नहीं था, और इससे मुझे निराशा हुई।
तीन महीने तक मेरी किसी भी विदेशी से मुलाकात नहीं हुई, मैंने केवल अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया और कोई दोस्त नहीं बनाए।
कभी-कभी सप्ताहांत में मैं बीच रोड पर स्थित सेंट्रल मॉल जाया करता था, और वहां मुझे नौसेना की वर्दी या आम कपड़ों में अमेरिकी लोग शहर में घूमते हुए दिखाई देते थे, जिससे मुझे बाहरी दुनिया के बारे में जिज्ञासा तो होती थी, लेकिन मैं उनसे बात करने में अभी भी बहुत शर्माता था।
मुझे याद है कि उस समय कई बारों पर 'वेलकम कोबरा गोल्ड' के साइन लगे होते थे।
पहले तो मुझे समझ नहीं आया कि इसका क्या मतलब है, फिर मुझे पता चला कि अमेरिकी नौसेना साल में एक बार थाई सैन्य बलों के साथ संयुक्त अभ्यास करने के लिए थाईलैंड आती है।
इनमें से कई सैनिक आकर्षक थे, वे लंबे और मजबूत शरीर वाले थे, लेकिन फिर भी मुझे उनसे बात करने का मौका नहीं मिला क्योंकि मैं शर्मीली थी और मेरी पढ़ाई मेरा बहुत सारा समय ले लेती थी।
बार में मौजूद महिलाएं बहुत आक्रामक होती थीं!
वे आगे बढ़कर पुरुषों की बांहें पकड़ लेतीं और उनसे कहतीं, 'हेलो सेक्सी मैन, कृपया अंदर आइए!'
मुझे यह बहुत ही साहसी और निडरतापूर्ण लगा, इस तरह सड़क से पुरुषों को पकड़कर ले जाना।
मैं वास्तव में इन साहसी महिलाओं से प्रभावित हुआ।
मुझे लगा कि या तो उन्हें पैसों की बहुत सख्त जरूरत थी, या फिर वे बस ऊब गए थे और खुद को व्यक्त करने में शर्म महसूस नहीं करते थे।
इस दृश्य को देखकर एक पल के लिए मुझे लगा कि शायद मुझे भी सोई 7 या 8 पर किसी बार में काम करना चाहिए, ताकि मैं भी विदेशी पुरुषों से मिल सकूं और उनके साथ हंसते-हंसते अच्छा समय बिता सकूं।
यह एक अंतहीन पार्टी की तरह लग रहा था और बहुत ही अनोखा था।

हालांकि मैंने उस विचार को अपने दिमाग से निकाल दिया, यह सोचकर कि प्रेमी या जीवनसाथी खोजने का यह कोई अच्छा तरीका नहीं है।
हॉस्पिटैलिटी की पढ़ाई कर रहे एक व्यावसायिक कॉलेज के छात्र के रूप में, मुझे स्नातक की उपाधि प्राप्त करने और विश्वविद्यालय में आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए चाचेओंगसाओ प्रांत में अपने घर लौटना आवश्यक था।
इस दौरान मुझे कुछ पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ा।
मेरे बड़े भाई मेरी पढ़ाई का खर्च उठा रहे थे, लेकिन वे इस बात को लेकर बहुत ज्यादा नियंत्रण रखते थे कि मैं पढ़ने के लिए कहाँ जा सकता हूँ।
वह मुझसे यह भी कहता था कि मैं बाहर नहीं जा सकती, मुझे शाम को अपने छात्र अपार्टमेंट में अकेले ही रहना होगा।
मैं पूर्वी थाईलैंड के एक कॉलेज में मार्केटिंग की पढ़ाई करने जाना चाहता था, लेकिन उन्होंने मुझे बताया कि मैं ऐसा नहीं कर सकता।
यह निराशाजनक था।
हालांकि मैं वयस्क था, फिर भी मुझे ऐसा महसूस होता था जैसे मुझे एक बच्चे की तरह नियंत्रित किया जा रहा हो।
लेकिन वही मेरी ट्यूशन फीस दे रहे थे, इसलिए मेरे पास कोई विकल्प नहीं था।
जल्द ही, मैंने फैसला किया कि मुझे बाहर जाकर एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में अकेले रहना होगा।
कई थाई परिवार इसी तरह के होते हैं - वे इस बारे में बहुत पारंपरिक होते हैं कि एक युवा वयस्क अपने जीवन में क्या कर सकता है, और मुझे यह घुटन भरा लगा इसलिए मैं इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकी।
हालांकि यह कितना भी जिद्दीपन भरा लग सकता है, मैं नहीं चाहता था कि कोई मुझे बताए कि मैं कहां जा सकता हूं और क्या कर सकता हूं।
यह मेरी जिंदगी थी, उनकी नहीं, इसलिए मैंने फैसला किया कि मैं एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में जीवित रह सकती हूं।
अगर मैं उनसे बात करना चाहता, तो मैं अब भी उन्हें कॉल कर सकता था, भले ही हर बार जब हम बात करते थे तो वे मेरे बारे में केवल नकारात्मक, आलोचनात्मक बातें ही कहते थे, जिससे मेरे जीवन में कभी कोई मदद नहीं मिली।
अगर मुझे आत्मनिर्भर बनना था तो इसका मतलब था कि मुझे अपनी आर्थिक स्थिति खुद सुरक्षित करनी होगी, इसलिए मैंने उपलब्ध पदों के बारे में कुछ होटलों से संपर्क किया।
जब मैंने अपना घर छोड़ा, तो मैंने अपनी माँ के तकिए पर एक नोट छोड़ा, जिसमें मैंने उनसे कहा, "माँ, मुझे आपको छोड़कर खुद का काम करने जाना होगा, लेकिन कृपया चिंता न करें, मैं ठीक रहूँगा।"

मैंने जल्दी से अपना सारा सामान पैक किया और फिर जल्दबाजी में घर से निकल गई, इस उम्मीद में कि मैंने अपने बैग में कोई महत्वपूर्ण चीज न भूली हो।
एक युवती के रूप में, यह सब मेरे लिए बहुत रोमांचक था और मेरा दिल तेजी से धड़क रहा था।
मुझे थोड़ा डर तो लग रहा था, लेकिन मुझे विश्वास था कि मैं अकेले ही जीवित रह सकता हूँ।

अध्याय तीन

मेरा

पहला

काम

पटाया में एक स्वतंत्र महिला के रूप में मेरी पहली असली नौकरी एक होटल में सहायक बेकर के रूप में थी।

काम के घंटे आसान नहीं थे, और हमें सुबह 4 बजे उठना पड़ता था ताकि 5 बजे काम शुरू कर सकें, स्टाफ क्वार्टर से होटल तक अंधेरे में बेकरी तक पैदल जाना पड़ता था।

मुख्य बेकर और मेरे बीच अच्छे संबंध थे और वह बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे, धीरे-धीरे बोलते थे और बहुत धैर्य दिखाते थे।

मेरे अन्य सहकर्मी भी दयालु थे और हमने एक अच्छी टीम के रूप में मिलकर काम किया, जिससे बेकिंग का अनुभव और भी आनंददायक हो गया।

इसी दौरान टेलीविजन पर एक मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति के बारे में बड़ी खबर आई थी, जो महिलाओं पर सुई से हमला करने और बदला लेने के लिए उन्हें एचआईवी/एड्स का संक्रमण देने की कोशिश कर रहा था।

यह डरावना था और मुझे याद है कि मैंने सोचा था कि पटाया एक अजीब जगह है जहाँ बहुत सारे पागल लोग रहते हैं।

होटल के कार्मिक विभाग में हमारे बॉस ने सभी महिलाओं को निर्देश दिया था कि वे समूह में चलें और कभी भी अकेले न चलें, खासकर रात में।

मैंने कई महीनों तक होटल में काम किया, लेकिन कुछ खास रोमांचक नहीं हुआ और मैं बहुत कम वेतन के लिए बहुत घंटे काम करता था।

साथ ही, मुझे विदेशी पुरुषों से मिलने और बातचीत करने के ज्यादा मौके नहीं मिले, इसलिए मुझे अभी तक कोई बॉयफ्रेंड नहीं मिल पाया है।

काम और भी मुश्किल हो गया, क्योंकि मुझे हमारे बड़े बॉस, थाई एग्जीक्यूटिव शेफ के साथ एक बुरा अनुभव हुआ था।

वह अपने अधीन काम करने वाली महिलाओं के साथ हमेशा बहुत ही असभ्य और आक्रामक व्यवहार करता था, उनकी अंडरवियर के रंग की जाँच करता था और हमें परेशान करता था।

तभी मैंने नौकरी छोड़ने और दूसरी नौकरी खोजने के बारे में सोचना शुरू किया।

एक और समस्या यह उत्पन्न हुई कि मुझे यूरोपीय रसोई में स्थानांतरित कर दिया गया था और मैं अब बेकरी विभाग में काम नहीं करता था।
यूरोपीय रसोई का मुख्य रसोइया बहुत बुरा था, वह कर्मचारियों से बदतमीजी से बात करता था।
उसके यहाँ कोई भी लंबे समय तक काम नहीं करता था और हमेशा नए लोग आते रहते थे, इसीलिए मुझे भी वहाँ स्थानांतरित कर दिया गया था।
मैं बहुत दुखी था और यह लगभग यातना जैसा था।
एक दिन, एग्जीक्यूटिव शेफ ने मुझे कुछ करने के लिए कहा और मैं उसे करना भूल गया।
वह आपा खो बैठा, मेरी कमीज पकड़कर मुझे हिलाने लगा और मुझ पर चिल्लाने लगा कि मैं उसकी बात मानूं और उसके आदेशों का पालन करूं।
इस समय मैं लगभग रोने ही वाली थी, इसलिए मैं कार्मिक विभाग में गई और एक कागज पर हस्ताक्षर करके उन्हें एक महीने का नोटिस दे दिया कि मैं नौकरी छोड़ रही हूँ।
मैं तुरंत नहीं जा सकता था क्योंकि इससे मेरी जमा राशि और पिछले महीने का वेतन दोनों जब्त हो जाते।
इस स्थिति में और अधिक समय तक रहना वास्तव में बहुत भयानक था, लेकिन मुझे इसे सहना ही पड़ा!
एक बार जब मैं मुक्त हो गया, तो मुझे बहुत राहत महसूस हुई।
सिर्फ मुझे पता था कि मुझे तुरंत एक नई नौकरी ढूंढनी होगी, और साथ ही रहने के लिए एक नया कमरा भी ढूंढना होगा।

चौथा अध्याय

चलना

आस-पास

पटाया

इसके बाद मैंने पटाया में घूमकर कामगारों की तलाश करने वाले बोर्ड ढूंढना शुरू किया।
मैंने दूसरी सड़क पर गली 7 और 8 के बीच स्थित एक ऑस्ट्रियाई रेस्तरां में वेट्रेस की नौकरी के लिए खिड़की पर एक विज्ञापन देखा।
उस जगह का नाम डोमिज़िल रेस्टोरेंट था, और जब मैं अंदर गया तो मैंने पीटर नाम के जर्मन मैनेजर से बात की।
पीटर बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे और उन्होंने मुझे तुरंत काम पर रख लिया।
मुझे पता था कि यह कई विदेशियों से मिलने और बात करने और अपने अंग्रेजी बातचीत कौशल को बेहतर बनाने का एक अच्छा अवसर होगा।
डोमिज़िल में मेरी शिफ्ट स्प्लिट शिफ्ट थी, जिसमें मुझे दिन में 14 घंटे काम करना पड़ता था, और मुझे महीने में केवल दो दिन की छुट्टी मिलती थी।
यह कठिन था और कभी-कभी मैं हाथ में ड्यूरियन फल का एक टुकड़ा लिए सो जाता था।
मैंने इतनी मेहनत की कि मुझे किसी के साथ संबंध बनाने का मौका ही नहीं मिला, और रेस्तरां में खाना खाने वाले अधिकांश विदेशी या तो विवाहित थे या बहुत बूढ़े थे।
उस समय मैं बहुत शर्मीला भी था, और चूंकि मेरी अंग्रेजी अच्छी नहीं थी, इसलिए मुझे बातचीत शुरू करने या फ्लर्ट करने से डर लगता था।
कुछ समय बाद, मैंने दिन में केवल एक 7 घंटे की शिफ्ट में काम करने का फैसला किया, ताकि शाम को मैं अपने दोस्तों के साथ नाइट क्लबों में जाकर डांस कर सकूं।
इससे पहले उन्होंने मुझसे कभी नहीं पूछा क्योंकि वे जानते थे कि मैं हमेशा व्यस्त रहता था, लेकिन अब मेरा मौका था।
एक रात, उन्होंने मुझे हॉलीवुड क्लब में आमंत्रित किया, और मैं उनके साथ जाने के लिए उत्साहित था।
लेकिन जाने से पहले उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं अभी भी कुंवारी हूं।
मैंने उन्हें बताया कि मैं वही हूँ और सब लोग हंसने लगे।
मैंने पूछा कि अगर मैं अभी भी कुंवारी हूं तो इसमें क्या गलत है?

मुझे सेक्स के बारे में बात करने में शर्म आती थी, लेकिन वे सभी बहुत अनुभवी थीं और वे हमेशा विदेशी पुरुषों के साथ अपने अनुभवों के बारे में बात करती थीं।
इस समय, मुझे एक अच्छा विदेशी लड़का ढूंढने में बहुत दिलचस्पी थी, लेकिन साथ ही साथ मुझे उनसे बात करने में भी डर लगता था।
उस समय पटाया मेरे लिए बिल्कुल नया था!
ऐसा लगता था मानो हर दिन एक नया रोमांच हो।

अध्याय पाँच

जा रहा है

बाहर

शहर पर

जल्द ही पटाया में मेरे नए दोस्त मुझे हर रात बाहर जाने के लिए आमंत्रित करने लगे, और मैं उनके साथ जाने लगा।
मैंने सेक्सी ड्रेस, हाई हील्स और मेकअप पहनना शुरू कर दिया, शराब पीना शुरू कर दिया और मौज-मस्ती करने लगी।
हमारा समूह हमेशा देर रात तक हंसता और नाचता रहता था।
मेरी जिंदगी तेजी से बदल रही थी।
डिस्को में मुझे कई दिलचस्प लड़के मिले और मेरी दोस्त उन्हें पहचानने में माहिर थी।
फिर भी मैं थोड़ी शर्मीली थी, क्योंकि मेरा कभी कोई बॉयफ्रेंड नहीं था और मैंने अभी तक अपनी वर्जिनिटी भी नहीं खोई थी, और मैंने बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड की तरह गले लगाना, चुंबन करना या हाथ पकड़ना भी नहीं सीखा था।
इस दौरान मेरी अंग्रेजी में काफी सुधार होने लगा।
मैं काम पर हर दिन अभ्यास करता था, और मैंने थोड़ी-बहुत जर्मन भाषा भी सीखना शुरू कर दिया था, क्योंकि यह एक ऑस्ट्रियाई रेस्तरां था और मेरे सभी बॉस जर्मन थे।
कई ग्राहक जर्मनी से भी थे, और वे अधिक उम्र के थे और अंग्रेजी अच्छी तरह से नहीं बोल पाते थे।
मेरी तनख्वाह की बात करें तो, मुझे प्रति माह 2,500 बात मिलते थे।
यह राशि अब कम है लेकिन 1997 के हिसाब से यह बहुत बुरी नहीं थी।
यह टॉम याम कुंग संकट के समय की बात है, जो थाईलैंड के इतिहास का सबसे भीषण वित्तीय संकट था।
इस घटना के दौरान, लोगों की नौकरियां चली गईं, वेतन आधा हो गया, आत्महत्याओं में वृद्धि हुई और नौकरी चाहने वालों को काम ढूंढने में परेशानी का सामना करना पड़ा।
तो मैं काफी भाग्यशाली था।
इसके अलावा, उस समय विनिमय दर अच्छी थी और बाहत डॉलर के मुकाबले 72 और ब्रिटिश पाउंड के मुकाबले 92 की दर पर मजबूत बना रहा।
डोमेज़िल में हर दिन बैंकॉक पोस्ट की एक पत्रिका आती थी, और मैं ब्रेक के दौरान या जब कोई ग्राहक नहीं होता था, तब उसे पढ़कर अपनी अंग्रेजी का अभ्यास करता था।

मैंने जो कुछ पढ़ा, उसमें से अधिकतर मुझे समझ नहीं आया, लेकिन मुझे पता था कि भले ही मुझे विषय समझ में न आए, फिर भी इससे मेरी अंग्रेजी में सुधार होगा।
मैं विशेष रूप से विनिमय दर पर नजर रखता था, और मेरे प्रबंधक पीट मुझसे मन ही मन दर की गणना करने के लिए कहते थे क्योंकि कभी-कभी ग्राहकों के पास केवल डॉलर होते थे और थाई बात नहीं होते थे।

अध्याय छह

रूसी

ग्राहकों

कभी-कभी हमारे रेस्टोरेंट में रूसी ग्राहक भी आते थे, और उस समय भी पटाया में पहले से ही बहुत सारे रूसी लोग रहते थे।

अक्सर एक वेट्रेस को रूसी ग्राहक से गलत ऑर्डर मिल जाता था, क्योंकि उनका उच्चारण बहुत ही भारी था और वे अंग्रेजी या थाई भाषा बिल्कुल भी अच्छी तरह से नहीं बोल पाते थे।

इससे रसोइयों और प्रबंधक के बीच समस्याएं पैदा हो गईं, क्योंकि अक्सर गलतफहमी होती रहती थी।

इससे प्रेरित होकर मैंने एक ऐसी किताबों की दुकान पर जाने का फैसला किया जहाँ मुझे केवल 20 या 45 बात की कीमत पर सस्ती रूसी किताबें मिल सकें, जो थाईलैंड के सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में से एक, रामकमहांग विश्वविद्यालय के एक पेशेवर लेखक द्वारा लिखी गई हों।

उस समय रामकमहांग उन दो विश्वविद्यालयों में से एक था जो रूसी भाषा का अध्ययन कराते थे, दूसरा विश्वविद्यालय थम्मासैट था।

इन किताबों की मदद से मैंने खुद रूसी भाषा सीखी और मैं ग्राहकों से अपने उच्चारण में सुधार के लिए मदद मांगता था।

इस तरह, पटाया में वेट्रेस के रूप में काम करना एक तरह की शिक्षा थी, क्योंकि मुझे पता था कि मैं जितनी अधिक भाषाएँ सीखूँगी, भविष्य में उतना ही अधिक पैसा कमा पाऊँगी।

जल्द ही रेस्टोरेंट में मेरा जीवन आसान हो गया और संचार संबंधी समस्याएं कम हो गईं, क्योंकि उन दो किताबों की मदद से मैंने इतनी रूसी भाषा सीख ली थी कि मैं ऑर्डर ले सकता था और लोगों को उनका सही बकाया दे सकता था।

कुल मिलाकर मेरी जिंदगी बहुत अच्छी चल रही थी, लेकिन चीजें हमेशा बदलती रहती हैं और कुछ भी परिपूर्ण या हमेशा के लिए नहीं रह सकता।

जल्द ही कुछ नाटकीय घटित होगा, यह निश्चित था।

विशेषकर पटाया जैसे शहर में, जहाँ सब कुछ वैसा नहीं होता जैसा दिखता है और हमेशा कुछ ऐसा होता है जो आँखों को भाता नहीं है।

अध्याय छह

सिकंदर

और यह

ब्रीफ़केस

एक दिन मैं कुछ नियमित रूसी ग्राहकों से ऑर्डर ले रहा था, उनमें से एक का नाम अलेक्जेंडर था।
आज वह अपनी पत्नी और 6 साल के बेटे के बिना अकेले आए थे, इसलिए मैंने उनसे उनके परिवार के बारे में पूछा क्योंकि अब हम दोस्तों की तरह हो गए हैं, वह इतनी बार आते हैं।
अलेक्जेंडर ने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए अपना ब्रीफकेस खोला।
मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि यह अमेरिकी मुद्रा में 100 डॉलर के नोटों के ढेरों से भरा हुआ था।
मेरी आंखें चौड़ी हो गईं - मैंने अपने जीवन में कभी इतना पैसा नहीं देखा था!
यह किसी हॉलीवुड फिल्म के दृश्य जैसा था।
अलेक्जेंडर ने मुझे 100 नोटों का एक बंडल भी दिया, जिसे मैंने जांचने के लिए अपने हाथ में ले लिया।
पैसा असली लग रहा था, और मैं यह सोचकर आश्चर्यचकित रह गया कि इस आदमी के पास कितना पैसा होगा।
मैंने पैसे लेकर मुड़ते हुए और दरवाजे की ओर चलते हुए उसे चिढ़ाया और कहा, 'अलविदा अलेक्जेंडर! धन्यवाद!'
हालांकि, वह जानता था कि मैं सिर्फ मजाक कर रहा था।
मैं उसके पैसे लेकर भाग नहीं जाता, खासकर इसलिए क्योंकि मुझे पता था कि वह एक खतरनाक आदमी है!
हाल ही में मैं सोवियत संघ के इतिहास और शीत युद्ध के बाद उसके विभाजन के बारे में कुछ पढ़ रहा था।
कई रूसी अपने धन-संपत्ति के साथ देश छोड़कर चले गए, इसलिए मैंने सोचा कि अलेक्जेंडर भी उनमें से एक था।
हो सकता है कि वह रूसी माफिया का सदस्य हो।
वह मुझे बेहद गंभीर व्यक्ति लगे, लेकिन साथ ही साथ दोस्ताना भी थे, और हम दोनों ने मिलकर खूब हँसी-मजाक किया।
एक और आदमी था जो कभी-कभी आता था, वह बहुत ही आकर्षक था लेकिन देखने में माफिया का आदमी लगता था।
वह कभी-कभी अकेले आता था, कभी-कभी एक समूह के साथ, और जब भी वह अन्य लोगों के साथ होता था - तो वह अपने बात करने के तरीके और अपने दोस्तों के व्यवहार से नेता जैसा लगता था।

मुझे उससे बात करने में अधिक आत्मविश्वास आने लगा और मैं कभी-कभी उसके अकेले होने पर उसके साथ बैठ जाती थी।
फिर भी मैंने अभी तक किसी के साथ डेटिंग नहीं की थी, हालांकि मेरी अंग्रेजी और अन्य भाषाओं की क्षमता दिन-प्रतिदिन बेहतर होती जा रही थी, जिससे मुझे जीवन के हर क्षेत्र के नए लोगों के साथ बातचीत करने में उतनी शर्म नहीं आती थी।
जल्द ही मैंने 'टोनीज़ कूल स्पॉट' नामक एक नए प्रतिष्ठान में काम करना शुरू कर दिया।
और फिर मुझे एहसास होने लगा कि मैं पटाया की नाइटलाइफ़ में कितनी व्यापक रूप से अपनी पहुँच बना सकता हूँ।
मुझे यह समझ में आने लगा कि यह व्यवस्था केवल काम और वेतन के बारे में नहीं थी।
यह आकर्षण और बातचीत के जादू के बारे में भी था।

अध्याय सात

मेरा

पहला

प्रेम करनेवाला

आखिरकार, वह समय आ गया जब मैं अपने पहले प्रेमी से मिली और जीवन में अपनी यौन यात्रा शुरू की, जो पटाया में नई आई और जीविका कमाने की कोशिश कर रही एक युवा महिला के लिए एक बड़ा कदम था।
मेरे पहले प्रेमी का नाम निकोलाई था, लेकिन सब लोग उसे निक कहकर बुलाते थे।
वह यूक्रेन के कीव शहर से थे।
निकोलाई एक कीबोर्ड वादक और संगीतकार थे, इसलिए मुझे उनके साथ सहजता से घुलमिलने में मदद मिली।
मुझे वेस्टर्न रॉक म्यूजिक बहुत पसंद था, जो मेरे ऑफिस के साउंड सिस्टम में हमेशा बजता रहता था।
जब निकोलाई ने मुझसे बात करना शुरू किया तो मुझे बहुत रोमांटिक महसूस हुआ।
हमने साथ में जो पल बिताए वे बहुत प्यारे थे और मैं रेस्तरां में हुई हमारी उन पहली बातचीत को कभी नहीं भूलूंगा।
मेरी दोस्त भी ड्रमर की प्रेमिका थी, इसलिए मेरे लिए एक ऐसे संगीतकार के प्यार में पड़ना बहुत स्वाभाविक था जो अपने वाद्य यंत्र से जादू कर देता था।
मैं उस पर मोहित हो गई थी और साथ ही थोड़ी चिंतित भी थी, क्योंकि यह मेरा पहला प्यार का अनुभव था।
जल्द ही हम एक रिश्ते में आ गए, और मैं उस आदमी से बहुत प्यार करती थी।
हालांकि यह तनावपूर्ण था, क्योंकि वह बहुत अधिक शराब पीता और धूम्रपान करता था और उसके पैसे हमेशा खत्म होते रहते थे।
हालांकि निकोलाई एक कलाकार थे, इसलिए मैं उनके इस पहलू को समझता था।
कलाकारों के पास आमतौर पर ज्यादा पैसा नहीं होता, लेकिन उनमें जुनून की कोई कमी नहीं होती!
फिर भी, मैं खुद ही किराया चुका रही थी, और चाहे मैं इस आदमी से कितना भी प्यार करती थी, पैसों की समस्या का तनाव हमेशा एक राक्षस की तरह हमें अलग करता रहा।
साथ ही, चूंकि वह एक संगीतकार थे और बहुत ही करिश्माई व्यक्तित्व के धनी थे, इसलिए उनके आसपास हमेशा बहुत सारी महिलाएं रहती थीं और यह देखना आसान नहीं था, यह सोचकर कि कहीं वह मुझे धोखा न दे दें।

मैंने उसे अपने पहले पुरुष साथी के रूप में बहुत प्यार किया, लेकिन ऐसा लग रहा था कि यह रिश्ता नाकाम होने वाला था।
कुछ मौकों पर निकोलाई ने भी मुझे चोट पहुंचाई, जब उसने अपनी ईर्ष्या के कारण मुझ पर हमला किया क्योंकि मैं कभी-कभी बार में अन्य विदेशियों से बात करता था।
यह आसान नहीं था, और मुझे लगा कि शायद हमें अलग होना पड़ेगा।
मैं हमेशा उसे माफ कर देती थी, लेकिन एक दिन यह हम दोनों के लिए असहनीय हो गया।
अंत में उसने हमारे साझा कमरे से मेरा सामान बाहर फेंक दिया, और वह भी रेस्तरां के ठीक सामने, सबके सामने।
यह सब कुछ बहुत नाटकीय था और मुझे उस दिन का पछतावा है, लेकिन अब पीछे मुड़कर देखने पर मुझे एहसास होता है कि ऐसा होना ही नहीं था।
प्यार की खासियत यह है कि यह हमेशा क्षणभंगुर होता है, और यह कभी भी उतनी ही मजबूती से कायम नहीं रहता जितनी मजबूती से यह शुरू हुआ था।
प्यार बदल सकता है और विकसित हो सकता है, लेकिन यह उस एक पल जैसा कभी नहीं रह सकता जब दो प्रेमी अपने हार्मोन्स को उग्र महसूस करते हैं और अपनी इच्छाओं का और अधिक विरोध नहीं कर पाते हैं।
रोमांटिक प्रेम एक खतरनाक नशा है, लेकिन यह समाज से कभी खत्म नहीं होगा।
लोग हमेशा से ही अपने लिए सही साथी ढूंढने की चाहत और आकर्षण महसूस करते रहेंगे।
जब मैंने निकोलाई को छोड़ा, तो मैंने अपनी नौकरी भी छोड़ दी।
हमारा रिश्ता इतना गहरा था कि मैं कहीं ऐसी जगह जाना चाहती थी जहां वह मुझे दोबारा न ढूंढ सके।
याद रखें: यह रोमांस के साथ मेरा पहला अनुभव था!
पहली बार हर किसी को अधिक तीव्र अनुभव होता है।
फिर अलग होना और आगे बढ़ना आसान हो जाता है, लेकिन पहली बार आमतौर पर बहुत ज्यादा नाटकीय होता है।

अध्याय आठ

मेरा

अगला

काम

मेरी अगली नौकरी एक अंग्रेजी पब में थी, और वहाँ मैंने अंग्रेजी भाषा और उच्चारण के बारे में और अधिक सीखा।

मैंने अंग्रेजी खान-पान और संस्कृति के बारे में भी सीखा, और मुझे बाहरी दुनिया के बारे में और अधिक जानने में खुशी हुई, भले ही मैंने अपने गृह देश थाईलैंड से कभी बाहर यात्रा नहीं की थी।

मुझे प्रतिदिन नौ घंटे काम करने के बदले 4,500 बाट का बेहतर वेतन और टिप्स मिल रहे थे।

इससे मुझे पटाया शहर को घूमने-फिरने का भी कुछ समय मिल गया, जो मेरे लिए अब भी बहुत ही अजीब था।

मेरे जैसी एक युवा थाई महिला के लिए सब कुछ एक रोमांच था!

पूरा नजारा मनमोहक था और एक छोटे शहर से आने के कारण मैं बाहरी दुनिया के बारे में जानने के लिए उत्सुक था।

इसी दौरान मेरी मुलाकात मेरे दूसरे बॉयफ्रेंड से हुई, जो मुझसे उम्र में बड़ा एक स्कॉटिश व्यक्ति था।

वह बहुत मजाकिया था, जिसकी वजह से मैं उसकी तरफ और भी आकर्षित हो गई, भले ही वह मुझसे काफी उम्र में बड़ा था।

मुझे एहसास हुआ कि हास्यबोध किसी व्यक्ति का एक आकर्षक गुण है, और यहां तक कि सुगठित शरीर वाले युवा पुरुष भी अनाकर्षक हो सकते हैं यदि वे हर समय इतने गंभीर रहते हैं।

मेरा स्कॉटिश बॉयफ्रेंड हमेशा अजीबोगरीब मजेदार कहानियां सुनाता था, और कभी-कभी मैं उसकी हर बात पर विश्वास कर लेती थी, जिस पर उसके दोस्त हंसते थे क्योंकि वह इनमें से कई कहानियां मनगढ़ंत बनाता था!

एक दिन उसने मुझे बताया कि वह जल्द ही फुकेट जा रहा है और उसने कहा कि वह चाहता है कि मैं भी उसके साथ चलूँ।

उन्होंने कहा कि मैं वहां काम कर सकता हूं और यह मेरे लिए आसान होगा, और वेतन भी अच्छा होगा।

मैं उसके साथ जाने के लिए सहमत हो गया, और जब मैं 21 साल का था, तब मैंने पटाया को पहली बार छोड़ा जब से मैं वहां रहने आया था।

अध्याय नौ

Phuket

एडवेंचर्स

फुकेत में मेरा बॉयफ्रेंड टाइमशेयर बेचने का काम करता था।
उन्होंने कहा कि मैं बहुत अच्छा कर सकता हूँ क्योंकि मेरी अंग्रेजी काफी अच्छी है और मुझे लोगों से बात करने में डर नहीं लगता।
काम के घंटे आसान होंगे, केवल आधे दिन का काम होगा, और मैं एक वेट्रेस के रूप में पूर्णकालिक काम करने की तुलना में अधिक कमाऊंगी।
यह बहुत बढ़िया लगा!
मैं एक नई जगह पर कुछ नया करने के लिए उत्साहित था, और फुकेट बहुत अच्छा था, यहाँ के समुद्र तट पटाया से भी बेहतर थे।
फुकेत में मेरा जीवन मेरी उम्मीदों के मुताबिक एक रोमांचक अनुभव रहा।
हम लोग रात में टाइमशेयर के कर्मचारियों के साथ बार में जाया करते थे, और कभी-कभी हम सभी रेगे बार में जाते थे।
बाहर जाने से पहले, समूह बंगले में इकट्ठा होकर मारिजुआना पीता था, और वे इतना अधिक पीते थे कि कमरा धुएं से भर जाता था!
मैंने अभी तक इसे आजमाया नहीं है, लेकिन मुझे कोई असहजता नहीं थी क्योंकि मेरा स्कॉटिश प्रेमी अक्सर मेरे पास मारिजुआना पीता था।
एक बार लॉय क्राटोंग की छुट्टी के दौरान, मेरे स्कॉटिश बॉयफ्रेंड ने बहुत जल्दी शराब पी ली और कोकीन भी ले ली, इसलिए इस बात पर हमारा झगड़ा हो गया।
मैंने उससे पूछा कि वह इस तरह गाड़ी कैसे चला सकता है, तो वह मुझ पर गुस्सा हो गया।
वह ट्रैफिक में गाड़ी को बेकाबू होकर चलाने लगा, गाड़ी को बाएं से दाएं लहराने लगा और मुझे अपनी सुरक्षा को लेकर डर लगने लगा।
वह लगभग कई अन्य कारों से टकराने ही वाला था, और फिर पुलिस हमारी कार पर कूद पड़ी और हमें रुकने के लिए चिल्लाने लगी!
लेकिन मेरा प्रेमी रुकने को तैयार नहीं था!
पुलिस ने किसी तरह गाड़ी की इग्निशन से चाबी निकाल ली और फिर वे मेरे बॉयफ्रेंड को जेल ले गए।
हमें उसे बाहर निकालने के लिए उन्हें पैसे देने पड़े, और जब वह निकला, तब भी वह नशे में था!

हालांकि, जब तक वह होश में नहीं आ जाता, मैं उसे चाबियां वापस नहीं दूंगी, इसलिए हम लड़ते रहे और मुझे याद है कि यह हमारी पहली बड़ी लड़ाई थी।

अध्याय दस

जंगली

नाइट्स

इस दौरान मेरे साथ कई अजीबोगरीब घटनाएं घटीं।
फुकेत एक बड़ा पार्टी स्थल था और अब मेरे पास अधिक खाली समय और अधिक पैसा था, इसलिए मैं खूब बाहर जाता था और लोगों से मिलता-जुलता था।
मैं हमेशा अपनी अंग्रेजी कौशल में सुधार करता रहता था, इसलिए कम से कम बार में बिताए इस पूरे समय से मुझे यह तो मिल ही गया।
एक दिन, मैं दोपहर के समय एक सहकर्मी के साथ शराब पी रहा था और मुझे बहुत नशा हो गया।
हम कॉकटेल पी रहे थे और हमारे ग्रुप के लोग मुझे लगातार ड्रिंक्स पिलाते रहे।
कुछ ही देर में मैंने इतनी ज्यादा शराब पी ली कि मेरी तबीयत खराब हो गई और मुझे उल्टी करने के लिए बाथरूम की ओर भागना पड़ा और मैंने सिंक में उल्टी कर दी।
मेरे एक सहकर्मी ने मेरी मदद की और मुझे अपने घर ले गया जो पास ही था।
जब हम उसके अपार्टमेंट के अंदर थे, तो उसने मुझे सोफे पर लिटाया और मेरे कपड़े उतारने लगा।
मैं इतना नशे में था कि मुझे पता ही नहीं चल रहा था कि क्या हो रहा है और मेरा खुद पर कोई नियंत्रण नहीं था।
फिर मुझे जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज सुनाई दी, और मैंने देखा कि मेरा बॉस मेरे उस सहकर्मी से लड़ रहा था जो मुझे घर लेकर आया था।
बाद में मुझे पता चला कि मेरे साथ बलात्कार होते-होते बचा और इससे मुझे बहुत गुस्सा आया।
मुझे अपने सहकर्मी पर भी गुस्सा आ रहा था और खुद पर भी।
मैंने कसम खाई थी कि मैं फिर कभी इतनी ज्यादा शराब नहीं पीऊँगी।
मुझे हमेशा से नृत्य करना बहुत पसंद था।
यही मुख्य कारण था कि मैं लगभग हर रात बाहर जाता था।
एक बार मैं नाच रही थी और पानी पी रही थी, तभी एक आदमी मेरे पास आया और मुझसे पूछा कि क्या मुझे कुछ चाहिए।
मैंने उसे ऐसे देखा जैसे वह पागल हो क्योंकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कह रहा है।
बाद में मुझे पता चला कि कभी-कभी अगर आप बहुत सारा पानी पीते हुए नाचते हैं, तो लोग सोचेंगे कि आप ड्रग्स ले रहे हैं।
लेकिन मैं तो सिर्फ संगीत के नशे में चूर था!

अध्याय ग्यारह

को

Phuket

शहर

टाइमशेयर में मेरा काम अच्छा चल रहा था, लेकिन मैंने यह नौकरी छोड़ने और पटपोंग से फुकेत टाउन में जाने का फैसला किया।

वहाँ मुझे एक फिटनेस जिम मिला जो मार्केटिंग और सेल्स के लिए कर्मचारियों की भर्ती कर रहा था, इसलिए मैंने आवेदन किया और मुझे नौकरी मिल गई।

यह टाइमशेयर की नौकरी से बिल्कुल अलग था क्योंकि इसमें मुझे बारह घंटे काम करना पड़ता था, इसलिए मैं अब रात में ज्यादा बाहर नहीं जाता था।

मैंने बहुत कुछ सीखा, और फिटनेस प्रशिक्षकों ने मुझे व्यायाम दिखाए।

मैंने अपनी संचार क्षमता के कारण अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन मेरे एक सहकर्मी मुझसे खुश नहीं थे और उनका दावा था कि मैं उनसे बहुत अधिक पैसा ले रहा था।

वे ग्राहक ढूंढने में मेरी सफलता से ईर्ष्या करते थे।

यह एक बड़ी यूरोपीय जिम श्रृंखला थी, और मेरे विदेशी मैनेजर को वहां बिक्री कर्मचारी रखना पसंद नहीं था, क्योंकि हमें कमीशन मिलता था।

लेकिन मालिक ग्राहकों की संख्या बढ़ाना चाहता था, इसलिए उसने जोर देकर कहा कि हम यहीं रुकें।

अक्सर मेरा मैनेजर मुझसे बुरा बर्ताव करता था और इससे मुझे गुस्सा आता था।

मुझे केवल यह दिखाने के लिए और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा मिली कि मैं अपने काम में कितना अच्छा हूँ, और मैंने फिटनेस और बिक्री पर किताबें पढ़ना शुरू कर दिया।

अपने दूसरे महीने में मैंने जिम में 28 नए सदस्यों को शामिल किया, और इस तरह मैं काफी सफल रहा।

मैंने 30,000 बात से भी अधिक का कमीशन कमाया!

मैंने इससे पहले इतनी जल्दी कभी इतनी बड़ी रकम नहीं कमाई थी।

जिम के निदेशक मुझे बधाई देने आए और उन्होंने कहा कि मैंने बिक्री का एक नया रिकॉर्ड बनाया है।

उन्होंने मेरे लिए एक अलग डेस्क और एक अलग टेलीफोन का इंतजाम कर दिया, इसलिए मुझे अब अपने मैनेजर के साथ डेस्क साझा करने की जरूरत नहीं थी।

अब मैं जिम के सामने वाले हिस्से के करीब था और खिड़की से बाहर और भी लोगों को देख सकता था, इसलिए मैं जाकर उनसे जिम में शामिल होने के बारे में बात कर सकता था।

जिम में मेरा अनुभव अच्छा रहा और मेरा प्रदर्शन बेहतर होता रहा।
लेकिन अंततः मैंने विश्वविद्यालय में वापस जाने का फैसला किया।

अध्याय बारह

क्राबी

अवश्यंभावी

अपने गृहनगर काचोएंगसाओ लौटने से पहले, मैंने क्राबी की यात्रा करने का फैसला किया।
मैंने वहां एक गेस्टहाउस में एक सप्ताह रहने की योजना बनाई थी। वह एक अच्छी जगह थी, जिसमें नीचे एक बार भी था।
अक्सर लोग मुझसे पूछते थे कि मैं अकेले यात्रा कैसे कर सकती हूँ।
मैंने उनसे कहा कि मुझे अकेले रहना पसंद है और इस तरह नए लोगों से मिलना आसान होता है।
मुझे वहां बहुत सुरक्षित महसूस हुआ और मैंने आओनांग खाड़ी के अंत में स्थित फिशरमैन बार के मालिक से दोस्ती कर ली।
उनका परिवार मेरे प्रति बहुत ही दोस्ताना था और उन्होंने मुझे खाने के लिए रियायती दरें दीं।
इस यात्रा के दौरान मुझे बहुत से अच्छे लोगों से मिलने का मौका मिला और मैंने कयाकिंग और स्नोर्केलिंग जैसी नई चीजें भी आजमाईं।
जल्द ही मेरी मुलाकात एक आकर्षक जर्मन व्यक्ति से हुई जो बहुत ही मिलनसार था और मुझे हंसाता था।
उन्होंने मुझे उनके साथ आओनांग में अधिक समय तक रहने का खर्च उठाने की पेशकश की, इसलिए मैंने अपनी यात्रा बढ़ाने का फैसला किया।
हमने एक जर्मन समूह के हिस्से के रूप में कुछ समय बिताया।
एक समय ऐसा आया जब एक अन्य जर्मन व्यक्ति ने मुझे पकड़ लिया और बाकी लोगों के सामने मेरी पीठ पर मुझे चूम लिया, और मुझे डर था कि मेरा जर्मन प्रेमी यह देख लेगा।
कुछ हफ्तों बाद, जर्मन शिक्षक चला गया और मेरे लिए घर जाकर फिर से विश्वविद्यालय में पढ़ाई शुरू करने का समय आ गया था।
फुकेत और क्राबी में मेरा समय अविश्वसनीय रहा, लेकिन मुझे पता था कि मुझे बदलाव की जरूरत है।
मैं तब भी जवान था और दुनिया के बारे में चीजें सीखना चाहता था।
मैं बहुत खुले विचारों वाली थी, लेकिन मुझे कभी यह अंदाजा नहीं था कि मैं अंततः संघर्षरत विदेशियों के लिए पटाया का पहला बेघर आश्रय शुरू करूंगी।
लेकिन कभी-कभी जीवन में हमारा भाग्य पूरी तरह से अप्रत्याशित होता है।

अध्याय तेरह

खो गया

दोबारा

विश्वविद्यालय की पढ़ाई पूरी करने के बाद, मैं फिर से भटक गया।
मुझे नहीं पता था कि मैं जीवन में किस दिशा में जाना चाहता हूं, और मुझे यह भी नहीं पता था कि मैं कौन बनना चाहता हूं।
मुझे ऐसा लगा जैसे मेरा कोई उच्च उद्देश्य है, कि मैं बहुत से लोगों की तरह किसी ऑफिस में या किसी कारखाने में काम नहीं करना चाहता था।
मैं जितना हो सके बाहर रहना चाहता था, लोगों से बात करना चाहता था और तरह-तरह के लोगों से मिलना चाहता था।
कुछ समय तक मेरा जीवन ठीक नहीं चल रहा था और मैंने यह समझने की कोशिश की कि मैंने अपने अतीत में क्या गलत किया था।
एक रात, मेरी एक रूसी प्रेमिका ने मुझे नाइट क्लबों में बाहर जाने के लिए आमंत्रित किया, और मैं नाचने और संगीत सुनने के लिए उत्साहित था क्योंकि इससे मेरा दिमाग हमेशा शांत हो जाता था।
मैं दोबारा पटाया में था, और मेरे दोस्त ने मुझसे वॉकिंग स्ट्रीट पर मिलने के लिए कहा।
उससे मिलने जाते समय, शॉपिंग मॉल में मुझे एक आदमी दिखाई दिया जो मुझे जाना-पहचाना लगा, और मैं रुक गया।
मुझे याद आया कि उसका नाम विक था।
वह बर्गर की दुकान के बाहर एक कुर्सी पर सो रहा था, और उसके बगल में एक छोटा सा बैग रखा हुआ था।
मुझे आश्चर्य हुआ कि वह इस तरह सार्वजनिक स्थान पर क्यों सो रहा था, और वह ठीक नहीं लग रहा था।
उसके कपड़े गंदे थे और उसने दाढ़ी नहीं बनाई थी।
मुझे यह जानने की उत्सुकता थी कि उसके साथ क्या हुआ था, इसलिए मैंने उसका नाम पुकारकर उसे जगाया और कहा, "विक, कृपया उठ जाओ!"
उसकी आंखें धीरे-धीरे खुलीं, और मैंने उससे पूछा कि वह वहां क्या कर रहा था।
उसने मेरी तरफ मुड़कर देखा और कहा, "हाय नोंग, तुम कैसी हो?"
फिर उसने मुझे बताया कि उसके पास न तो रहने की जगह है, न ही पैसे हैं, और उसके पूर्व बॉस पर उसका पैसा बकाया है लेकिन वे उसे भुगतान नहीं कर रहे हैं।
मैंने उससे कहा कि मैं जानता हूं कि वह किसके बारे में बात कर रहा है, क्योंकि उसका पूर्व बॉस पटाया में बहुत प्रसिद्ध था, क्योंकि वह एक व्यवसायी, रेस्तरां मालिक और कॉन्डो डेवलपर था और वह बहुत धनी था।

दरअसल, उस पर मेरा कुछ पैसा बकाया भी था!
मैंने विक को कॉफी पीने के लिए आमंत्रित किया, जबकि मैं अपनी रूसी दोस्त का इंतजार कर रही थी, और हम उस आइसक्रीम की दुकान पर गए जहाँ मैंने उससे मिलने का वादा किया था।
जब मैंने विक के लिए कुछ कॉफी और नाश्ता लाकर दिया, तो हम बैठ गए और उसने मुझे अपनी स्थिति के बारे में और अधिक बताया।
उसने बताया कि वह पिछले छह रातों से सड़कों पर सो रहा है।
विक ने यह भी कहा कि उसकी प्रेमिका ने उसे घर से निकाल दिया क्योंकि उसके पास पैसे नहीं थे।
कभी-कभी समुद्र तट पर लड़कियां उसे खाने के लिए 20 बात दे देती थीं।
मैंने उससे कहा, "यह अच्छी बात है कि वे तुम्हारी मदद कर रहे हैं।"
“ज़रूर, लेकिन मैंने उन्हें सेक्स के लिए पैसे देकर पहले ही उनकी मदद कर दी थी!” विक ने जवाब दिया।
हम दोनों साथ में हँसे, और जल्द ही मेरे दोस्त से मिलने का समय हो गया।
मैंने विक को 500 बात दिए और उससे कहा कि अपना ख्याल रखना और सुरक्षित रहना।
वह पैसा उसके लिए एक सस्ता कमरा किराए पर लेने के लिए पर्याप्त था ताकि वह साफ-सफाई कर सके और एक रात आराम कर सके।

अध्याय चौदह

बैठक

The

बेघर

एक हफ्ते तक मैंने विक के बारे में दोबारा नहीं सोचा, जब तक कि एक दिन मैं सुबह जल्दी उठा और अपनी साइकिल से बाली हाई पियर तक गया, जहां मुझे पता था कि कुछ बेघर लोग लगभग हमेशा बैठे रहते हैं।
मैं जाकर उन्हें देखना चाहता था, और यह देखना चाहता था कि वे कैसे हैं, क्योंकि जब मैंने विक को उस हालत में देखा, तो मुझे इन लोगों के लिए चिंता होने लगी।
मैं हमेशा से लोगों की मदद करना चाहता था, और मैंने सोचा कि क्या मैं पटाया में रहने वाले उन विदेशियों के लिए कुछ कर सकता हूँ जिनके पास न तो पैसे हैं और न ही रहने की जगह।
उस सुबह मैंने पाँच बेघर लोगों को गिना, लेकिन क्योंकि पटाया इतना बड़ा शहर था, मुझे पता था कि वहाँ और भी बेघर लोग होंगे।
जब मैं अपने अपार्टमेंट में वापस लौटा, तो मैंने बेघर विदेशियों के बारे में ऑनलाइन और अधिक जानकारी खोजने की कोशिश की, लेकिन मुझे अंग्रेजी या थाई दोनों भाषाओं में कुछ भी नहीं मिला।
इससे मुझे आश्चर्य हुआ, क्योंकि यह एक बड़ी समस्या लग रही थी।
मुझे जो जानकारी मिली, वह केवल ब्रिटेन या अमेरिका जैसे अन्य देशों में बेघर लोगों के बारे में थी।
इससे मेरा उनके लिए कुछ करने का संकल्प और भी मजबूत हो गया।
ऐसा लगता था मानो समाज उन्हें भूल गया हो और हर कोई उनकी अनदेखी कर रहा हो।
इससे मुझे दुख हुआ और मेरा संकल्प और भी मजबूत हो गया।
फिर मुझे विक की याद आई!
बेशक, बेघर होने के कारण वह मुझे उन सभी चीजों के बारे में बता सकता था जिनकी उसके जैसे लोगों को जरूरत होती है - जैसे दवा, भोजन, कपड़े और आश्रय।

अध्याय पंद्रह

कैसे

को

मदद करना?

अंततः मैं फिर से विक से मिला, जहाँ वह अब सेंट्रल फेस्टिवल के सामने ठहरे हुए थे।
मैं दोपहर में उनसे मिला और हमने दोपहर के भोजन पर बातचीत की। अब उनकी स्थिति में सुधार हो गया था और वे एक अच्छे कमरे में रह रहे थे।
उसके पास एक मोबाइल फोन भी था, जिससे मैं उससे संपर्क में रह सकता था।
विक अपने दोस्त जो को साथ लेकर आया था, और विक ने ही हमारा परिचय कराया।
फिर मैंने विक से कुछ सवाल पूछे कि मैं पटाया के बेघर लोगों की मदद कैसे कर सकता हूं, मैं उनके जीवन को कैसे बेहतर बना सकता हूं।
मैंने उसे बताया कि मुझे इन लोगों के बारे में इंटरनेट पर कुछ भी नहीं मिला।
मैंने विक से पूछा कि क्या वह मुझे कुछ बेघर लोगों से मिलवा सकता है, ताकि मैं उनसे बात कर सकूं और उनकी कहानियां जान सकूं।
विक ने कहा कि वह मुझे जर्मनी के स्टीफन नाम के एक व्यक्ति से मिलवा सकता है, जिसे शायद अधिक जानकारी हो और उसके पास कुछ विचार हों।
फिर, जो ने बताया कि वह शराब की लत से उबर रहा है, और वह एक अन्य मित्र को शराब का सेवन बंद करने में मदद करने की कोशिश कर रहा है।
उन्होंने मुझे बताया कि अक्सर जो लोग शराब या ड्रग्स छोड़ने की कोशिश कर रहे होते हैं, उनके पास एक स्पॉन्सर होता है, जो एक ऐसा व्यक्ति होता है जो खुद नशे से दूर रहता है और उनकी मदद कर सकता है और जब भी उन्हें किसी की जरूरत होती है, उनसे बात कर सकता है।
इससे मुझे बेघर लोगों की मदद करने के बारे में और भी कई विचार आने लगे।
लेकिन इन्हें क्या नाम दें?
मुझे उन्हें 'फरांग' या 'बेघर' कहना पसंद नहीं था।
मुझे एक बेहतर शब्द की आवश्यकता थी।
इसलिए मैंने सोचा कि उन्हें 'सदस्य' कहा जाए, और वे मेरी बेघर लोगों की मदद करने वाली संस्था के सदस्यों की तरह होंगे।
यह बात उन्हें अधिक गरिमापूर्ण और सशक्त बनाने वाली लगी।

“ठीक है विक, चूंकि मैंने तुम्हारी पहले मदद की, इसलिए तुम मेरे संगठन के पहले सदस्य हो!” मैंने कहा। हम सब हंस पड़े और विक ने कहा कि यह एक सौभाग्य की बात है, और उन्होंने मुझे धन्यवाद दिया। जहां तक मेरे अगले सदस्य की बात है, मैंने अगले दिन स्टीफन से मिलने की योजना बनाई थी।

अध्याय सोलह

बैठक

साथ

स्टीफ़न

स्टीफन और मैं एक दिन बाद शाम 7 बजे रॉयल गार्डन रेस्टोरेंट में मिले।
विक एक बहुत लंबे और पतले लड़के के साथ चलते हुए मेरे पास आया, जो चलते हुए मेरी तरफ मुस्कुरा रहा था।
उन्होंने अपना हाथ बढ़ाया और मैंने उनसे हाथ मिलाते हुए कहा कि उनसे मिलकर अच्छा लगा।
हम सब एक साथ बैठे और बातें कीं, और स्टीफन बहुत ही मिलनसार था।
उसने मुझे बताया कि उसका वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी वहीं रुका हुआ है और उसे जर्मनी वापस जाना होगा, और उसके पास पैसे भी नहीं हैं।
स्टीफन ने यह भी कहा कि वह मेरी हर संभव तरीके से मदद करने की कोशिश करेगा, जो उसकी ओर से एक दयालुता थी।
मैंने समझाया कि मुझे बेघर होने के बारे में कुछ भी नहीं पता, लेकिन मैं अपनी तरफ से हर संभव मदद करने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं।
मुझे बस यह नहीं पता था कि शुरुआत कैसे करनी है, और मुझे और जानकारी की जरूरत थी।
हम सब घंटों तक बैठकर जीवन के बारे में, उनके संघर्षों और समस्याओं के बारे में बातें करते रहे।
हमने अगले दिन फिर से मिलने, कॉफी पीने और आगे बात करने पर सहमति जताई।
स्टीफन ने कहा कि वह मुझे हॉलैंड के एक और बेघर व्यक्ति से मिलवाएगा।
अगले दिन स्टीफन अपने दोस्त शाको के साथ आया।
वह बहुत दुबला-पतला था और उसके बाल सुनहरे थे।
मैंने कहा कि मैं यह जानना चाहूंगा कि उनके जैसे लोग बाहर कैसे रह रहे हैं और अपना जीवन यापन कर रहे हैं, ताकि मैं अपना चैरिटी संगठन शुरू कर सकूं।
मैंने शाको का साक्षात्कार लेना शुरू किया, उनसे कई सवाल पूछे और उन्होंने उदारतापूर्वक मुझे वह सब कुछ बताया जो वह बता सकते थे।
उन्होंने बताया कि उनकी मां के निधन के बाद वे बेघर हो गए और उन्हें बहुत सारे बिल चुकाने पड़े।
उन्हें एक बीमा कंपनी से भी कुछ समस्याएं थीं, जिसने उन्हें पैसे देने थे लेकिन कभी भुगतान नहीं किया, इसलिए उन्हें और अधिक पैसे मिलने की उम्मीद थी जो उनके बैंक खाते में कभी नहीं आए।

इससे पहले, वह सोई सियाम कंट्री में एक बहुत ही अच्छे घर में रहता था, जिसमें एक स्विमिंग पूल और चार बेडरूम थे।
मुझे यह सुनकर बहुत दुख हुआ कि वह इतनी सफलता के बाद एकदम कंगाल हो गया।
अपनी मां के अस्पताल के बिल और अंतिम संस्कार के खर्चों के चलते, छोटे और अधिक किफायती घर में जाने के बाद भी उसके पास कुछ भी नहीं बचा।
अंततः उसने अपना फर्नीचर, टीवी और जो कुछ भी वह बेच सकता था, बेच दिया और पटाया बीच पर सोने के लिए चला गया।
वह ज्यादातर नॉर्थ पटाया में सोता था।
एक बीच चेयर के मालिक ने कहा कि वह वहां सो सकता था, लेकिन कुछ रातें ठंडी होती थीं और मच्छर हमेशा उस पर बैठते रहते थे।
खाने-पीने की बात करें तो, कई बार वह लगातार दो दिन तक कुछ नहीं खाता था। वह नल का पानी पीता था और समुद्र तट पर बने स्नानघर में नहाता था।
कभी-कभी एक बूढ़ी महिला जो सुबह-सुबह भिक्षुओं को भोजन देती थी, वह स्टीफन को भी भोजन देती थी, और कभी-कभी तो 20 बात भी दे देती थी।
इस महिला ने सुझाव दिया कि स्टीफन मंदिर जाकर भिक्षुओं से भोजन मांगे, और वह उसे वहां ले गई।
भिक्षु बहुत उदार थे और उन्होंने उसे दो दिन के लिए पर्याप्त भोजन दिया।
उन्होंने इसका कुछ हिस्सा अन्य बेघर लोगों के साथ साझा किया, जिसकी उन्होंने भी सराहना की।
स्टीफन के साथ यह साक्षात्कार बहुत उपयोगी रहा और मैंने कुछ नोट्स लिए।
मैं और भी लोगों से बात करना चाहता था और उनकी कहानियों के बारे में और अधिक जानना चाहता था।
मैं अपना परोपकारी कार्य शुरू करने के लिए उत्साहित थी और मुझे पता था कि जरूरतमंद लोगों की मदद करने के बारे में सोचकर मुझे जीवन में अच्छा महसूस होगा।

अध्याय सत्रह

जैरी
से
ऑस्ट्रेलिया

कुछ ही समय बाद, स्टीफन और स्जाको ने मुझे एक अन्य चैरिटी सदस्य से मिलवाया, जिसका नाम जेरी था।
जेरी ऑस्ट्रेलिया से था, और शुरू में वह दोस्ताना नहीं लग रहा था।
वह दबंग स्वभाव का लगता था और हमसे बात करने के बजाय हमेशा बैंकॉक पोस्ट पढ़ना चाहता था।
लेकिन धीरे-धीरे मैं उन्हें जानने लगा, और मुझे वास्तव में एहसास हुआ कि उनके पास बहुत ज्ञान था।
जेरी को चैरिटी और एनजीओ (गैर-सरकारी संगठन) शुरू करने का अनुभव था।
मैंने जेरी को पटाया में एक आश्रय केंद्र शुरू करने की अपनी योजना के बारे में बताया, और उसने तुरंत योजना का ढांचा तैयार करना शुरू कर दिया, जिसमें दानदाताओं से वित्तपोषण और समर्थन प्राप्त करने के तरीके भी शामिल थे।
जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के बारे में उनके पास कई अच्छे विचार थे, और उन्हीं की बदौलत मुझे पटाया की इस आबादी की मदद करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्या करने की आवश्यकता है, इसके बारे में अधिक स्पष्ट जानकारी मिलने लगी।
जीवन के कई पहलुओं की तरह, मुख्य प्रश्न थे: कौन, क्या, क्यों, कहाँ और कैसे।
(इसका जवाब देना आसान था, क्योंकि इन लोगों को कल ही मदद की जरूरत थी!)
इसी समय से मुझे यह समझ में आया कि ये प्रश्नवाचक शब्द अंग्रेजी के सबसे महत्वपूर्ण शब्दों में से कुछ हैं, क्योंकि ये आगे की समझ के द्वार खोल सकते हैं।
जो हमारे बारे में था।
इसमें यह शामिल है कि मेरे साथ कौन काम करेगा, चैरिटी के सदस्य कौन होंगे, दान कौन देगा, आदि।
हम जो कर रहे थे, उसके बारे में क्या था?
आश्रय केंद्र के लक्ष्यों को निर्धारित करना और यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण था कि हम क्या हासिल करना चाहते हैं।
'क्यों' वाला सवाल शायद ज्यादा मुश्किल था, लगभग उतना ही कठिन जितना कि 'कैसे' वाला!
मैंने खुद से पूछा, मैं ऐसा क्यों करना चाहता हूँ?
मैं इससे ज्यादा पैसा नहीं कमा सकता।
इससे मुझे प्रसिद्धि नहीं मिलेगी।

मैं लोगों की मदद करने के लिए इतनी मेहनत क्यों कर रहा हूँ?
मुझे लगता है कि इसका जवाब हमेशा यही होगा कि इससे मुझे एक व्यक्ति के रूप में अच्छा महसूस हुआ। उदाहरण के लिए, मुझे फुकेत में जिम की सदस्यता बेचना अच्छा लगता था, लेकिन इससे मुझे कभी भी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि मैं समाज में बदलाव ला रहा हूं।
हां, मैंने अच्छा पैसा कमाया, लेकिन मुझे ऐसा महसूस नहीं हुआ कि मैं बदले में कुछ दे रहा हूं।
आश्रय स्थल शुरू करना एक अलग बात होगी।
मुझे पता था कि मैं समाज में एक अच्छे उद्देश्य के लिए लड़ रहा हूं, कि मैं वास्तव में एक महत्वपूर्ण उद्देश्य के लिए काम कर रहा हूं जिससे लोगों के जीवन में काफी सुधार होगा।
बेशक, 'कहां' का मतलब स्थान से था।
स्थान हमेशा बहुत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यह किसी भी व्यवसाय या गैर-लाभकारी संगठन की सफलता को निर्धारित कर सकता है।
अगर आप गलत जगह पर कारोबार शुरू करते हैं, तो किसी को पता भी नहीं चलेगा कि आपका अस्तित्व है।
दरअसल, मैं कहूंगा कि व्यवसाय शुरू करने के लिए दो सबसे महत्वपूर्ण चीजें हैं: एक बिजनेस कार्ड होना जिसे आप मिलने वाले लोगों को दे सकें, और एक ऐसी भौतिक जगह होना जो पैदल चलने वालों और राहगीरों के लिए आसानी से सुलभ हो।

अध्याय अठारह

पर

The

मेज़

अब मेरी मेज पर चार दानदाता सदस्य थे: विक, स्टीफन, शाको और जेरी।
मैं उन सभी के साथ मिलकर उनकी समस्याओं को हल करने में मदद करने की कोशिश कर रहा था।
फिर एक और सदस्य आया जिसका नाम सर्गेई था।
वह एक रूसी था और वह समुद्र तट पर आता-जाता रहता था, जीवित रहने के लिए संघर्ष करता था और हमेशा मदद मांगता रहता था।
सर्गेई साफ-सुथरा था और वह हमेशा अपने शरीर और कपड़ों को साफ रखता था, जिससे मुझे उसकी मदद करने का आत्मविश्वास मिला।
वह कभी-कभी पटाया घूमने आने वाले रूसियों के लिए टूर गाइड के रूप में काम करता था, और कभी-कभी वह ड्राइवर के रूप में भी अपनी सेवाएं प्रदान करता था।
पटाया शहर में उनके अनुभव ने उन्हें कई ग्राहक बनाने और अपने नेटवर्क में सफलता हासिल करने में मदद की।
फिर भी, सर्गेई को संघर्ष करना पड़ा और कुछ दिन तो उसे समुद्र तट पर ही सोना पड़ा।
मैंने उसे अपने नए सदस्यता नेटवर्क में शामिल कर लिया, जिसे मैं अब 'शेल्टर सेंटर पटाया' कह रहा था, हालांकि मेरे पास अभी तक कोई स्थान नहीं था और मैं केवल बेघर सदस्यों को भोजन और दवा जैसी उनकी दैनिक जरूरतों में मदद करने की कोशिश कर रहा था।
यहीं से मेरे काम की शुरुआत हुई और मुझे वास्तव में शहर के समाज में अपनी भूमिका का एहसास हुआ।
मैंने सर्गेई को सेंट्रल मॉल के सामने भूतल पर चलते हुए पाया, और उसने केवल एक जूता पहना हुआ था।
मैंने उसका पीछा किया और अपना परिचय देते हुए उसे बताया कि मैं क्या करता हूँ।
उस समय मेरे पास कुछ सामान था और मैंने उसे ब्रेड, जैम, मक्खन, साबुन, शैम्पू, टूथब्रश और टूथपेस्ट जैसे सूखे खाद्य पदार्थ दिए।
जब मैं पहली बार उनसे मिला तो उनका चेहरा मुस्कान से खिल उठा और यह देखकर मेरा दिल सचमुच खुश हो गया कि मैं उनके दिन को बेहतर बनाने में भागीदार बन सका।
लोगों की मदद करना हमेशा अच्छा लगता है, और मुझे अपने जीवन के वे पल याद हैं जब लोगों ने मेरी जरूरत के समय मेरी मदद की थी।

वे यादें सचमुच जीवन भर हमारे साथ रहती हैं, और अक्सर सही समय पर ऐसा लगता है जैसे कोई देवदूत हमारे जीवन में आकर हमें हौसला देता है और प्रोत्साहित करता है।
समाज को कुछ वापस देना सिर्फ एक कर्तव्य ही नहीं, बल्कि एक सौभाग्य भी है, ऐसा मेरा मानना है।
पटाया में शेल्टर सेंटर शुरू करना मेरे लिए सम्मान की बात थी।
उस दिन के बाद मैंने सर्गेई को फिर कभी नहीं देखा।
मैंने उसके बारे में पूछताछ की लेकिन किसी को नहीं पता था कि वह कहाँ है या किसी ने उसे देखा है।
कभी-कभी ऐसा होता था।
पटाया में कभी-कभी बेघर लोग अचानक गायब हो जाते थे, और कभी-कभी उनकी मौत हो जाती थी।
इससे मुझे शेल्टर सेंटर के लिए और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा मिली, क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि कोई भी इस तरह सड़कों पर अकेले मर जाए।
जल्द ही मेरे पास और भी सदस्य जुड़ गए, लेकिन मैं तब भी केवल सामान ही बांट रहा था।
मेरे पास अभी तक ऐसी कोई जगह नहीं थी जहां मैं इन लोगों को सोने के लिए बिस्तर और नहाने के लिए शॉवर दे सकूं।
मेरे सदस्यों में से एक डाइटमा नाम का एक बूढ़ा जर्मन था, और वह थोड़ा सनकी था।
उन्होंने कहा कि वह पिछले तीन हफ्तों से सोई 7 के सामने समुद्र तट पर रह रहे थे, और उनकी पेंशन खत्म हो गई थी इसलिए उनके पास कुछ भी नहीं बचा था।

अध्याय उन्नीस

निर्माण

ए

योजना

सदस्यों की संख्या बढ़ने के साथ, मैंने प्रतिदिन सभी से मिलना और आवश्यक सामग्री वितरित करना शुरू कर दिया।
हम सबने मिलकर विचार-विमर्श किया और सभी के पास अच्छे विचार थे।
स्जाको ने बताया कि वह नीदरलैंड में एक आश्रय गृह में रहता था, और उसने मुझे उसके बारे में विस्तार से बताया।
उन्होंने कहा कि वहां के आश्रय स्थल बहुत अच्छे थे, पहाड़ियों में प्रकृति के नज़ारों के साथ, सुंदर बगीचे जिनमें फूल खिले थे।
इन जगहों पर लिविंग रूम, बेडरूम और यहां तक कि गेम्स और कराओके के साथ एक एंटरटेनमेंट रूम भी था!
मैंने मन ही मन सोचा, वाह, यह तो पटाया में मेरे छोटे से अपार्टमेंट से भी कहीं बेहतर लग रहा है!
जब मैं अपने सदस्यों के साथ बैठा और उनके विचारों पर बातचीत कर रहा था, तब हमने एक योजना बनाना शुरू किया।
सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण चीज है भोजन और पेय पदार्थ।
दूसरी आवश्यकता दवाइयां हैं, तीसरी कपड़े और चौथी रहने की सुविधा वाला आश्रय।
मुझे पता था कि सबसे मुश्किल काम पटाया के केंद्र के पास एक उपयुक्त जगह ढूंढना होगा जिसमें सभी सदस्यों के लिए पर्याप्त जगह हो।
फिर भी, सूची काफी सरल थी!
लोगों को जीवित रहने के लिए क्या चाहिए, इस बारे में सोचने से वास्तव में सब कुछ स्पष्ट हो जाता है।
अचानक लोगों के पास मौजूद अतिरिक्त सामान जैसे कि अतिरिक्त बैग, जूते और गहने जरूरत से ज्यादा लगने लगते हैं।
दरअसल, मुझे आश्चर्य होता है कि जब सड़कों पर अभी भी भूखे, बीमार और ठंड से पीड़ित लोग हैं, तो किसी के पास विलासिता की वस्तुएं क्यों होनी चाहिए!
हो सकता है कि सामाजिक संरचना में कुछ गड़बड़ हो, और मुझे यह भी पता था कि थाईलैंड में अमीर और गरीब के बीच बहुत बड़ा अंतर है।

कभी-कभी बीच रोड पर चलते हुए, कोई शानदार कार जैसे फरारी या बीएमडब्ल्यू गुजर जाती थी, और मैं सोचता था कि जब वे लोग अपनी खिड़की से बाहर देखते और एक विदेशी को केवल एक जूता पहने चलते हुए देखते तो वे क्या सोच रहे होते!
क्यों न रुककर उन्हें एक जोड़ी जूते दे दिए जाएं?
या कम से कम कुछ बात?
मुझे नहीं पता, शायद अमीर लोग वास्तव में गरीब लोगों के साथ दुनिया में बाहर निकलने से डरते थे, और इसीलिए वे अपने घरों में गेट और पहरेदारों के साथ रहते थे ताकि लोगों को दूर रखा जा सके।

अध्याय बीस

चाह रहा है

दान

ठीक है, तो इस योजना के साथ, मुझे जिन चार मुख्य चीजों की आवश्यकता थी, जैसे कि भोजन, दवा, कपड़े और आश्रय, उन्हें जानते हुए, मैंने अपने सभी परिचितों से दान मांगना शुरू कर दिया।

मैंने अपने सभी थाई दोस्तों से संपर्क करके पूछा कि क्या उनके पास कोई अतिरिक्त पुरानी कमीजें या जूते हैं।

मैंने फेसबुक पर पोस्ट करके सबको बताया कि मैं क्या कर रहा हूं, और मुझे कुछ अच्छी प्रतिक्रियाएं मिलीं।

कुछ लोगों ने मुझे जवाब देते हुए कहा कि उनके पास मेरे सदस्यों को दान करने के लिए कुछ है।

इस दौरान मैंने सदस्यों से बात की और हमने पैरासिटामोल और बीटाडीन सहित महत्वपूर्ण दवाओं की एक सूची बनाई।

कभी-कभी मैं अपने पैसों से भी खाना खरीदता था और हम हर दिन दोपहर 1 से 2 बजे के बीच सेंट्रल फेस्टिवल में मिलते थे।

मॉल में, सदस्य सोफे पर आराम कर सकते थे और ठंडी एयर कंडीशनिंग में बैठकर खाना खा सकते थे और हम सब एक साथ बातचीत कर सकते थे।

यह लगभग ऐसा था जैसे मेरा अपना परिवार हो, फर्क सिर्फ इतना था कि मैं अकेली महिला थी और मेरे कई बड़े भाई या चाचा थे जो विदेशी थे!

यह कार्यक्रम अच्छा था, और सभी लोग उत्साहित और हर दिन मिलने के लिए खुश लग रहे थे।

हम सब साथ में हँसे और कहानियाँ और चुटकुले साझा किए।

अब लगभग हर दिन मेरे पास उन्हें देने के लिए कपड़े होते थे, और हमारे पास दवाइयां, खाना और पेय पदार्थ होते थे।

आश्रय गृह के सदस्यों की मदद करने से वास्तव में मुझे बहुत ऊर्जा मिली।

आश्रय स्थल शुरू करने से पहले, मैं उदास और थका हुआ था, मुझे ठीक से नींद नहीं आती थी और मेरे मन में बहुत सारे नकारात्मक विचार आते थे।

अब हालात बदल गए थे, और मुझे लग रहा था कि जीवन में मेरा उद्देश्य अच्छा है।

मुझे अधिक शक्तिशाली महसूस हुआ, जैसे कि अगर हम सब मिलकर समाज को बेहतर बनाने की कोशिश करें तो कोई भी बदलाव ला सकता है।

कितना शानदार एहसास है!

अध्याय इक्कीस

शोध

गैर सरकारी संगठनों

जल्द ही मैंने गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के बारे में हर संभव जानकारी जुटाने में जुट गया।
मैंने इन्हें शुरू करने के तरीकों, कानूनी कागजी कार्रवाई और फंडिंग प्राप्त करने के तरीकों के बारे में जानकारी जुटाई।
मैंने प्रगति रिपोर्ट लिखना, संगठन को व्यवस्थित करना और मुझे किन कर्मचारियों की मदद की आवश्यकता हो सकती है, यह भी सीखा।
होटल में काम करने के दौरान मुझे एक बात याद रही कि मानव संसाधन या एचआर सबसे महत्वपूर्ण था, क्योंकि लोग ही सबसे महत्वपूर्ण हैं।
मैंने शेल्टर सेंटर फाउंडेशन के लिए एक वेबसाइट बनाने और एक लोगो डिजाइन करने के बारे में भी सोचना शुरू कर दिया।
उस समय मेरे पास इन सेवाओं के लिए भुगतान करने के लिए पर्याप्त धन नहीं था, लेकिन मैं यह भी समझता था कि वेबसाइट के बिना धन जुटाना मुश्किल था!
केवल फेसबुक पेज होना ही काफी नहीं है, क्योंकि अगर लोगों को संगठन से जुड़ी कोई वेबसाइट और डोमेन नाम नहीं दिखेगा तो वे उसे गंभीरता से नहीं लेंगे।
मेरे पास निश्चित रूप से इतना पैसा नहीं था कि मैं हमारी सभी जरूरतों का खर्च खुद उठा सकूं।
जब हम मॉल में मिलते थे तो सदस्यों द्वारा प्रतिदिन खाए जाने वाले दोपहर के भोजन का खर्च पहले से ही मुझे अपनी जेब से उठाना पड़ता था।
कुछ तो बदलना ही था, मुझे पता था कि मुझे अपनी संस्था को बाहरी दुनिया में बढ़ावा देने के लिए नए और रचनात्मक तरीके खोजने होंगे, ताकि न केवल पटाया के लोगों तक बल्कि अन्य शहरों और विदेशों में भी लोगों तक पहुंचा जा सके।
अगर हर कोई देख पाता कि हम क्या कर रहे हैं, तो शायद वे सभी थोड़ा-थोड़ा दान करते, जिससे इतना धन इकट्ठा हो जाता कि हम एक घर किराए पर ले सकें और बंक बेड खरीद सकें।
जब मेरे सदस्य खाना खा रहे थे, तब मैं बैठकर लोगो डिजाइन करने लगा।
मैंने सोचा कि क्या अच्छा रहेगा, और मुझे लगा कि लोगो में एक दिल होना चाहिए, यह दिखाने के लिए कि आश्रय केंद्र एक देखभाल करने वाला स्थान है और जरूरतमंद लोगों के प्रति उदार है।
साथ ही, मैंने सोचा कि शायद हम उन चार चीजों को भी शामिल कर सकते हैं जिनकी हम लोगों की मदद करेंगे: भोजन, दवा, कपड़े और आश्रय।

मुझे एक लोगो डिजाइन पसंद आया जो बैंकॉक में स्थित बेघर लोगों के लिए काम करने वाली संस्था इसाराचोन का था।
उनके लोगो में लोग एक घेरे में हाथ पकड़े हुए थे, जो एकता और देखभाल दिखाने का एक तरीका था।
मैंने इसाराचोन से संपर्क किया और उनसे पूछा कि क्या मैं उनके डिजाइन की नकल कर सकता हूं और उन्होंने हां कह दी।
मैंने उनसे कहा कि मैं इसमें कुछ बदलाव कर दूंगा ताकि यह हूबहू नकल न हो, लेकिन मुझे हाथों का घेरा बहुत पसंद आया।
वहां के कर्मचारियों ने मुझे इसका इस्तेमाल करने की अनुमति देकर बहुत दयालुता दिखाई और मैं इसके लिए उनका आभारी हूं।
इसाराचोन के साथ मेरा संबंध मजबूत था, और जल्द ही उन्होंने मुझे बड़े शहरों में बेघरपन के बारे में एक बैठक और सेमिनार के लिए बैंकॉक आमंत्रित किया।

अध्याय बाईस

एक यात्रा

को

बैंकाक

मुझे जिस सेमिनार में आमंत्रित किया गया था, वह बहुत ही ज्ञानवर्धक होने वाला था, और मैं चोनबुरी के सामाजिक कल्याण कार्यालय से खुन रुंग के साथ बैंकॉक की यात्रा पर जा रहा था।

मुझे एक प्रेजेंटेशन देने के लिए भी आमंत्रित किया गया था, और मुझे बोलने में थोड़ी घबराहट हो रही थी!

हालांकि, इस समय तक मुझे बेघर लोगों के बारे में काफी कुछ पता चल चुका था, जैसे कि वे कैसे जीवित रहते हैं, थाईलैंड में वे बेघर कैसे हो जाते हैं और वीजा की अवधि समाप्त होने और चिकित्सा संकट जैसी अन्य समस्याएं।

इसलिए मेरे पास बात करने के लिए बहुत कुछ था।

फिर, सेमिनार के रास्ते में, खुन रुंग ने मुझे बताया कि मेरा नेशंस टीवी द्वारा साक्षात्कार लिया जाएगा और एक वीडियो भी बनाया जाएगा।

मुझे आश्चर्य हुआ!

मेरे पास न तो फैंसी मेकअप था और न ही अच्छे कपड़े, मैं इसके लिए तैयार नहीं थी और काश मुझे इस बारे में सोचने के लिए और समय मिला होता कि मैं क्या कहने वाली थी।

कैमरे के सामने होने से मैं थोड़ा परेशान हो गया था!

इस अवसर पर मेरी मुलाकात फ्रांसीसी और जापानी पत्रकारों से हुई।

मैंने पश्चिमी मीडिया की नजरों में अपनी छवि मजबूत बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।

संदेश पहुंचाने के लिए, मैंने उन्हें अपनी सारी प्रतिभा और प्रयास दिखाए।

मैंने इस मंच पर खुद को आकर्षक दिखाने की पूरी कोशिश की, जिसके बारे में मुझे पता था कि इसे दुनिया भर के दर्शक देखेंगे, और कई संस्कृतियों के लोग मुझे देखेंगे।

अचानक मेरा छोटा सा विचार एक बहुत बड़े विचार में तब्दील होने लगा।

मीडिया का ध्यान आकर्षित करना शेल्टर सेंटर के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने में एक बड़ा कदम था।

मुझे पत्रकारों और रिपोर्टरों के फोन आने लगे, उनमें से कुछ तो क्रिश्चियन साइंस मॉनिटर जैसे विदेशी प्रकाशनों से भी थे।

संस्था तेजी से बढ़ रही थी और मैंने पटाया में सभी बेघर विदेशियों से मिलना शुरू कर दिया, और उन्हें अपनी सदस्यता सूची में जोड़ना शुरू कर दिया।

बहुत खूब!
यह बेहद रोमांचक था, यह परियोजना कितनी महत्वपूर्ण साबित हो रही थी!
मैं फोन का जवाब देने, सोशल मीडिया पर पोस्ट करने और स्थानीय लोगों से दान इकट्ठा करने में बहुत व्यस्त था, जिन्होंने इस नेक काम में उदारतापूर्वक योगदान दिया।
मैं जीवन में एक बड़े साहसिक कार्य पर था, एक ऐसा साहसिक कार्य जिसने मेरे दिल को सुकून दिया और मुझे यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि मैं मानवीय पीड़ा को कम करने में एक महत्वपूर्ण योगदान दे रहा हूं।
मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि मेरे साथ क्या होने वाला है, और यह सब कुछ बहुत तेजी से और बहुत ज्यादा हो गया।
जल्द ही मुझे एहसास हुआ कि मुझे इस बारे में बहुत व्यवस्थित रहने की जरूरत है और यह कि एक गैर-लाभकारी संगठन या एनजीओ चलाना भी एक पूर्णकालिक नौकरी है, न कि सिर्फ एक शौक।
कभी-कभी यह बहुत नाटकीय भी हो सकता था, भले ही वित्त और मनोरंजन जैसे निजी उद्योगों में बहुत अधिक धन शामिल न हो।
किसी गैर सरकारी संगठन को चलाना निश्चित रूप से एक गंभीर काम है, और यह कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है।
सम्मेलन के दौरान, एक समाचार चैनल ने कहा कि वे पटाया आना चाहते हैं और कैमरे पर एक बेघर व्यक्ति का साक्षात्कार लेना चाहते हैं।
मैंने उनसे कहा, हां, मैं इसमें मदद कर सकता हूं।
हमने कुछ दिनों बाद का समय तय किया, और मुझे ठीक-ठीक पता था कि कैमरे के सामने कौन अच्छा लगेगा - सिल्वेस्टर।
हालांकि, मुझे कुछ हफ्तों से उससे कोई खबर नहीं मिली थी, और मुझे उसकी चिंता होने लगी थी।
उम्मीद है कि मैं साक्षात्कार के समय तक उसे ढूंढ पाऊंगा।
सिल्वेस्टर बहुत ही जीवंत स्वभाव का व्यक्ति था और अमेरिकी होने के कारण उसकी अंग्रेजी अच्छी थी।
उसके पास हमेशा कुछ न कुछ मजेदार कहने को होता था और बातचीत के लिए अच्छे विषय होते थे।

अध्याय तेईस

पीछे

को

पटाया

पटाया वापस आने के बाद, मैंने कई जगह फोन किया और आखिरकार सिल्वेस्टर को ढूंढ निकाला।
जहां सिल्वेस्टर था, वहां एक और व्यक्ति था जिसके पास मोबाइल फोन था और उन्होंने फोन सिल्वेस्टर को दे दिया ताकि हम बात कर सकें।
मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि सिल्वेस्टर ठीक है, और मैंने उसे इंटरव्यू के बारे में बताया।
उन्होंने कहा कि उन्हें यह करना अच्छा लगेगा और मुझे उनके बारे में सोचने के लिए धन्यवाद दिया।
कुछ दिनों बाद टीवी चैनल कैमरा उपकरण और क्रू के साथ वहां पहुंचा।
वीडियो शूट करने से पहले प्रोड्यूसर ने हमारे साथ कुछ तस्वीरें लेने के लिए कहा, और सिल्वेस्टर और मैंने कैमरे के सामने पोज दिया।
पटाया में यह एक बहुत बड़ा आयोजन था, जिसमें कुछ लोग यह जानने के लिए उत्सुकता से इकट्ठा हुए थे कि आखिर हो क्या रहा है।
अब तक मैं शहर में थोड़ा-बहुत मशहूर हो चुका था, और बहुत से लोग मुझे पहचानने लगे थे और मेरा नाम भी जानते थे।
उन्हें सिल्वेस्टर की और भी तस्वीरें मिलीं जिनमें वह सड़क पर अपना बैग लेकर चल रहा था, और वह समुद्र तट पर रेत में अपने कुछ दोस्तों के साथ बैठा हुआ था।
यह लगभग एक फिल्म की शूटिंग करने जैसा था, और यह सब मेरे लिए बहुत नया था और इसे देखना और इसमें शामिल होना रोमांचक था।
मैं अंतरराष्ट्रीय पत्रकारिता से जुड़े अन्य देशों के लोगों से मिल रहा था, और मुझे हर मिनट कुछ नया सीखने को मिल रहा था।
फिर इंटरव्यू देने का समय आ गया।
सिल्वेस्टर का साक्षात्कार लेने के बाद, वह मेरी ओर मुड़ी और मुझसे उस चैरिटी के बारे में कई सवाल पूछे जिसे मैं चला रहा था।
मैं घबराई हुई थी, लेकिन मैंने कैमरों के सामने खुद को अच्छे से पेश करने की पूरी कोशिश की, और बताया कि मैंने शेल्टर सेंटर कैसे शुरू किया, और उनसे पटाया में बेघर पश्चिमी लोगों की समस्या के बारे में बात की।
पत्रकार बहुत ही विनम्र थीं और उन्होंने मुझे मेरे समय के लिए धन्यवाद दिया, और फिर बात खत्म हो गई।

अब पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय समाचार संगठन ने मेरा साक्षात्कार लिया था।
यह एक बड़ा कदम था, और इसके बाद, अधिक दान आने लगे और मेरा ईमेल उन लोगों के संदेशों से भर गया जो मेरे द्वारा स्थापित चैरिटी के बारे में पूछताछ कर रहे थे।
यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी।
रिपोर्टर ने बैंकॉक से रवाना होने से पहले मुझे अखबार के छपने के समय के बारे में अपडेट देने का वादा किया था, और जल्द ही मुझे इस बात की पुष्टि मिल गई कि मेरे फाउंडेशन के बारे में फीचर रविवार के विशेष संस्करण में शामिल किया जाएगा।
उसने पूछा कि अगर उसे कोई सवाल हो तो क्या वह मुझे दोबारा कॉल कर सकती है, और मैंने उससे कहा कि वह बेझिझक कभी भी कॉल कर सकती है।
कुछ मायनों में, यह कदम तो सिर्फ शुरुआत थी।
अभी और काम करना बाकी था, और कई और बाधाओं को पार करना था।
मुझे पूरा विश्वास था कि मैं जिस रास्ते पर चल रहा था, वह लोगों के लिए वास्तव में मूल्यवान था।
फिर कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा!
समाज में अपने योगदान के माध्यम से सफलता प्राप्त करते रहने के लिए मुझे बस आगे बढ़ते रहना था।

अध्याय चौबीस

मिडिया

ध्यान

जब अखबार में लेख छपा, तो मैंने दो सेट खरीद लिए।
एक मेरे लिए और एक सिल्वेस्टर के लिए।
मैंने सोशल मीडिया पर भी इस बारे में बताया और इससे काफी प्रतिक्रिया मिली, क्योंकि कई वेब सर्फर इस घटना के बारे में जानने के लिए उत्सुक थे कि कैसे पश्चिमी देशों के लोग थाईलैंड में सब कुछ खो देते हैं और घर लौटने का टिकट न होने के कारण बेसहारा हो जाते हैं।
कुछ ही समय बाद बैंकॉक पोस्ट, साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट और एपोच टाइम्स सहित कई अलग-अलग मीडिया आउटलेट्स से फोन आने शुरू हो गए।
मैं दुनिया भर के पत्रकारों से अपने फाउंडेशन, अपने द्वारा किए गए कार्यों और बेघर लोगों के जीवन में मैंने किस प्रकार बदलाव लाया, इस बारे में बात कर रहा था।
सिल्वेस्टर पटाया में एक तरह से सेलिब्रिटी बन गया था!
उनकी तस्वीरें कई अखबारों में छपीं और वे संघर्षरत पटाया के प्रवासियों के लगभग प्रवक्ता बन गए।
हर कोई मेरे और उनके साथ सेल्फी लेना चाहता था, और सोशल मीडिया फीड पर ढेर सारे लाइक्स और कमेंट्स आ रहे थे।
सिल्वेस्टर ने पत्रकारों को बताया कि कैसे उनकी पत्नी ने उन्हें अमेरिका में उनके घर से निकाल दिया और वहां भी उन्हें सड़कों पर सोना पड़ा।
उन्होंने कहा कि पटाया में बिना छत के रहना काफी आसान था, अक्सर सबसे बुरी चीज मच्छर होते थे और वहां कभी ज्यादा ठंड नहीं पड़ती थी।
अमेरिका भी कहीं ज्यादा खतरनाक था।
मीडिया में थ्यूनिस जाल्टे डी यंग नाम के एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति के बारे में भी चर्चा हुई, जिसे हममें से ज्यादातर लोग टोनी स्टार्स या टोनी 5 स्टार्स कहते थे, क्योंकि उसके चेहरे पर नीदरलैंड के झंडे के डिजाइन की तरह पांच सितारों का टैटू था।
वह एक प्रभावशाली व्यक्ति था, और वह कभी-कभी जल्दी गुस्सा हो जाता था।
फिर भी मैंने उसकी मदद करने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किया, क्योंकि मैं हमेशा जरूरतमंद हर किसी की मदद करने की पूरी कोशिश करता हूं।
अगले अध्याय में, मैं टोनी की कहानी साझा करूंगा।

अध्याय पच्चीस

टोनी

5 सितारे

मेरी टोनी 5-स्टार्स से पहली मुलाकात तब हुई जब स्टीफन ने मुझे उनके बारे में बताया।
स्टीफन ने बताया कि टोनी की पत्नी और दो बच्चे बैंकॉक के पास स्थित नोनथाबुरी प्रांत में रहते हैं।
इसके अलावा, स्टीफन ने कहा कि टोनी का वीजा समाप्त हो चुका था और वह तय समय से अधिक समय तक रुका हुआ था, और उसके पास पैसे नहीं बचे थे और वह समुद्र तट पर बेघर रह रहा था।
चूंकि मैं टोनी से अभी तक नहीं मिला था, इसलिए मैंने उसे ढूंढने की कोशिश करने का फैसला किया।
अब पटाया में सभी बेघर लोगों की मदद करना मेरा कर्तव्य था, और जब भी कोई ऐसा व्यक्ति होता था जिससे मैं अभी तक नहीं मिला था, तो मैं उनसे बात करना चाहता था ताकि यह पता चल सके कि उनके जीवन की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें किस प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो सकती है।
जब आखिरकार मेरी मुलाकात टोनी से हुई, तो मैंने अपना परिचय दिया और उसे अपने फाउंडेशन के बारे में बताया।
उसने संदेह भरे भाव से मेरी ओर देखा।
उन्होंने कहा, "कृपया मुझे परेशान न करें।"
“माफ़ कीजिए, महोदय,” मैंने उत्तर दिया, “मैं यहाँ इसलिए आया हूँ क्योंकि मैंने सुना है कि आप तय समय से ज़्यादा रुक गए हैं, इसलिए मैं आपकी सहायता करना चाहता था।”
वह गुस्से में दिख रहा था।
“नहीं!” उसने कहा। “मेरा वीज़ा ठीक है। आपको किसने बताया? क्या आप मेरे वीज़ा की मुहर देखना चाहते हैं? मैं इसे साबित कर सकता हूँ।”
“नहीं, कोई बात नहीं,” मैंने कहा। “मुझे खुशी है कि आप ठीक हैं।”
मैं रुककर उससे और बात करना चाहता था, लेकिन क्योंकि वह बहुत गुस्से में लग रहा था, इसलिए मैं तुरंत वहां से चला गया।
कुछ रातों बाद, जब मैं सड़क पर एक दूसरे आदमी से बातचीत कर रहा था, अचानक मैंने कुछ लोगों को बहस करते हुए सुना।
मैंने मुड़कर देखा कि क्या हो रहा है, और मुझे टोनी फिर से दिखाई दिया।
बस इस बार, वह किसी यूरोपीय व्यक्ति से लड़ रहा था, और वह यूरोपीय व्यक्ति एक बोतल पकड़े हुए था जैसे कि वह टोनी को मारने ही वाला हो।

सभी लोग बस बैठे देख रहे थे, और मुझे चिंता थी कि टोनी को चोट लगने वाली है।
इसलिए मैं तेजी से उस यूरोपीय व्यक्ति के पीछे से घूमकर उसके हाथ से बोतल छीन ली और उसे कूड़ेदान में फेंक दिया।
समस्या हल हो गई, बस इतना ही!
मैंने चिल्लाकर कहा, "यहाँ लड़ाई नहीं! मैं नहीं चाहता कि किसी को चोट लगे!"
सौभाग्यवश, वह यूरोपीय व्यक्ति तब घटनास्थल से चला गया, लेकिन टोनी वहीं रुका रहा।
वह मुसीबत से बचने में मेरी मदद करने के लिए मुझे धन्यवाद देने आया था।
मैंने उनसे कहा कि कोई बात नहीं, कोई समस्या नहीं है।
शुरुआत में अनबन से लेकर अब दोस्ती तक, यह जानकर अच्छा लगा कि टोनी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा!
फिर हम साथ बैठे और टोनी ने मुझसे और बात की।
उसने स्वीकार किया कि हां, वह बेघर था और वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी देश में रुका हुआ था।
यह एक खतरनाक स्थिति थी, क्योंकि निर्धारित समय से अधिक समय तक रुकने वाले लोग अक्सर हवाई अड्डे पर स्थित आव्रजन निरोध केंद्र (आईडीसी) में पहुंच जाते थे।
टोनी ने नोन्टंबुरी में अपनी पत्नी, बेटे और बेटी के बारे में बड़े स्नेह से बात की।
उन्होंने कहा कि कभी-कभी वह उनसे मिलने जाते थे।
उन्होंने यह भी कहा कि कभी-कभी उनका भाई पटाया में उनसे मिलने आता था और वे साथ में बीयर पीते थे।
एक और दिन, मेरी टोनी से दोबारा मुलाकात हुई और इस बार वह बहुत अस्वस्थ लग रहा था।
मैंने उससे पूछा कि क्या बात है, तो उसने जवाब दिया कि उसे अपने परिवार की याद आ रही है और वह उनसे मिलने जाना चाहता है, लेकिन उसके पास वहां जाने के लिए अच्छे कपड़े नहीं हैं।
उसने मुझसे पूछा कि उसे क्या करना चाहिए।
मैंने उनसे कहा कि मेरे पास कुछ अतिरिक्त कपड़े हैं, और उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है।
फिर अगले दिन मैं उसके लिए कुछ नई शर्ट, जींस और एक ट्रैवल बैग लेकर आया।
वह इतना खुश दिख रहा था कि मेरा दिल खुश हो गया।
सौभाग्य से मुझे ऑस्ट्रेलिया के शेल्टर सेंटर पटाया के एक अनुयायी से एक उदार दान प्राप्त हुआ था।
जब मैंने टोनी को छोड़ा, तो वह लगभग उसी तरह खड़ा था जैसे वह सेना में हो, मुझे सलाम करने और सम्मान दिखाने के लिए।
यह उन कई मौकों में से एक था जब मुझे वास्तव में याद है कि मैंने किसी को कपड़े या भोजन जैसी साधारण सी चीज देकर उनके जीवन में बदलाव लाया।
मैं कभी भूल नहीं सकता!

अध्याय छब्बीस

बढ़ा हुआ

मिडिया

ध्यान

जैसे-जैसे समय बीतता गया, खासकर जब से बैंकॉक पोस्ट ने मेरी कहानी प्रकाशित की, तब से पटाया शहर में बेघर पश्चिमी लोगों के विषय को कवर करने में अधिक से अधिक मीडिया की रुचि बढ़ने लगी।

मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल गई, और पत्रकारों और राजनेताओं सहित अधिक से अधिक लोग मेरे काम में दिलचस्पी लेने लगे।

हालांकि, एक समस्या जो मैंने देखी, वह यह थी कि बहुत सारे मीडियाकर्मी ऐसे लोगों का साक्षात्कार ले रहे थे जिन्होंने कभी किसी चैरिटी संस्था के साथ काम नहीं किया था, जिनमें समुद्र तट पर या समुद्र तट के पास के बार या रेस्तरां में मौजूद आम लोग भी शामिल थे।

मैंने सोचा, यह कैसे हो सकता है?

ये लोग गैर सरकारी संगठनों और धर्मार्थ कार्यों से जुड़े पेशेवर नहीं हैं।

कभी-कभी, साक्षात्कार देने वाला व्यक्ति कहता था कि पटाया में लगभग 200 बेघर लोग रहते हैं।

इससे मुझे भी आश्चर्य हुआ, क्योंकि मुझे पता था कि यह केवल एक अनुमान था और स्थिति के प्रत्यक्ष ज्ञान पर आधारित नहीं था।

इन लोगों की कही गई इन और अन्य बातों से यह स्पष्ट हो गया कि ये लोग केवल मनगढ़ंत कहानियां बना रहे थे।

मुझे लगता है कि यह तर्कसंगत है।

जब कोई व्यक्ति कैमरे के सामने होता है या किसी बड़े अखबार के पत्रकार द्वारा उसका साक्षात्कार लिया जा रहा होता है, तो निश्चित रूप से उसे ध्यान आकर्षित करना अच्छा लगता है और वह महत्वपूर्ण दिखना चाहता है।

हालांकि, यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि मीडिया पाठकों या दर्शकों को गलत जानकारी दे रहा था।

मेरी जान-पहचान की एक फ्रांसीसी पत्रकार काफी शोध कर रही थी और वह हमेशा सबसे अच्छी और सबसे सच्ची जानकारी जुटाने की कोशिश करती थी, जो अच्छी बात थी।

उन्होंने काफी समय निकालकर विस्तार से कई सवाल पूछे और यह सुनिश्चित किया कि उनकी रिपोर्टिंग यथासंभव सटीक हो।

यह सुनने के बाद कि कुछ लोगों का मानना था कि 200 बेघर लोग हैं, मैंने खुद गिनती करने का फैसला किया, और मुझे कुल मिलाकर केवल 25 लोग मिले, जिनमें से अधिकांश मेरे चैरिटी के सदस्य थे जिनकी बुनियादी जरूरतों में मैं नियमित रूप से सहायता करता था।

इसलिए मुझे इस बात से और भी ज्यादा आश्चर्य हुआ कि एक ऐसी संस्था का कोई व्यक्ति, जिसके अधिकारी अंग्रेजी तक नहीं बोल सकते, 200 का दावा कर रहा था।

हालांकि, जब मैं इसके बारे में सोचता हूं तो यह बात समझ में भी आती है, क्योंकि दान और धन प्राप्त करने के लिए चैरिटी संस्थाएं अक्सर वास्तव में जितने लोगों की मदद कर रही होती हैं, उससे कहीं अधिक लोगों की मदद करने का दावा करती हैं।

दुर्भाग्यवश, अक्सर चैरिटी और गैर सरकारी संगठन इसी तरह काम करते हैं।

हालांकि मैंने हमेशा यथासंभव सटीक रहने की कोशिश की!

अध्याय सत्ताईस

समस्याएं

उत्पन्न होना

जैसे-जैसे समय बीतता गया, पटाया स्थित आश्रय केंद्र के बारे में अधिक से अधिक लोगों को पता चलने लगा, और ऐसा लग रहा था कि यह हर दिन बढ़ता जा रहा है।

इस बिंदु पर, और भी समस्याएं उत्पन्न होने लगीं।

लोग चैरिटी उद्योग में पेशेवर होने का दिखावा करते रहे, केवल मुझे पता था कि वे प्रमुख मीडिया आउटलेट्स से झूठ बोल रहे थे।

एक ऐसा व्यक्ति था जिसके बारे में मुझे पक्का पता था कि वह झूठ बोल रहा है क्योंकि वह वास्तव में मेरे लिए काम करता था, शेल्टर सेंटर का लोगो और फेसबुक पेज बनाने का काम करता था।

उनका नाम एंडर था और वे स्वीडन के रहने वाले थे।

एंडर ने मेरे लिए थोड़े समय के लिए ही काम किया और फिर नौकरी छोड़ दी, फिर भी वह ऐसे इंटरव्यू दे रहा था जैसे वह किसी गैर सरकारी संगठन का निदेशक रहा हो!

एंडर को अपनी पत्नी के साथ कई समस्याएं थीं, जिससे उनके साथ काम करने की मेरी क्षमता प्रभावित हुई, और इसलिए मैंने उनसे फिर कभी संपर्क नहीं किया।

अब मुझे पता चला कि सितंबर 2014 में रॉयटर्स के साथ एक साक्षात्कार में उन्हें दिखाया गया था, जो दुनिया के सबसे प्रमुख मीडिया आउटलेट्स में से एक है।

मुझे इस बात पर बहुत गुस्सा आया कि पटाया में कुछ धोखेबाज लोग बेघर लोगों की मदद करने वाली संस्थाओं के नेताओं होने का दिखावा कर रहे थे।

मैंने इसके बारे में न सोचने की कोशिश की, क्योंकि मुझे बहुत काम करना था, लेकिन मैं एंडर से व्यक्तिगत रूप से बात करना चाहता था और उसे यह बताना चाहता था कि ऐसा करना ठीक नहीं है।

पटाया में कई लोग अक्सर खुद को कुछ और होने का दावा करते हैं, जबकि वे वास्तव में कुछ और होते हैं।

दरअसल, हर दिन आप किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर सकते हैं जो जासूस हो, या जासूस रिपोर्टर हो, या कोई मशहूर अभिनेता हो, बस फर्क इतना है कि वे गरीब हैं और बीच रोड पर व्हिस्की पी रहे हैं!

कुछ मायनों में, यह मनोरंजक है।

किसी ऐसे व्यक्ति से बात करना मजेदार हो सकता है जिसकी कहानी इतनी अविश्वसनीय हो कि उस पर विश्वास करना असंभव हो।

हालांकि, जब आप मेरे शेल्टर सेंटर पटाया जैसे किसी पहचान योग्य नाम को स्थापित करने के लिए काम कर रहे होते हैं, तो यह ध्यान भटकाने वाला भी हो सकता है।

विशेषकर जब प्रमुख मीडिया इसमें शामिल हो।
मुझे इस बारे में एंडर से व्यक्तिगत रूप से बात करने का कभी मौका नहीं मिला, लेकिन मुझे याद है कि उस समय मैं उसके व्यवहार से बहुत नाखुश था।

अध्याय अट्ठाईस

हम क्या कर सकते हैं
को
उन्हें घर ले आओ

एक दिन मैं पटाया बीच पर बैठा था, तभी मेरे थाई शेल्टर सेंटर के सदस्यों में से एक, खुन ह्वेन्ग, मुझसे मिलने आई।

उन्होंने कहा कि वह मुझे अपने एक परिचित बुजुर्ग प्रवासी से मिलवाने के लिए यहां लाना चाहते थे।

मैं उसके साथ गया, और हम एक बेंच पर बैठे दो आदमियों के पास पहुँचे, और बाद में मुझे पता चला कि खुन ह्वेंग मुझे जिस आदमी से मिलवाना चाहता था, उसका नाम रोनाल्ड था, जो एक सेवानिवृत्त कप्तान था।

“हे,” खुन ह्वेन्ग ने कहा। “यह वही महिला है जिसके बारे में मैंने तुम्हें बताया था, खुन नोंग। वह हम सभी को भोजन, दवाइयाँ और कपड़े मुहैया करा रही है। मैंने उसे तुम्हारे बारे में और तुम्हारी ज़रूरतों के बारे में बताया है।”

मैंने उस आदमी से हाथ मिलाया।

“नमस्ते,” मैंने कहा। “मैं नोंग हूँ और मैं समुद्र तट पर बेघर लोगों के लिए स्वयंसेवा करती हूँ। क्या आप ठीक हैं? मैं आपकी क्या मदद कर सकती हूँ?”

“मेरा वीजा समाप्त हो गया है,” रोनाल्ड ने कहा। “मुझे क्या करना चाहिए?”

मैंने पूछा, "आपकी आय कितनी है?" क्योंकि वीजा संबंधी मामलों में आव्रजन अधिकारियों को सहायता के लिए भुगतान करने के लिए पैसे का होना आवश्यक है।

“मुझे हर महीने रिटायरमेंट पेंशन मिलती है,” रोनाल्ड ने जवाब दिया। “मुझे 20,000 बात मिलते हैं।”

“ठीक है, बहुत बढ़िया। आप काफी अच्छा कर रहे हैं। आप खाने-पीने पर कितना खर्च कर रहे हैं?”

“मेरी पूरी पेंशन!” रोनाल्ड ने कहा। “और उससे भी ज़्यादा!”

मुझे यह सुनकर आश्चर्य नहीं हुआ।

शराब और नशीली दवाओं के सेवन के कारण बेघर हुए कई लोग अपने पास मौजूद एक-एक बात खर्च कर देते थे, और फिर अपनी बुरी आदतों को जारी रखने के लिए अन्य तरीकों से और पैसे जुटाते थे।

मैंने कहा, "ठीक है, आपको तय समय से अधिक ठहरने के लिए 20,000 का शुल्क देना होगा, और फिर थाईलैंड से बाहर जाने के टिकट के लिए और अधिक पैसे देने होंगे।"

“वाह, मैं इतनी बड़ी रकम का इंतजाम नहीं कर सकता। यह असंभव होगा।”

“तो मेरी सबसे अच्छी सलाह यही है कि आप पटाया में ही रहना जारी रखें। यहाँ आम तौर पर आव्रजन पुलिस लोगों को नहीं पकड़ती। आप यहाँ अपनी पेंशन पर लंबे समय तक गुज़ारा कर सकते हैं, और फिर पैसे बचाने के बारे में सोच सकते हैं ताकि आप अंततः यहाँ से जा सकें। लेकिन आपको पैसे बचाना सीखना होगा!”
कप्तान रोनाल्ड के साथ मैं बस इतनी ही सलाह साझा कर सकता था।
निर्धारित समय से अधिक समय तक ठहरने की उनकी स्थिति बहुत आम थी।
हालांकि, अपनी पेंशन के साथ, वह निश्चित रूप से कई अन्य दुर्भाग्यशाली बेघर पुरुषों की तुलना में कहीं बेहतर स्थिति में था।
मैंने रोनाल्ड से दोबारा बात करने और उससे लगातार संपर्क में रहने का नोट बना लिया।
उम्मीद है कि वह ज्यादा शराब नहीं पिएगा! शराब पर 20,000 खर्च करना बहुत बड़ी रकम है!
मुझे तब तक यह पता नहीं था, लेकिन जल्द ही मुझे रोनाल्ड की मदद करने के लिए फिर से बुलाया जाएगा।

अध्याय उनतीस

मदद
से
सोमचाई

रोनाल्ड से पहली मुलाकात के कुछ ही समय बाद मुझे एक और फोन कॉल आया।
फोन करने वाला व्यक्ति तनाव में लग रहा था और उसने पूछा कि क्या मैं पटाया के शेल्टर सेंटर का खुन नोंग हूँ। मैंने कहा कि हाँ, मैं वही हूँ।
फिर फोन करने वाले ने कहा कि उन्हें मेरा फोन नंबर समुद्र तट पर रहने वाले बेघर लोगों में से एक से मिला है।
मैंने फोन करने वाले का नाम पूछा, और उन्होंने बताया कि उनका नाम सोमचाई है।
उनकी अंग्रेजी बहुत अच्छी थी, और उन्होंने बताया कि वे पहले ब्रिटेन में रह चुके हैं।
फिर उसने कहा कि उसे एक ब्रिटिश दोस्त की मदद की जरूरत है जिसके पैसे खत्म हो गए हैं।
“मेरा दोस्त किसी कारणवश अब अपनी पेंशन नहीं ले पा रहा है। वह बैंक जाता है, लेकिन वहां कुछ भी नहीं है,” सोमचाई ने कहा।
मुझे तुरंत रोनाल्ड की याद आ गई, क्योंकि वह उन कुछ लोगों में से एक था जिन्हें मैं जानता था जो पेंशन प्राप्त कर रहे थे लेकिन फिर भी कभी-कभी समुद्र तट पर सोते थे।
सोमचाई ने कहा, "मैंने उसे पैसे उधार दिए थे, लेकिन अब मैं ऐसा नहीं कर सकता, क्योंकि मैं खुद भी कंगाल हो गया हूँ!"
मैंने कहा, "मुझे रोनाल्ड के ठिकाने की जानकारी दीजिए, और मैं जितनी जल्दी हो सके उससे मिलने जाऊंगा।"
सोमचाई ने रोनाल्ड के सटीक स्थान के बारे में बताया और मैंने उसे लिख लिया।
वहाँ पहुँचते ही मैंने रोनाल्ड को नीचे आने के लिए बुलाया।
इमारत बड़ी थी और उसमें कई कमरे थे क्योंकि यह एक किफायती थाई शैली का अपार्टमेंट था।
जब रोनाल्ड नीचे आया, तो उसने कुछ आदमियों को देखा और मुझसे पूछा कि मैं मिलने क्यों आया हूँ।
मैंने उसे बताया कि मुझे सोमचाई का फोन आया था जिसमें उसने मुझसे उसका हालचाल पूछने के लिए कहा था।
मैंने बताया, “उन्होंने फोन पर कहा कि आपके पास पैसे खत्म हो गए हैं और आपकी पेंशन भी बंद हो गई है। उन्होंने मुझे आपसे मिलने और आपकी मदद करने के लिए कहा।”

“मैं ठीक हूँ,” रोनाल्ड ने कहा। “मुझे नहीं पता सोमचाई किस बारे में बात कर रहा था। मुझे अभी किसी मदद की ज़रूरत नहीं है।”
"क्या आपको यकीन है?"
“हां। मेरे पास रहने की जगह है, इसलिए मैं ठीक रहूंगा।”
अब मैं सोच रहा था कि सोमचाई फोन पर किस बारे में बात कर रहा था।
वह स्थिति को लेकर तनाव में लग रहा था, लेकिन अब रोनाल्ड वास्तव में ठीक लग रहा था, कम से कम फिलहाल के लिए।
“मुझे अब अपने कमरे में वापस जाना होगा,” रोनाल्ड ने कहा। “मेरा हालचाल पूछने के लिए धन्यवाद, लेकिन मैं ठीक हूँ।”
मैंने रोनाल्ड को अलविदा कहा और वह मुड़कर वापस ऊपर चला गया।
लेकिन फिर भी, मुझे कुछ गड़बड़ होने का आभास हुआ।
सोमचाई के फोन करने का कोई मतलब नहीं बनता था, जब तक कि रोनाल्ड के साथ कुछ गड़बड़ न हो रही हो।
जैसे ही मैं जाने वाला था, एक और विदेशी मेरे पास आया।
उसने कहा कि वह रोनाल्ड को जानता है, और रोनाल्ड पिछले कुछ महीनों से किराया नहीं दे रहा है।
तो अब सब कुछ थोड़ा-थोड़ा समझ में आने लगा।
जल्द ही, रोनाल्ड को घर से निकाल दिया जाएगा और उसे वापस समुद्र तट पर सोना पड़ेगा।
मैंने दोस्त को धन्यवाद दिया और फिर चला गया।
इस समय रोनाल्ड की मदद करने के लिए मेरे पास ज्यादा कुछ नहीं था, लेकिन मैंने मन में ठान लिया कि उस पर नजर रखूंगा और कुछ दिनों या एक हफ्ते में सोमचाई को फिर से फोन करके उसका हालचाल पूछूंगा।
मुझे चिंता थी और मैं अपने नए चैरिटी सदस्य के बारे में अपडेट प्राप्त करना चाहता था।
कुछ समय तक मैंने रोनाल्ड के बारे में ज्यादा नहीं सोचा।
मैं अपने अन्य सदस्यों के साथ व्यस्त था और मुझे बहुत काम करना था।
फिर भी, मुझे उससे एक बार फिर खबर मिलेगी, लेकिन इस बार यह एक आपातकालीन स्थिति होगी।

अध्याय तीस

रोनाल्ड
में
अस्पताल

लगभग एक सप्ताह बाद एक दिन, मेरे फोन की घंटी बजी और जब मैंने फोन उठाया तो एक महिला ने मेरा अभिवादन किया।
उसने मुझे बताया कि वह रोनाल्ड के बारे में बात करने के लिए फोन कर रही थी।
इस बिंदु पर, मुझे उतना आश्चर्य नहीं हुआ।
मैं आजकल रोनाल्ड के बारे में बहुत कुछ सुन रहा था!
“मैं उस घर में सफाई का काम करती हूँ जहाँ रोनाल्ड रुका हुआ था,” महिला ने बताया। “मुझे आपका फ़ोन नंबर सोमचाई नाम के एक व्यक्ति से मिला, जो रोनाल्ड का दोस्त है। रोनाल्ड अभी अस्पताल में है और उसकी देखभाल करने के लिए कोई उपलब्ध नहीं है।”
मैंने उस महिला से पूछा कि कौन सा अस्पताल है, और उसने मुझे बंगलामुंग अस्पताल बताया।
सफाईकर्मी से फोन पर बात खत्म करने के बाद, मैंने तुरंत अस्पताल को फोन करके रोनाल्ड का हालचाल पूछा।
अस्पताल के कर्मचारियों ने मुझे बताया कि वह ठीक हो जाएगा, जिससे मुझे राहत मिली।
उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस उन्हें उनके ठहरने की जगह पर वापस ले जा सकती है, और वे रोनाल्ड की स्थिति के बारे में लीजन क्लब और ब्रिटिश दूतावास को सूचित करने का प्रयास कर रहे हैं।
अस्पताल से फोन पर बात खत्म करने के बाद, मैंने कमरे की सफाईकर्मी को फिर से फोन किया और उसे बताया कि रोनाल्ड स्वस्थ है और वह जल्द ही वापस आ जाएगा।
उसने मुझे धन्यवाद दिया और कहा कि उसे खुशी है कि उसे गंभीर चोट नहीं आई या वह बीमार नहीं हुआ।
जब रोनाल्ड उस दिन बाद में घर लौटा, तो मैं उससे मिलने कमरे में गया।
वह अच्छे मूड में लग रहा था, और मैंने उसे अपना फोन नंबर दे दिया।
मैंने कहा, "कृपया इसे अपने बटुए में रखें। इससे अगर आपको कभी कोई परेशानी हो या कोई समस्या हो, तो आप या कोई और मुझसे सीधे संपर्क कर सकता है।"
रोनाल्ड ने मेरा नंबर लिया और मुझे धन्यवाद दिया, फिर मैं चला गया।
फिर भी, मुझे किसी न किसी तरह यह पता था कि मुझे जल्द ही रोनाल्ड से फिर से सुनने को मिलेगा।

मैं सही था, क्योंकि मुझे फिर से एक कॉल आया, इस बार सोई 7 में एक बार में काम करने वाली एक महिला का।
उसे उसके बटुए में मेरा नंबर मिला और उसने बताया कि वह फर्श पर गिर गया था और उसके सिर से खून बह रहा था।
मैंने उससे कहा कि फिलहाल वह उसका प्राथमिक उपचार करे, खून और घाव को साफ करने की कोशिश करे।
अगर खून बहना बंद हो गया होता, तो वह उसे घर भेज सकती थी।
मैंने उसे उसके कमरे का पता बता दिया ताकि वह उसके लिए मोटरबाइक टैक्सी मंगवा सके।
रोनाल्ड हमेशा किसी न किसी मुसीबत में फंसा रहता था, और मुझे पता था कि यह अंत नहीं है।
मुझे उसकी बहुत चिंता थी, क्योंकि ऐसा लग रहा था कि किसी भी समय उसके साथ कुछ बुरा हो सकता है।

अध्याय इकत्तीस

रोनाल्ड

में

अस्पताल

अगली बार जब मुझे रोनाल्ड के बारे में फोन आया, तो वह उस इमारत के मकान मालिक का था जिसमें वह रह रहा था।

“रोनाल्ड अभी अस्पताल में है, और मुझे नहीं पता कि उसे क्या हुआ है लेकिन उसकी हालत गंभीर है। कोई भी उसकी देखभाल करने नहीं जा सकता, क्या आप जा सकते हैं?” मकान मालिक ने पूछा।

“हां,” मैंने कहा। “मैं जितनी जल्दी हो सके जाऊंगी!”

जब मैं अस्पताल पहुंचा, तो मैंने रोनाल्ड को बहुत बुरी हालत में पाया।

वह बिस्तर पर था और उसे ज्यादा हिलने-डुलने में दिक्कत हो रही थी।

ब्रिटिश लीजन से कोई व्यक्ति 3000 बात छोड़कर गया था, जो अच्छी बात थी लेकिन यह रोनाल्ड के मेडिकल बिलों के साथ-साथ अपार्टमेंट के तीन महीने के बकाया किराए का भुगतान करने के लिए बिल्कुल भी पर्याप्त नहीं था।

रोनाल्ड की देखभाल करने वाला कोई और नहीं था - उसका कोई परिवार नहीं था और ब्रिटेन से कोई भी उसे फोन करके उसका हालचाल नहीं पूछ रहा था।

मेरे मन में लगातार यही सवाल घूमता रहा कि क्या करूं, क्या करूं।

मुझे उसकी बहुत चिंता थी।

इसके बाद मैंने लेजियन को फोन किया और उनसे पूछा कि क्या वे रोनाल्ड की मदद के लिए कुछ और कर सकते हैं।

मैंने बताया कि वह सेना का एक अनुभवी सैनिक था और अस्पताल में उसकी हालत बहुत खराब थी और उसके पास पैसे भी नहीं थे।

उन्होंने कहा कि वे केवल 3,000 बात ही दे सकते हैं, और कुछ नहीं। मैं निराश तो था, लेकिन फिर भी इस मामले का कोई न कोई हल निकालने के लिए दृढ़ संकल्पित था।

लीजन से फोन पर बात खत्म करने से पहले, उन्होंने मुझसे रोनाल्ड की ओर से ब्रिटिश दूतावास से संपर्क करने के लिए कहा, क्योंकि मैं उसे अच्छी तरह जानता था और उसकी स्थिति के विवरण को समझता था।

मैंने सहमति जताई और कॉल करने के लिए सबसे अच्छा नंबर पूछा।

उन्होंने मुझे एक नंबर और एक नाम दिया।

लेकिन जब मैंने दूतावास को फोन किया, तो उन्होंने कहा कि वे कुछ नहीं कर सकते।
उनके पास इतना बजट नहीं था कि वे थाईलैंड के एक अस्पताल में आपातकालीन स्थिति में भर्ती ब्रिटिश नागरिकों के महंगे चिकित्सा बिलों का भुगतान कर सकें।
मुझे याद है कि मैं यह सोचकर हैरान रह गया था कि एक धनी पश्चिमी देश अपने नागरिकों की मदद भी नहीं कर सकता!
मैं इतना परेशान हो गया कि मैंने तुरंत इंटरनेट पर जाकर कुछ रिसर्च की।
मैंने गूगल पर पाया कि ब्रिटेन सामाजिक कल्याण के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में से एक है, और मुझे लगा कि यह सच नहीं हो सकता।
उन्होंने अपने नागरिक को थाईलैंड में फंसे रहने दिया और किसी गंभीर चिकित्सा आपात स्थिति में उसकी मदद भी नहीं की!
इसके बाद, मैंने अस्पताल से पूछा कि मेडिकल बिल कितना होगा, और उन्होंने कहा 20,000 बात!
मैं अब बहुत तनावग्रस्त हो गया था, और मुझे पता था कि इसका कोई और समाधान जरूर होगा।
फिर मैंने इस बारे में सोचा और मुझे एहसास हुआ कि सथाहीप में एक नौसेना अस्पताल था, जो रक्षा मंत्रालय और सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन था।
मैंने सोचा, निश्चित रूप से ये अस्पताल रोनाल्ड के लिए बेहतर होंगे।
आखिरकार, ब्रिटेन और थाईलैंड की सेनाएं सहयोगी थीं और अक्सर एक साथ काम करती थीं।
तो अब मुझे अपना अगला कदम पता चल गया था, और मैंने इस अस्पताल के साथ-साथ मंत्रालय के फोन नंबर और पते भी खोज लिए।

अध्याय बत्तीस

बोला जा रहा है

को

डॉक्टरों

रोनाल्ड अभी भी अस्पताल में था, और उसकी हालत तेजी से बिगड़ रही थी।

मैंने डॉक्टरों से बात की और उन्होंने कहा कि वे निश्चित नहीं हैं कि वह कितनी अच्छी तरह या कितनी जल्दी ठीक हो पाएगा।

इसके बाद, मैंने नौसेना अस्पताल के निदेशक को एक पत्र लिखकर उनसे विनती की कि वे रोनाल्ड को अपने अस्पताल में भर्ती कर लें क्योंकि वह एक सैन्य अनुभवी थे।

फिर मैंने रोनाल्ड के लिए जितने भी व्यक्तिगत दस्तावेज मिल सके, उन्हें इकट्ठा किया और उन्हें उस हताशा भरे पत्र में शामिल कर दिया।

इसके अतिरिक्त, मैंने सामाजिक विकास मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले बान मितमैत्री को एक दूसरा पत्र भी लिखा।

उस समय मुझे राजनीति का उतना अनुभव नहीं था, लेकिन मैं कूटनीति और सरकारी एजेंसियों और अधिकारियों से निपटने के बारे में तेजी से सीख रहा था।

मैंने पत्रों में रोनाल्ड की स्थिति और स्वास्थ्य की स्थिति का वर्णन किया था, जिसमें मैंने लिखा था कि वह व्यक्ति कितना बीमार था और उसे कितनी अधिक चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता थी।

मैंने उनसे रोनाल्ड को एम्बुलेंस में नौसेना अस्पताल ले जाने में मदद करने के लिए कहा, क्योंकि रोनाल्ड इस यात्रा का खर्च वहन नहीं कर सकता था।

इसके बाद, मैंने सवांगबोरबिबुन रेस्क्यू सेंटर को फोन किया, जो रोनाल्ड को मुफ्त में ले जाने के लिए सहमत हो गया!

यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई।

वे आम तौर पर केवल भुगतान लेकर ही अपनी सेवाएं प्रदान करते थे, लेकिन मैंने उन्हें अपने बारे में और शेल्टर सेंटर फाउंडेशन के बारे में बताया, और वे मेरी मदद करने के लिए सहमत हो गए।

मुझे इस बात की बहुत खुशी थी कि सब कुछ ठीक हो जाएगा।

नौसेना अस्पताल अगले दिन उसे भर्ती करने के लिए सहमत हो गया।

मुझे पता था कि अभी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है, इसलिए उस रात मैं रोनाल्ड के बारे में सोचते हुए और यह प्रार्थना करते हुए मुश्किल से सो पाई कि वह बिना किसी परेशानी के नौसेना अस्पताल पहुंच जाए।

अगले दिन, एम्बुलेंस से 45 मिनट की यात्रा से पहले, मैं पहले अस्पताल में रोनाल्ड से मिलने गया।
वहां पहुंचने पर मुझे पता चला कि वह गलियारे में एक बिस्तर पर लेटा हुआ था, उसे न तो IV लगाया गया था और न ही खाना दिया गया था।
वह बहुत दुबला-पतला था और बहुत बीमार लग रहा था!
मैं बहुत गुस्से में था!
वहां स्वास्थ्य सेवाएं इतनी खराब कैसे हो सकती हैं?
मैंने धैर्यपूर्वक बचाव एम्बुलेंस के आने का इंतजार किया।
ब्रिटिश लीजन से बर्ट नाम का एक व्यक्ति भी रोनाल्ड का हालचाल जानने आया, और उसके पास रोनाल्ड और मुझे भरने के लिए कुछ दस्तावेज थे।
बर्ट ने बताया कि वह ज्यादा कुछ नहीं कर सकता था, क्योंकि वह लीजन कार्यालय में उच्च पद पर नहीं था।
एम्बुलेंस आ गई थी, और अब जाने का समय हो गया था।
मुझे बहुत खुशी हुई!
मैंने यह भी प्रार्थना की कि नौसेना अस्पताल में बेहतर सेवाएं उपलब्ध हों।
बचावकर्मी रोनाल्ड को एम्बुलेंस में ले गए और मैं यह सुनिश्चित करने के लिए उनके साथ गया कि सब कुछ ठीक चल रहा है।
वहां पहुंचने के बाद हमने डॉक्टर का इंतजार किया।
वह रोनाल्ड की जांच करने आई थी, और उसने हमें बताया कि वह बिल्कुल ठीक है!
मैंने कहा नहीं, वह ठीक नहीं है!
वह घायल और बीमार है!
“वह ठीक है, कृपया उसे घर वापस ले जाइए,” युवा डॉक्टर ने कहा।
मैंने दोहराया, “नहीं, वह ठीक नहीं है। मुझे पता है कि वह बीमार है, उसे देखो! वह स्वस्थ नहीं हो सकता। वह बहुत कमजोर और दुबला-पतला है। उसे कुछ जांच करवाने की जरूरत है।”
मुझे इस बारे में एक छठी इंद्री से आभास हो रहा था, और मुझे अपने दिल में पता था कि रोनाल्ड के ठीक होने की कोई संभावना नहीं है।
उन्हें गंभीर चिकित्सा सहायता की आवश्यकता थी!
डॉक्टर मुझसे असहमत होने पर अड़े हुए प्रतीत हो रहे थे।
मैंने उससे कहा कि जब तक उसकी किसी तरह की जांच और दवा या जो भी इलाज उसे चाहिए, वह नहीं मिल जाता, तब तक मैं उसे कहीं भी नहीं ले जाऊंगी।
अंततः, डॉक्टर मान गए और मेरी बात से सहमत हो गए।

अध्याय तैंतीस

नौसेना

अस्पताल

जब रोनाल्ड की जांच चल रही थी, तब मुझे याद आया कि मैं नौसेना अस्पताल के निदेशक के सचिव को एक पत्र लेकर आया था।

मैंने एक नर्स से इसे मेरे लिए डिलीवर करने में मदद करने के लिए कहा, और वह इसके लिए सहमत हो गई।

कुछ ही देर में युवा डॉक्टर वापस आ गया, और पता चला कि मेरी छठी इंद्री शुरू से ही सही थी।

वाह, मैंने सोचा, अगर मैं निदान में बेहतर कर सकता हूँ तो शायद मुझे डॉक्टर बनना चाहिए!

बाद में पता चला कि रोनाल्ड को मस्तिष्क रक्तस्राव हुआ था।

उसने सुझाव दिया कि हमें उसे आपातकालीन उपचार के लिए तुरंत आईसीयू में भर्ती कराना चाहिए, और मैंने हाँ कह दी!

बिल्कुल!

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद!

भगवान का शुक्र है कि रोनाल्ड की मृत्यु से पहले उसने मेरी बात मान ली!

जब रोनाल्ड का इलाज चल रहा था, तब मैंने उनके दूतावास से संपर्क किया।

मैं उसे वह मदद दिलाने के लिए संघर्ष करना नहीं छोड़ने वाला था, चाहे कुछ भी हो जाए।

उनके दूतावास के कर्मचारियों ने मुझे बताया कि ब्रिटेन में उनका केवल एक ही रिश्तेदार है, उनकी पत्नी, और वह उनकी मदद नहीं करने वाली हैं।

इसी बीच, नौसेना अस्पताल मुझसे लगातार यह जानकारी मांगता रहा कि मैं उसके आईसीयू बिल का भुगतान कैसे करूंगा, जो निश्चित रूप से बहुत महंगा होगा।

मेरी चिंता बढ़ती जा रही थी।

अचानक मुझे एक नया विचार आया।

मुझे इस बारे में खबर बनानी चाहिए!

जी हाँ, यही सही उत्तर था!

मुझे मीडिया के पास जाना चाहिए और कोई ऐसा अखबार या टीवी शो ढूंढना चाहिए जो रोनाल्ड की कहानी बताने को तैयार हो।

किसी न किसी तरह से, इससे मदद मिलेगी, चाहे कोई रोनाल्ड को पैसे दान करे या अस्पताल उसका मुफ्त इलाज करने के लिए सहमत हो जाए।

इस समय तक मुझे मीडिया के साथ काफी अनुभव हो चुका था।

मैंने सबसे पहले एंड्रयू ड्रमंड नाम के एक व्यक्ति से संपर्क किया, जो अब थाईलैंड में बहुत प्रसिद्ध हैं।
मैंने एंड्रयू को फोन किया और ईमेल भी भेजा, और उन्होंने उसी दिन बाद में मुझे जवाब दिया।
“हैलो, मैं एंड्रयू ड्रमंड बोल रहा हूँ,” उन्होंने फोन पर कहा। “मुझे आपका ईमेल मिला है, और मैं आपकी कहानी के बारे में और अधिक जानने में रुचि रखता हूँ।”
मैंने उसे सब कुछ बताया, शुरू से अंत तक, रोनाल्ड से मेरी मुलाकात कैसे हुई, वह अभी कहाँ है और उसकी हालत कैसी है, सब कुछ।
एंड्रयू ने ध्यान से सुना और ऐसा लग रहा था कि वह वाकई बहुत दिलचस्पी ले रहा था।
“क्या मैं पटाया में आपसे मिलने आ सकता हूँ, या इससे भी बेहतर, अस्पताल में आपसे मिलने आ सकता हूँ ताकि रोनाल्ड से मिल सकूँ और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकूँ?” उसने पूछा।
“जी हां, बिल्कुल, कभी भी,” मैंने जवाब दिया।
"ठीक है, मैं जल्द ही आपसे संपर्क करूंगा ताकि देख सकूं कि मेरे व्यस्त कार्यक्रम में मुझे कब समय मिल सकता है।"
“बहुत-बहुत धन्यवाद!” मैंने कहा।
अगले दिन एंड्रयू ने मुझसे दोबारा संपर्क किया और अगली सुबह 10 बजे नौसेना अस्पताल जाने की अनुमति मांगी।
मैंने उनसे कहा कि यह बहुत अच्छा होगा, और मैं थाईलैंड के इस प्रसिद्ध ब्लॉगर और पत्रकार से मिलने के लिए उत्साहित था।

अध्याय चौंतीस

एंड्रयू ड्रमंड का मदद

अगली सुबह मैं अस्पताल में एंड्रयू से मिला।
हमने हाथ मिलाया और मैं उसे रोनाल्ड से व्यक्तिगत रूप से मिलवाने ले गया।
एंड्रयू ने रोनाल्ड की हालत देखी और मुझसे कहा कि वह रोनाल्ड की कहानी के बारे में लिखना चाहेंगे।
फिर एंड्रयू ने तस्वीरें लेना शुरू कर दिया।
जब वह तस्वीरें खींच रहा था, तभी एक डॉक्टर अंदर आया और हमें आईसीयू के अंदर कैमरा इस्तेमाल न करने की चेतावनी दी।
लेकिन एंड्रयू को पहले ही टीके लग चुके थे, इसलिए बहुत देर हो चुकी थी।
मैंने उसे जो तस्वीरें दिखाईं और जो बातें बताईं, उनके आधार पर उसने कहा कि वह ब्रिटेन में प्रकाशित करने के लिए एक लेख लिखने को तैयार है।
एक हफ्ते बाद, एंड्रयू ने मुझे फिर से अच्छी खबर दी।
उन्होंने कहा कि उनके ब्लॉग लेख को कई लोगों ने देखा और एक प्रमुख सैन्य समाचार पत्र रोनाल्ड की कहानी के बारे में एक लेख प्रकाशित करने जा रहा है।
यह खबर सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई, मैंने एंड्रयू को उनकी सहायता के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।
इसके कुछ ही समय बाद मुझे और भी अच्छी खबर मिली।
एंड्रयू ड्रमंड के ब्लॉग और समाचार लेख से मिली पब्लिसिटी के कारण, ब्रिटेन में कई पाठक और आम जनता रोनाल्ड की स्थिति को लेकर नाराज थे, कि वह खराब स्वास्थ्य समस्याओं के साथ थाईलैंड में फंसे हुए थे और ब्रिटेन सरकार उन्हें वापस घर नहीं ला पाई थी।
एक सप्ताह के भीतर, रोनाल्ड को घर वापस लाया गया, वह अभी भी गहन चिकित्सा में था और बोलने में असमर्थ था।
मैंने उसे अलविदा कहा, इस उम्मीद में कि वह मुझे सुन सके।
उसके बाद मुझे बस यही पता चला कि रोनाल्ड लंदन पहुंच गया है और उसे वहां के आर्मी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
उनकी पत्नी, जिनसे उनका विवाह अभी भी वैध था, अंततः थाईलैंड से उनके चिकित्सा बिलों का भुगतान करने के लिए सहमत हो गईं, जो कुल मिलाकर 200,000 बात से अधिक थे!

उसके बाद कुछ समय तक मुझे रोनाल्ड के बारे में कुछ भी सुनने को नहीं मिला।
हालांकि, एक दिन उनके एक पुराने सेना मित्र ने मुझे यूके से फोन किया और अपना परिचय दिया, फिर रोनाल्ड के सभी दस्तावेजों और वसीयत की प्रतियां प्राप्त करने के लिए कहा।
मैंने उनसे पूछा कि उन्हें किसने फोन करने के लिए कहा था, तो उन्होंने कहा कि रोनाल्ड की पत्नी ने।
फोन रखने से पहले मैंने कहा, "तुम उससे कह दो कि वह खुद आकर दस्तावेज ले जाए!"
जब रोनाल्ड को मदद की सबसे ज्यादा जरूरत थी, जब वह अस्पताल में भर्ती था और लगभग मौत के करीब था, तब उसकी पत्नी पूरे समय कहां थी?
मुझे उसका व्यवहार पसंद नहीं आया।
उसे उसकी बेहतर देखभाल करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय वह लापरवाही बरत रही थी।
बाद में मुझे पता चला कि रोनाल्ड को वास्तव में दो पेंशन मिलती थीं - एक सेना से और दूसरी ब्रिटेन सरकार से वृद्ध होने के कारण।
दुर्भाग्यवश, रोनाल्ड अपने पैसे का सही ढंग से प्रबंधन नहीं कर सका।
फिर भी, मुझे सेवा करने का अवसर पाकर खुशी हुई और यह जानकर राहत मिली कि अब वह अपने गृह देश में सुरक्षित हाथों में है।

अध्याय पैंतीस

पर
और छुट्टी
सड़के

अब जबकि शेल्टर सेंटर इतना प्रसिद्ध और व्यस्त हो गया था, मेरे सदस्य अक्सर मुझे ऐसे परिचित लोगों से मिलवाते थे जो समुद्र तट पर रह रहे थे और किसी न किसी तरह से संघर्ष कर रहे थे।
ऐसा ही एक व्यक्ति गैविन नाम का एक स्कॉटिश व्यक्ति था, जो कभी सड़कों पर घूमता रहता था।
मैंने उनसे संपर्क किया, ताकि उनकी कहानी के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकूं, इससे पहले कि मैं उनकी समस्याओं को हल करने के लिए कुछ कर सकूं।
जब मैं गैविन के पास पहुंचा, तो मैंने उनसे मिलने का अनुरोध किया, और उन्होंने मुझे अपने दैनिक किराए के कमरे में आने के लिए आमंत्रित किया।
जब मैं पहुंचा तो वह सामने बैठकर बीयर का कैन पी रहा था।
वह अच्छे मूड में लग रहे थे, और मैंने उनका इंटरव्यू लेना शुरू कर दिया।
जैसे-जैसे हम आगे बढ़े, मुझे यह आभास होने लगा कि गैविन उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में आया था और इस स्वर्ग में अपना मानसिक संतुलन खो बैठा था।
जैसा कि पाठक अब अच्छी तरह से जानते होंगे, यह थाईलैंड में एक बहुत ही आम कहानी है।
गेविन मुस्कुराता और वहां से गुजरने वाली हर लड़की के साथ छेड़छाड़ करता!
वह बहुत खुश लग रहा था, लेकिन यह भी स्पष्ट था कि वह कुछ समस्याओं से जूझ रहा था।
उसने मुझे बताया कि उसके पास हमेशा पैसों की बहुत कमी रहती है।
मैंने उससे पूछा, "क्या आपके पास कोई ऐसा नहीं है जो आपकी मदद कर सके? स्कॉटलैंड में आपके घर से कोई? परिवार या दोस्त?"
“मेरा परिवार अमीर है!” उसने जवाब दिया। “वे मेरी आसानी से मदद कर सकते हैं, जैसे उनके लिए दोपहर के भोजन के पैसे।”
“तो...वे तुम्हारी मदद क्यों नहीं करेंगे?” मुझे लगभग उसकी बात पर यकीन नहीं हुआ, क्योंकि यकीनन उसका परिवार उसे थाईलैंड में इस तरह सड़कों पर बिना पैसे के रहने नहीं देगा।
लेकिन तब तक मुझे यह पता चल चुका था कि पश्चिमी परिवारों में अक्सर ऐसा ही होता था।
अक्सर वे ज्यादा बात नहीं करते थे और एक दूसरे की मदद भी नहीं करते थे, या फिर वे एक दूसरे को पूरी तरह से नजरअंदाज कर देते थे!

गेविन हँस पड़ा।
उन्होंने कहा, “मैंने उनसे कई बार मदद मांगी। उन्होंने मुझे पैसे भेजे और मैंने सब खर्च कर दिए। थाईलैंड ही नहीं, कई देशों में मेरा यही हाल रहा है। अब तो उन्हें मुझ पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं रहा। मैं बिगड़ा हुआ बेटा बन गया हूँ, परिवार का बिगड़ा हुआ बच्चा।”
“ठीक है,” मैंने कहा। “चलिए देखते हैं कि जब आप पटाया में हैं तो मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ।”
उस रात मैंने इस बारे में बहुत सोचा कि गैविन की मदद करने का सबसे अच्छा तरीका क्या हो सकता है।
मैंने फैसला किया कि मैं उसके दूतावास को फोन करूंगा और उनसे स्कॉटलैंड में उसके परिवार से संपर्क करने के लिए कहूंगा, ताकि उन्हें पता चल सके कि पटाया में उसकी स्थिति कितनी खराब है।
उन्हें वाकई दोस्तों या परिवार से मदद की जरूरत थी।
इसके कुछ ही समय बाद, उनके धनी परिवार ने पैसे भेज दिए!
मुझे लगता है कि उन्हें गैविन की परिस्थितियों पर विश्वास करने के लिए केवल दूतावास द्वारा संपर्क किए जाने की आवश्यकता थी।
उन्होंने एकतरफा टिकट और उनके तय समय से अधिक ठहरने के शुल्क के लिए पर्याप्त राशि सीधे ब्रिटिश दूतावास को भेज दी।
इसके अलावा, उन्होंने गैविन को यात्रा की प्रतीक्षा के दौरान खर्च के लिए 6,000 बाट भेजे।
मैं गैविन के साथ वेस्टर्न यूनियन से नकदी लेने गया था।
जैसे ही उसके हाथ में पैसा आया, ऐसा लग रहा था कि वह एक ही रात में शराब और महिलाओं पर सारा पैसा खर्च करने के लिए तैयार है!
उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मुझे मेरी मदद के बदले कुछ चाहिए, और मैंने उन्हें बताया कि मुझे बुनियादी सेवा शुल्क के रूप में केवल 1,000 बात चाहिए, जो उन्होंने मुझे सहर्ष दे दिए।
यह जानते हुए कि वह बाकी सारा पैसा खर्च कर देगा, मैंने आपात स्थिति के लिए 1,000 बात बचा लिए, ताकि उसके कमरे का किराया या हवाई अड्डे तक टैक्सी का किराया चुकाया जा सके।

अध्याय छत्तीस

The
दूतावास
कॉल

चूंकि मुझे इस बात की बहुत चिंता थी कि मैं गैविन से बिछड़ जाऊंगी, इसलिए मैंने शाम को पटाया में उसके पीछे-पीछे घूमना शुरू कर दिया, जब तक कि हमें उसके दूतावास से और जानकारी नहीं मिल गई।
वहां के अधिकारियों ने फोन किया और बताया कि उनकी उड़ान दो दिन में होगी और उन्हें पहले दूतावास जाकर ओवरस्टे फॉर्म भरने होंगे।
बान मितमैत्री फाउंडेशन ने अगले दिन पटाया से बैंकॉक स्थित उनके दूतावास तक उनके लिए परिवहन की व्यवस्था करके बहुत ही दयालुता दिखाई।
उस रात, मैंने गैविन को अपने कमरे में बंद कर दिया ताकि वह पागल न हो जाए और अपनी अपॉइंटमेंट और फ्लाइट न चूक जाए!
उसने शराब पी और नशे में धुत हो गया, लेकिन पूरी तरह से अपना आपा नहीं खोया, जो सौभाग्य की बात थी।
फिर भी, उसने लगभग सारा पैसा किसी न किसी तरह खर्च कर दिया।
अगले दिन ब्रिटिश दूतावास जाते समय कार में मैंने उनसे पूछा कि उनके पास कितने पैसे बचे हैं, और उन्होंने कहा कि सिर्फ सौ बात!
बहुत खूब!
यह आदमी मेरी जिंदगी में मिले किसी भी व्यक्ति से ज्यादा तेजी से पैसे खर्च कर सकता था।
सौभाग्य से, वह अब पटाया से बाहर निकल चुका था।
हमने उसके लिए बैंकॉक में एक होटल का कमरा बुक कर दिया, क्योंकि उसे अगले दिन अपनी फ्लाइट के लिए हवाई अड्डे जाना था।
मैंने उसे वो 1,000 बात भी दे दिए जो उसने मुझे एक दिन पहले दिए थे।
गैविन बहुत आभारी था, और मुझे उम्मीद थी कि वह फिर कभी पटाया नहीं लौटेगा, क्योंकि वह इतनी सारी महिलाओं और शराब के साथ आरामदेह जीवन को संभाल नहीं सकता था।
उसकी कहानी बहुत आम थी, और कभी-कभी इसका अंत इससे भी कहीं ज्यादा बुरा होता था।
गैविन के लिए सौभाग्य की बात यह थी कि वह स्वस्थ था और रोनाल्ड की तरह अस्पताल में भर्ती नहीं हुआ!
कहानी का अंत और भी बेहतर हुआ, क्योंकि स्कॉटलैंड लौटने के बाद गैविन ने मुझे 10,000 बात भेज दिए!

इसलिए मैंने उसे 1,000 डॉलर दे दिए जो मैं मूल रूप से अपनी सेवा शुल्क के रूप में लेने वाला था, लेकिन अंत में मेरे पास शेल्टर सेंटर पटाया का समर्थन करने और अपने परोपकारी कार्य को जारी रखने के लिए बहुत अधिक धन बच गया।

अध्याय सैंतीस

एलेक्स

से

डेनमार्क

मुझे याद आने वाला एक और व्यक्ति एलेक्स था, जो डेनमार्क का रहने वाला था।
वह मेरी स्मृति में इसलिए अलग से अंकित हैं क्योंकि उनकी परिस्थिति काफी अनूठी थी।
एलेक्स की कहानी स्कैंडेशिया डॉट कॉम पर प्रकाशित हुई थी, जो अंग्रेजी में एक प्रसिद्ध स्कैंडिनेवियाई वेबसाइट है।
वह बैंकॉक में एक भाषा केंद्र और सॉफ्टवेयर कंपनी में काम कर रहा था, लेकिन उसकी नौकरी चली गई क्योंकि उसकी एक सनकी बारगर्ल प्रेमिका ने कंपनी की वह संपत्ति चुरा ली थी जो एलेक्स के अपार्टमेंट में थी।
एलेक्स, अमेरिका के रहने वाले सिल्वेस्टर के घनिष्ठ मित्र थे और वे अक्सर समुद्र तट पर बैठकर बातें करते थे।
मैंने एलेक्स को पहली बार तब देखा जब मैं बीच रोड पर एक पत्रकार को इंटरव्यू दे रहा था।
मैंने अपनी नजर के कोने से एक नए बेघर विदेशी को देखा जिससे मैंने अभी तक बात नहीं की थी।
इसलिए मैंने साक्षात्कारकर्ता से साक्षात्कार समाप्त करने के लिए कहा, क्योंकि मुझे अपनी संस्था के एक सदस्य से किसी महत्वपूर्ण विषय पर बात करने जाना था।
जब मैंने पहली बार एलेक्स से बात की, तो वह कुछ अमित्र और संदिग्ध लग रहा था क्योंकि कोई अनजान थाई महिला उससे मिलने और अपना परिचय देने आई थी।
“तुम मुझसे क्या चाहते हो?” उसने पूछा।
मुझे तुरंत लगा कि शायद वह वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी रुका हुआ है, क्योंकि अक्सर वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी रुकने वाले लोग संदिग्ध होते हैं और नए थाई लोगों से मिलने के लिए इतने खुले दिल के नहीं होते हैं।
मैंने कहा, “मैं शेल्टर सेंटर पटाया नामक एक संस्था के लिए काम करता हूँ। मैं यहाँ बेघर विदेशियों की मदद करता हूँ। शायद मैं आपके लिए कुछ कर सकूँ।”
"आपको कैसे पता कि मैं बेघर हूँ?" उसने संदेह भरे भाव से मेरी ओर देखते हुए पूछा।
मैंने कहा, "मैं समझ सकता हूँ, क्योंकि मैं बहुत सारे बेघर लोगों के साथ काम करता हूँ, इसलिए मुझे बहुत अनुभव है।"

अब एलेक्स थोड़ा शांत प्रतीत हुआ।
उसने मुझे अपनी कहानी सुनाई, और वह वहां मिले कुछ अन्य लोगों की तुलना में काफी बेहतर स्थिति में लग रहा था।
एलेक्स ने मुझे बताया कि उसके दूतावास ने उससे संपर्क किया और उसे तुरंत उसके होटल से लेने की पेशकश की।
ऐसा प्रतीत होता है कि उनके चाचा डेनमार्क में एक प्रसिद्ध कंपनी के मालिक थे, और उनके चाचा ने उनकी मदद के लिए दूतावास से संपर्क किया था।
यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई, हालांकि मैंने कुछ दिनों में उनसे दोबारा संपर्क करने की योजना बनाई थी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सब कुछ ठीक चल रहा है और उनके घर लौटने की योजना अभी भी उनके लिए साकार हो रही है।

अध्याय अड़तीस

थॉमस
से
इंगलैंड

एक दिन, मैं अपने कुछ साथियों के साथ किस रेस्टोरेंट में एक फ्रांसीसी पत्रकार द्वारा साक्षात्कार दे रहा था, तभी एक व्यक्ति मेरे पास आया और उसने अपना परिचय इंग्लैंड के थॉमस के रूप में दिया।
सभी ने हाथ मिलाया और दोस्ताना व्यवहार किया, और थॉमस भी साक्षात्कार सुनने के लिए हमारे साथ शामिल हो गए।
साक्षात्कारकर्ता ने उनसे कुछ सवाल भी पूछे, और पता चला कि उन्हें भी पटाया में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था।
थॉमस ने यह भी बताया कि उसने मेरे और मेरे आश्रय केंद्र के बारे में सुना था।
कुछ ही देर में हम सब अलग-अलग चले गए, लेकिन मेरी मुलाकात थॉमस से जल्द ही दोबारा होगी।
दरअसल, दो दिन बाद, मैं मॉल में टाइमशेयर प्रॉपर्टी बेचने का अपना दूसरा काम कर रहा था, तभी मैंने थॉमस को वहां से गुजरते देखा।
मैंने थोड़ी देर का विराम लिया और उसके पीछे-पीछे गया, और जब वह सिनेमा हॉल के सोफे पर बैठ गया तो मैं उससे मिल गया।
“हेलो थॉमस,” मैंने कहा। “आपको दोबारा देखकर अच्छा लगा, आप कैसे हैं? क्या आपको मैं याद हूँ?”
मैंने अपने अंशकालिक काम के कारण बहुत ही अच्छे कपड़े पहने थे, इसलिए मुझे लगा कि शायद वह मुझे तुरंत पहचान नहीं पाएगा।
“हां,” उसने कहा। “पटाया के शेल्टर सेंटर से नोंग, है ना?”
“जी हां,” मैंने कहा। “मैं अपनी संस्था के लिए धन जुटाने के लिए पार्ट-टाइम मॉल में प्रॉपर्टी बेचने का काम करता हूं। मैंने आपको यहां से गुजरते देखा और सोचा कि आपसे थोड़ी देर बात कर लूं।”
थॉमस बहुत थका हुआ लग रहा था।
थॉमस ने कहा, "मेरी तबीयत ठीक नहीं है। कल रात मैं समुद्र तट पर सोने की कोशिश कर रहा था, लेकिन बार से आने वाला संगीत इतना तेज़ था और रोशनी मेरे चेहरे पर पड़ रही थी।"
"उसे सुनने के लिए मुझे माफ करें।"
थॉमस ने आगे कहा, "मुझे डर था कि मेरा गिटार चोरी हो जाएगा। जैसा कि आप जानते ही होंगे, रात में समुद्र तट पर कई चोर घूमते रहते हैं।"

“बिल्कुल। यह कभी-कभी खतरनाक हो सकता है और जैसा कि आपने कहा, अक्सर लोगों का सामान चोरी हो जाता है।”
मुझे लगा कि मैं जानता हूँ कि मैं थॉमस की मदद कैसे कर सकता हूँ, लेकिन मुझे उसके पृष्ठभूमि के बारे में और अधिक जानने की ज़रूरत थी।
इसलिए मैंने उससे कुछ सवाल पूछे, इस उम्मीद में कि वह मुझसे खुलकर बात करेगा और यह नहीं सोचेगा कि मैं उसे नुकसान पहुंचाने के लिए वहां आया हूं।
मैंने उनसे पूछा कि वे कहाँ से हैं और कितने समय से पटाया में हैं।
उसने बताया कि वह इंग्लैंड का रहने वाला है और पिछले पांच साल से थाईलैंड में रह रहा है।
मैंने पूछा, "इससे पहले आप क्या काम करते थे?"
“मैं एक शिक्षक था,” थॉमस ने कहा।
क्या आपकी कोई थाई प्रेमिका थी?
“हां। दो साल तक। मैंने उसे अपना ट्रक दे दिया, मैंने उसे अपना सब कुछ दे दिया। और फिर उसने मुझे छोड़ दिया, उसने मुझे भगा दिया।”
"मुझे यह सुनकर काफ़ी दुख हुआ।"
इस समय तक, यह एक बहुत ही आम कहानी बन चुकी थी।
मेरा अनुमान है कि थाईलैंड में खुले में सोने वाले आधे से ज़्यादा विदेशियों को अपनी थाई प्रेमिकाओं से समस्याएँ हुई हैं, जिन्होंने उनसे चोरी की या उनसे झूठ बोला।
मैंने पूछा, "क्या ब्रिटेन में आपका कोई रिश्तेदार है जो आपकी मदद कर सके?"
“मेरी एक बड़ी बहन है, लेकिन उससे मेरी बहुत लंबे समय से बात नहीं हुई है,” थॉमस ने जवाब दिया।
इस मौके पर मैंने उनसे फेसबुक पर मुझसे जुड़ने के लिए कहा और हमने एक-दूसरे की संपर्क जानकारी साझा की।
उसके पास मोबाइल नहीं था, लेकिन मैंने उसका नाम ढूंढकर उसे फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज दी।
मैंने फेसबुक पर उसकी बहन को भी ढूंढने की योजना बनाई थी, ताकि उसे उसके भाई की स्थिति के बारे में बता सकूं।
मैंने पूछा, "क्या तुम मेरे साथ आओगे? मुझे तुम्हें कुछ चीजें देनी हैं।"
थॉमस मेरे पीछे आया और मैं उसे वापस उस जगह ले गया जहाँ मैं प्रॉपर्टी रेंटल कंपनी के लिए काम करता था।
वहां पहुंचकर मैंने उसे साबुन, शैम्पू, टूथब्रश और टूथपेस्ट दिया।
उन्होंने मुझे धन्यवाद दिया और कहा कि वे मुझसे फिर मिलेंगे, और हम अलग हो गए।
मैंने उनसे कहा कि मैं बाद में लोगों से बात करने के लिए समुद्र तट पर जाऊंगी, और शायद वहां हमारी मुलाकात हो जाए।

अध्याय उनतीस

चलना

गली

ब्लूज़

कुछ दिनों बाद जब मैं वॉकिंग स्ट्रीट पर उससे मिला, तब तक मैंने थॉमस को दोबारा नहीं देखा था।
वह 7/11 के सामने एक छोटे से डिब्बे के साथ गिटार बजा रहा था ताकि पैसे इकट्ठा कर सके।
मैंने उनकी एक तस्वीर ली, उन्हें नमस्कार किया और फिर उन्हें शुभकामनाएं देकर वहां से चला गया।
उस रात, मैंने फेसबुक पर उसकी बहन को ढूंढा और उसे एक संदेश भेजा, जिसमें मैंने बताया कि मैं कौन हूं और मैंने क्या किया है।
मैंने उसे बताया कि मैं उसके भाई से मिला था और उसकी हालत कैसी थी, और उसे निश्चित रूप से परिवार या दोस्तों से कुछ मदद की जरूरत होगी।
मैंने जिक्र किया कि थॉमस को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कुछ समस्याएं हो सकती हैं, और उनसे पूछा कि क्या वह आर्थिक रूप से उनकी मदद करने के लिए कुछ कर सकती हैं।
मैंने यह भी कहा कि वह उससे बात करना पसंद करेगा, और अगर वह उसे संदेश भेजकर उसका हालचाल पूछ ले तो इससे उसका दिन अच्छा हो सकता है और वह खुश हो सकता है।
साथ ही, मैंने वॉकिंग स्ट्रीट पर गाना गाते हुए उसकी जो तस्वीर ली थी, उसे भी संलग्न कर दिया है।
मुझे उसकी बहन से तुरंत कोई जवाब नहीं मिला, इसलिए मैंने अन्य कार्यों पर ध्यान केंद्रित किया और फिलहाल थॉमस और उसकी स्थिति के बारे में सोचना बंद कर दिया।
अगले दिन, मेरी मुलाकात बीच रोड पर थॉमस से हुई।
मैं उसके साथ बैठा था और वह थाई चावल की व्हिस्की पी रहा था, जिसे लाओकाओ कहा जाता है, जो सस्ती और बहुत तेज होती है।
थॉमस का मूड अच्छा नहीं था, और वह आसपास के अन्य लोगों से बुरे तरीके से बात कर रहा था, जिससे मुझे चिंता हुई।
उसी शाम घर लौटने के बाद मुझे उसकी बहन का संदेश मिला।
ऐसा लग रहा था कि वह अपने भाई की परवाह करती है और उससे पूछती थी कि उसे क्या चाहिए, इसलिए मैंने सबसे महत्वपूर्ण चीजों की सूची बना दी।

इसमें किराए के कमरे के लिए पैसे, खाने और आने-जाने के लिए जेब खर्च, थाईलैंड से घर लौटने का फ्लाइट टिकट और निश्चित रूप से, वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी रहने के शुल्क का भुगतान करने के लिए 20,000 बात शामिल थे।

मैंने आगे कहा, "आप थाईलैंड में ब्रिटिश दूतावास से संपर्क कर सकते हैं। वे यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि पैसा सही जगह पर जाए और वीज़ा संबंधी मामलों में भी उनकी मदद कर सकते हैं। मुझे पहले भी उनसे संपर्क करने का अनुभव है और उन्होंने मेरे अन्य चैरिटी सदस्यों की भी मदद की है।"

थॉमस की बहन ने मुझे जानकारी के लिए धन्यवाद दिया, और मैंने उससे कहा कि मैं अपनी तरफ से हर संभव कोशिश करता हूँ क्योंकि यह मेरा काम है।

कुछ ही समय बाद, उसने मुझे फिर से सूचित किया कि उसने थॉमस के लिए एक कमरा बुक कर लिया है, और वह जल्द ही दूतावास से संपर्क करेगी।

उसने कहा कि वह अपने भाई की हर संभव तरीके से मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे मेरा दिल खुश हो गया।

अगले दिन जब मैंने थॉमस से बात की, तो वह बहुत ही असभ्य था।

उसने मुझ पर उसके पैसे जुए में उड़ाने का आरोप लगाया क्योंकि वह उस कमरे में चेक-इन नहीं कर पाया था जिसे उसकी बहन ने बुक किया था।

अब मुझे पता चल गया था कि वह मानसिक रूप से बीमार होगा, क्योंकि बीच रोड पर जिस तरह से वह बात कर रहा था और जिस तरह से वह मेरी ओर आ रहा था, उससे यही लग रहा था।

मुझे गुस्सा आया, लेकिन मैंने यह समझने की कोशिश की कि उसका खुद पर कोई नियंत्रण नहीं था।

थॉमस के लिए आवास की व्यवस्था करने की कोशिश में, मैंने उस अपार्टमेंट के मालिक से बात करने के लिए फोन किया जहाँ उसकी बहन ने कमरा बुक किया था।

मालिक फिनलैंड का रहने वाला था।

"हैलो," मैंने कहा। "मेरा नाम नोंग है और मैं पटाया में आश्रय केंद्र चलाता हूँ। मैं जानना चाहता हूँ कि आप थॉमस को भर्ती क्यों नहीं करवा रहे हैं।"

"माफ़ कीजिए," मालिक ने कहा। "उस आदमी का वीज़ा समाप्त हो चुका है और मैं उसे यहाँ रहने की अनुमति नहीं दे सकता।"

"मुझे पता है कि उसे अस्थायी रूप से रहने के लिए एक जगह की जरूरत है, जबकि ब्रिटेन में उसकी बहन उसके अतिरिक्त प्रवास शुल्क का भुगतान करती है और उसके लिए घर वापस आने के लिए उड़ान की व्यवस्था करती है।"

"मैं आपकी मदद नहीं कर सकता," मालिक ने फोन काटने से पहले कहा!

वाह, मैंने सोचा।

कुछ लोगों में दया भावना नहीं होती।

मालिक ने पैसे वापस करने की पेशकश तक नहीं की!
अब थॉमस मुझसे और भी ज्यादा नाराज हो गया और उसने अपने एक और अमेरिकी दोस्त से कहा कि मैं झूठा हूं और पैसे चुराता हूं।
उसने मेरे फेसबुक वॉल पर बुरी-बुरी बातें लिखीं, और मुझे उस पर बहुत गुस्सा आया।
मैंने थॉमस से कहा कि मैं नौकरी छोड़ रहा हूँ, क्योंकि उससे निपटना और उसकी मदद करना मुझे पागल कर देगा।
मैंने थॉमस से कहा, "तुम मुझे बुरा इंसान नहीं कह सकते, जबकि तुम मुझे ठीक से जानते भी नहीं हो।"
मैंने उनसे कहा कि वे अपना ख्याल रखें और अपनी बहन और अपने दूतावास से संपर्क करें।
मैंने उसकी बहन को एक और संदेश भेजा जिसमें मैंने उसे बताया कि मैं कुछ नहीं कर सकती क्योंकि थॉमस लगातार अपने शब्दों से मुझ पर हमला कर रहा था और मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रहा था।
उसी सप्ताह के अंत में, उस अमेरिकी व्यक्ति ने, जिससे थॉमस ने मेरे बारे में बुरा-भला कहा था, मुझे फोन किया और अपने दोस्त के व्यवहार के लिए माफी मांगी।
उन्होंने कहा कि थॉमस के साथ तालमेल बिठाना आसान नहीं था, और उन्होंने आगे कहा कि वे दोनों बैंकॉक में ब्रिटेन दूतावास से घर वापसी की उड़ान के बारे में अंतिम जानकारी की प्रतीक्षा कर रहे थे।
अंततः सब ठीक हो गया, लेकिन मैं थॉमस की मदद करने के लिए इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकता था।
सौभाग्य से उसका एक दोस्त था जो धैर्यवान था और उससे निपट सकता था, क्योंकि मैं अब और नहीं कर सकती थी।

अध्याय चालीस

The
तनाव
बेघर होने के बारे में

कभी-कभी मेरे शेल्टर सेंटर के सदस्यों के साथ बहुत ड्रामा होता था।
कभी-कभी झगड़े होते थे, और अक्सर बहसें होती थीं।
बेघर होना उनके लिए बहुत तनावपूर्ण था, और वे अक्सर गुस्सा हो जाते थे।
एक दिन मुझे ऐ का फोन आया, जो मेरी इकलौती थाई बेघर सदस्य थी।
ऐ ने मुझे बताया कि पिछली रात, दो अन्य सदस्य, स्टीफन और डाइटमा, एक मसाज शॉप में जोर-जोर से बहस कर रहे थे, जहां वे बाहर आरामदायक कुर्सियों पर सो गए थे।
ऐ ने यह भी कहा कि कोई भी नहीं चाहता था कि डाइटमा को पता चले कि समूह कहाँ सो रहा था।
ऐ ने कहा, "डाइटमा को सड़क पर घूमने वाली महिलाओं के साथ यौन संबंध बनाना पसंद है। वह सचमुच मुसीबत मोल ले रहा है।"
यह मुझे अच्छा नहीं लगा।
ऐसा लग रहा था कि डाइटमा का व्यवहार वाकई बहुत परेशानी खड़ी कर सकता है।
मेरे ज्यादातर सदस्य साफ-सुथरे रहते थे क्योंकि वे हर दिन शॉपिंग मॉल के शौचालयों का इस्तेमाल नहाने-धोने के लिए करते थे और मैं उन्हें नए कपड़े देता था।
बीच रोड पर कुछ बेघर लोग थे, वे बहुत गंदे थे और कभी सफाई नहीं करते थे।
उनसे बदबू आ रही थी और वे मानसिक रूप से इतने बीमार थे कि वे स्पष्ट रूप से बोल भी नहीं सकते थे।
ऐ ने मुझे बताया कि जब बाकी सब लोग सोने की कोशिश कर रहे थे, तब डाइटमा उस महिला के साथ यौन संबंध बना रही थी।
ऐ और बाकी लोग चिंतित थे कि डाइटमा दुकान के किरायेदारों को नाराज कर देगी और ऐसा कर देगी कि सामने रखी मुलायम मसाज कुर्सियों पर कोई भी सो नहीं पाएगा।
मुझे डाइटमा की भी चिंता होने लगी, क्योंकि उसे इस महिला से कोई बीमारी लग सकती थी, और अगर ऐसा हुआ तो मुझे उसकी चिकित्सा देखभाल कराने में मदद करनी होगी।
मैंने इस बारे में डाइटमा से बात की, लेकिन ऐसा लगा कि उसने मेरी बात को गंभीरता से नहीं लिया।
मैंने उससे कहा कि अगर वह अधिक सावधान नहीं रहा तो वह सबके लिए मुसीबत खड़ी कर देगा, जिसमें वह खुद भी शामिल है!

उसने मुझे सिरे से खारिज कर दिया।
डाइटमा का व्यवहार लापरवाह था और उसे इस बात की परवाह नहीं थी कि कोई उसके बारे में क्या सोचता है।
कुछ रातों बाद, मैं देर रात मसाज की दुकान के पास से गुजरा, और सब कुछ ठीक था, जिससे मुझे राहत मिली।
दरअसल, डिएटमा वहीं पर उन आरामदायक कुर्सियों में से एक पर गहरी नींद में सो रही थी!
मालिश करने वाली महिलाओं का इन पुरुषों को वहां सोने की अनुमति देना उदारतापूर्ण था, और यह समुद्र तट की तुलना में बेहतर जगह थी क्योंकि यह अधिक सुरक्षित और आरामदायक दोनों थी।

अध्याय इकतालीस

प्रकृति

जीविका

जब आप बेघर लोगों के साथ लंबे समय तक काम करते हैं, तो कुछ समय बाद ऐसा लग सकता है कि वे बाकी सभी लोगों की तुलना में अधिक स्वतंत्र जीवन जीते हैं।

आखिरकार, उनके पास न तो बॉस हैं, न ही कोई तय कार्यक्रम हैं और न ही उनके पास मकान मालिक हैं या उनकी कमाई से कोई टैक्स काटा जाता है।

बेशक, खुले में सोना ज्यादा जोखिम भरा होता है।

लेकिन कभी-कभी जीवन में कुछ लाभों के लिए जोखिम उठाना आवश्यक होता है।

मैं यह नहीं कह रहा हूं कि बिना छत या बिना नौकरी के रहना निश्चित रूप से बेहतर है।

बिलकुल नहीं, आखिर मैं खुद भी इस तरह से जीना नहीं चाहूंगा!

हालांकि, मैंने देखा कि मेरे चैरिटी सदस्यों के जीवन जीने के तरीके में एक निश्चित प्रकार की स्वतंत्रता हो सकती है।

कभी-कभी मुझे इस बात की जिज्ञासा होती थी और मैं उनसे पूछता था कि वे इस तरह से कैसे रह सकते हैं, जब उन्हें यह नहीं पता होता कि उनका अगला भोजन कहाँ से आएगा, और उनके पास नहाने या सोने के लिए बिस्तर जैसी कोई सुविधा नहीं होती।

“क्यों नहीं?” मेरे कुछ सदस्य मुझसे कहते थे। “हमें सस्ते भोजन से ज़्यादा किसी चीज़ के लिए पैसे जुटाने की चिंता नहीं करनी पड़ती। हमारे पास खुला आसमान है, चाँद हमारी छत है, और समुद्र से आने वाली हवा हमारे एयर कंडीशनिंग की तरह है। हम समुद्र में तैरकर नहा सकते हैं, और लहरों में अपने कपड़े धो सकते हैं।”

पटाया शेल्टर सेंटर के कुछ सदस्यों को जाहिर तौर पर अपना जीवन जीने का तरीका पसंद था, और कुछ ने इस जीवन को चुना था।

सभी नहीं, लेकिन कुछ लोगों को पेंशन और घर से मदद मिलती थी, फिर भी वे अपना सारा पैसा बारगर्ल्स और शराब पर खर्च कर देते थे और बाकी समय लगभग बिना किसी चीज के, रेत में, धूप में गुजारते थे।

वे मुझसे कहते थे, “यहाँ बेघर के रूप में जीवन घर जैसा बिल्कुल नहीं है। घर पर तो ठंड से मेरी जान जा सकती है, और अपराध भी बहुत ज़्यादा हैं। यहाँ, भले ही मेरे पास रहने के लिए कमरा या अतिरिक्त कपड़े न हों, फिर भी मैं स्वर्ग में हूँ।”

मैं अपने सदस्यों की मदद करते समय अक्सर इस बारे में सोचता था, और हाँ, कभी-कभी तो मुझे उनकी स्वतंत्रता से ईर्ष्या भी होती थी!

आखिरकार, मुझे बिल चुकाने थे, कर्ज था और पारिवारिक जिम्मेदारियां थीं जिनसे ये लोग किसी तरह बच निकले थे।
जैसा कि मैंने पहले ही बताया, इन जीवों के लिए यह अभी भी एक जोखिम था - भले ही थाईलैंड जैसी सौम्य और अनुकूल जलवायु हो।
उन्हें कभी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती थीं, और भले ही पटाया लंदन या न्यूयॉर्क जैसे शहरों की तुलना में सुरक्षित था, फिर भी वहां अपराध होता था।
वहां याबा का सेवन करने वाले बहुत से लोग मौजूद थे, जो मेथम्फेटामाइन का एक प्रकार है।
यह दवा लोगों को पागल और तर्कहीन बना सकती है, और इसीलिए याबा का अर्थ 'पागलपन की गोलियां' होता है।
कभी-कभी मैं समुद्र तट पर टहलते हुए सोचता था कि जीवन इससे भी कहीं ज्यादा बुरा हो सकता है।
इन बेघर लोगों को अभी भी मेरी मदद की जरूरत थी, और जितनी मदद मैं दे सकता था उससे कहीं अधिक मदद की जरूरत थी।
फिर भी, मन ही मन में मुझे उनसे थोड़ी-सी ईर्ष्या हमेशा रहती थी।

अध्याय बयालीस

The
हिलाना
रोमांस का

पटाया में बेघरों के लिए एकमात्र चैरिटी चलाने वाली अकेली महिला होने के नाते कभी-कभी अकेलापन महसूस होता था, इसलिए मैंने एक दिन सोचा, क्यों न फिर से डेटिंग शुरू की जाए?
मुझे किसी से मिले हुए बहुत समय हो गया था, क्योंकि मैं हर समय बहुत व्यस्त रहती थी और न केवल शेल्टर सेंटर पटाया के लिए काम करती थी बल्कि अपनी दूसरी नौकरी भी करती थी।
एक दिन मैं सड़क के किनारे खड़ा होकर अपने एक दोस्त का इंतजार कर रहा था ताकि हम वरुणा यॉट क्लब के भव्य उद्घाटन समारोह में जा सकें, तभी एक पश्चिमी व्यक्ति अपनी बाइक पर सवार होकर मेरे पास से गुजरा और उसने मुझे देखकर बड़ी मुस्कान दी।
मैं अकेला खड़ा था, इसलिए मुझे पता था कि वह किसी और को देखकर नहीं मुस्कुरा रहा होगा।
वह मुझे घूर रहा था और इतना मुस्कुरा रहा था कि पास खड़ी एक कार से टकराते-टकराते बचा!
मुझे हल्की हंसी आ गई, क्योंकि यह व्यक्ति काफी दिलचस्प और विनोदी चरित्र वाला लग रहा था।
उसने अपनी बाइक घुमाई और सड़क पर थोड़ी दूर जाकर खड़ी कर दी, और उसके सुंदर चेहरे पर अब भी मुस्कान थी!
जैसे ही वह मेरे पास आया, मैं थोड़ा घबरा गया था, लेकिन मैं यह जानना चाहता था कि यह मजाकिया, आत्मविश्वासी लड़का कौन है।
वह मेरे पास आया और उसने मुझे नमस्कार किया, और मैं थोड़ा घबरा गया था!
“हाय,” उसने कहा, “मैं सैम हूँ।”
मैंने शर्माते हुए और संकोच से कहा, "हाय।"
"तुम्हारा नाम क्या है?"
“नोंग।”
फिर भी मैं घबराया हुआ था।
मैं और भी बहुत कुछ कहना चाहता था, लेकिन मुझे कुछ सूझा ही नहीं!
“तुम अभी कहाँ जा रहे हो?” सैम ने पूछा।
"पार्टी में।"
“ओह, ठीक है,” सैम ने कहा।

यह सुनकर वह थोड़ा उदास हो गया!
मैंने उससे पूछा, "सैम, तुम कहाँ से हो?"
“फ्रांस। और आप?”
“थाईलैंड ही तो!” मैंने हंसते हुए कहा।
यह स्पष्ट था कि वह मजाक कर रहा था।
उन्हें पता था कि मैं थाईलैंड से हूँ!
खैर... शायद उसने सोचा होगा कि मैं लाओस या किसी और जगह से हूँ।
मैंने कहा, "आपकी अंग्रेजी इतनी अच्छी है कि मुझे पता ही नहीं चला कि आप फ्रांस से हैं।"
“धन्यवाद!” सैम ने हंसते हुए कहा। “मैं दो साल अमेरिका में रहा था, इसलिए। क्या आप मुझे अपना फ़ोन नंबर दे सकती हैं?”
मैंने एक पल भी संकोच नहीं किया और तुरंत उसे अपना नंबर दे दिया।
वह बेहद आकर्षक, मजाकिया और सुंदर भी थे।
जैसा कि मैंने कहा, मुझे डेट पर गए काफी समय हो गया था!
अब मेरी दोस्त मुझे अपनी कार में लेने आई और उसने कुछ बार हॉर्न बजाया।
मैंने सैम से कहा कि मुझे जाने का अफसोस है, लेकिन मैं उससे बात करने के लिए उत्सुक हूं।
जब मैं अपने दोस्त के साथ कार में बैठने जा रही थी तब भी वह मुस्कुरा रहा था, और मुझे पता था कि मैं उससे फिर मिलूंगी।
कम से कम मुझे तो यही उम्मीद थी!

अध्याय तैंतालीस

The

वरुण

दल

सैम से मिलने के बाद मैं और मेरा दोस्त वरुणा के भव्य उद्घाटन समारोह में गए।
मैंने वहां खाया-पिया लेकिन कुछ खास नहीं हुआ।
मैं सचमुच काफी ऊब गया था, खासकर सैम से हाल ही में हुई मुलाकात के बाद!
मैंने कुछ तस्वीरें लीं और थोड़ी-बहुत बातचीत करने की पूरी कोशिश की।
आम तौर पर ऐसे आयोजनों में मैं वैसे भी ज्यादा लोगों से मेलजोल नहीं रखता, और मैं वहां अतिथि के बजाय एक फोटोग्राफर के रूप में रहना ज्यादा पसंद करता हूं।
मैं अक्सर वैसे भी अकेला ही रहता हूँ, इसलिए वरुणा की पार्टी में मुझे समझ नहीं आ रहा था कि लोगों से क्या बात करूँ क्योंकि मैं पहले ही सबसे मिल चुका था और वे सभी प्रॉपर्टी के कारोबार में थे - वे बहुत ही 'हाई-सो' थे, जैसा कि हम थाईलैंड में कहते हैं।
इसका मतलब है कि वे बहुत अमीर थे, और, खैर, मैं तो बिल्कुल भी नहीं था!
पार्टी के दौरान, मैं अपना फोन चेक करने के लिए एक तरफ गया, और वाह - मेरे फोन पर 20 मिस्ड कॉल और 5 मैसेज थे, और उनमें से कई सैम के थे!
उन्हें मैं वाकई बहुत पसंद आई होंगी, भले ही मेरी दोस्त के मुझे लेने आने से पहले हमने रास्ते में सिर्फ कुछ मिनट ही बात की हो।
मैंने सोचा, क्या सैम पागल है?
या फिर वो मेरे लिए पागल है?
एक मैसेज में मुझसे उसे वापस कॉल करने के लिए कहा गया, दूसरे में उस रात डिनर के लिए उसके साथ आने के लिए कहा गया, और तीसरे में पूछा गया कि मैं कहाँ हूँ ताकि वह पार्टी में मुझसे मिलने आ सके।
सैम मुझसे लगभग गिड़गिड़ा रहा था कि मैं उसे वापस कॉल करूं!
अरे बाप रे! मैंने सोचा, कहीं ये आदमी पागल तो नहीं है!
मैं उससे दोबारा मिलना चाहती थी, लेकिन अब इन सब के बाद शायद यह अच्छा विचार नहीं था?
खैर, मैंने यह देखने का फैसला किया कि इससे मुझे क्या पता चलता है और मैंने उसे जवाब दिया।
मैंने सैम को मैसेज करके बताया कि पार्टी खत्म होने के बाद मैं उससे संपर्क करूंगा और जल्द ही उससे मिलूंगा।

फिर भी, मुझे उस आकर्षक व्यक्ति के बारे में जानने की उत्सुकता थी जिसकी मुस्कान मनमोहक थी और जो हंसमुख स्वभाव का था।
जीवन में हास्य का बहुत महत्व है, खासकर डेटिंग और सामान्य रूप से रिश्तों में।
पार्टी खत्म होने के बाद मैंने सैम को फोन किया और उसने तुरंत जवाब दिया।
“हाय नोंग!” उसने कहा। “तुम्हारी बात सुनकर बहुत खुशी हुई। बहुत दिनों बाद मिले!”
मैंने फोन पर हंसते हुए कहा।
जाहिर है वह मजाक कर रहा होगा, क्योंकि मैंने उसे कुछ ही घंटे पहले देखा था!
मैंने कहा, "मैं आपसे मिलने के लिए तैयार हूँ। हम कहाँ चलें?"
“जहाँ तुम चाहो,” उसने कहा।
"ठीक है, मैं हवाई जाना चाहता हूँ।"
हम सब मिलकर हँसे।
“चलिए एक रेस्टोरेंट से शुरुआत करते हैं,” उन्होंने कहा। “और चूंकि मुझे पटाया में कोई हवाईयन रेस्टोरेंट नहीं पता, तो चलिए इस शानदार फ्रेंच रेस्टोरेंट में चलते हैं। यह आलीशान है और यहाँ का खाना लाजवाब है।”
“फ्रेंच?” मैंने कहा। “मैंने इससे पहले कभी फ्रेंच खाना नहीं खाया।”
“एक फ्रेंच किस भी नहीं?” सैम ने पूछा।
हम फिर हंस पड़े।
फिर हमने योजना बनाई कि वह मुझे लेने के लिए अपनी बाइक पर कहाँ आ सकता है।
मैं इतना उत्साहित था कि मैं लगभग किसी को अलविदा कहे बिना ही जितनी तेजी से हो सके पार्टी से बाहर भाग गया!

अध्याय चौवालीस

फ्रेंच

खाना

और रसायन विज्ञान

कुछ ही देर बाद सैम मुझे लेने आ गया और हम दोनों साथ में फ्रेंच रेस्टोरेंट गए।
वह जगह वाकई बहुत ही शानदार थी – मैंने अब तक जितने भी रेस्टोरेंट देखे थे, उनमें से यह सबसे शानदार रेस्टोरेंट में से एक था!
पहले से ही यह बहुत रोमांटिक लग रहा था, लेकिन मैंने यह भी सोचा कि जिस आदमी से मैं उसी दिन मिली थी, उसके लिए रोमांस महसूस करना अभी बहुत जल्दी है।
मैंने फोई ग्रास नाम की कोई चीज़ ऑर्डर की, जबकि मुझे यह भी नहीं पता था कि वह असल में क्या होती है।
“मुझ पर भरोसा रखो,” सैम ने कहा। “तुम्हें यह पसंद आएगा।”
मैंने उस पर भरोसा किया, क्योंकि वह फ्रांसीसी था।
फ्रांसीसी लोग अपने पाक कला के लिए जाने जाते हैं, जो कि दुनिया भर में थाई भोजन से भी अधिक प्रसिद्ध है।
जब सैम और मैं खाने का इंतजार कर रहे थे, तब हमने कई चीजों के बारे में बातचीत की।
उन्होंने मुझे अमेरिका में बिताए अपने समय के बारे में बताया, जो बहुत ही रोमांचक लग रहा था।
सैम ने मुझसे मेरे काम के बारे में पूछा, और मैंने उसे शेल्टर सेंटर के बारे में बताया।
वह बहुत दिलचस्पी दिखा रहा था और एक अच्छा श्रोता था, और मुझे लगा कि शायद यही आदमी मेरे लिए एकदम सही है!
लेकिन बेशक, कोई भी परिपूर्ण नहीं हो सकता, और किसी से भी परिपूर्ण होने की अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए।
एक सज्जन व्यक्ति की तरह, सैम ने मुझे रात के खाने के बाद घर पर छोड़ दिया, फिर अगले दिन सुबह उसने मुझसे दोबारा संपर्क किया और पूछा कि मेरी क्या योजना है।
मैंने उसे बताया कि मेरी शेल्टर सेंटर के सदस्यों के साथ एक बैठक है।
फिर सैम ने पूछा कि क्या वह मेरे साथ मीटिंग में जा सकता है!
मुझे यह अनुरोध अजीब लगा, लेकिन मैंने उनसे कहा कि मैं अपने सदस्यों से पूछ लूंगी कि क्या किसी नए व्यक्ति से मिलना ठीक रहेगा।
मैंने सैम से कहा कि मैं कुछ घंटों में उससे दोबारा संपर्क करूंगा।

“ठीक है,” उसने कहा। “नोंग, तुम्हें पता है, मैं तुम्हारे साथ हर जगह जाना चाहता हूँ।”
“लेकिन हम तो अभी मिले हैं, सैम!” मैंने कहा। “एक दिन में ही तुम मेरे साथ हर जगह जाना चाहते हो?”
"हाँ।"
"क्यों?"
“तुम्हारे बारे में कुछ तो ऐसा है जो मुझे पसंद है,” उसने जवाब दिया। “मुझे पहले से ही पता है।”
मुझे फिर से यह अजीब लगा, लेकिन मैं अजीब व्यवहार का आदी भी था क्योंकि मैं पटाया में रहता था और बेघर विदेशियों के लिए एक चैरिटी चलाता था।
पटाया एक ऐसा शहर है जहां लोग अपनी मर्जी से काम करते हैं और अपने मन की बात कह देते हैं।
“ठीक है सैम,” मैंने उससे कहा, और फिर मैंने एक मजाक किया। “लेकिन मैं तुमसे शादी करने के लिए तैयार नहीं हूँ।”
“शादी की बात किसने की?” उसने कहा। “मुझे बस एक और डेट चाहिए!”
मैं हँस पड़ा, और जब उसे एहसास हुआ कि मैं सिर्फ मजाक कर रहा हूँ, तो वह भी मेरे साथ हँस पड़ा।

अध्याय पैंतालीस

"अभी

ए

गया!"

हर दिन की तरह दोपहर 1 से 2 बजे के बीच, मैं शॉपिंग मॉल के फूड कोर्ट में अपने सदस्यों से मिला। जाहिर तौर पर, स्टीफन ने देखा कि मैं विशेष रूप से खुश था, क्योंकि उसने मुझसे पूछा कि मेरे जीवन में क्या चल रहा है।

मैंने सोचा, "तुम मुझसे यह क्यों पूछ रहे हो?"

“आज तुम कुछ ज़्यादा ही मुस्कुरा रही हो, इसीलिए,” उसने जवाब दिया। “मुझे लगता है शायद तुमने लॉटरी जीत ली हो। मैंने तुम्हें पहले कभी इतना खुश नहीं देखा, जबकि तुम लगभग हमेशा मुस्कुराती रहती हो। क्या हुआ?”

अब सभी लड़के मेरी तरफ देख रहे थे, और वे भी सोच रहे थे कि मेरे जीवन में क्या बदलाव आया है।

मैंने कहा, "कुछ नहीं। कोई लॉटरी नहीं। काश ऐसा होता!"

मैं अपने व्यवसाय को निजी रखने की कोशिश कर रहा था, लेकिन ये सभी लोग, और विशेष रूप से स्टीफन, मुझे इतनी अच्छी तरह से जानते थे कि अगर मुझमें थोड़ा सा भी बदलाव होता तो वे उसे नोटिस कर लेते थे।

“मुझे तुम पर विश्वास नहीं है,” स्टीफन ने कहा, और अब मुझे लगभग ऐसा लग रहा था जैसे कोई जासूस मुझसे पूछताछ कर रहा हो! “नोंग, क्या तुम्हें अचानक प्यार हो गया है?”

“बिल्कुल नहीं!” मैंने शर्माते हुए कहा क्योंकि मेरे दोस्तों ने मेरे चेहरे के भाव आसानी से पढ़ लिए थे। “वैसे मैं अभी एक नए लड़के के साथ हूँ और मैं उसकी बहुत परवाह करती हूँ। वो बस एक लड़का है। कुछ ज़्यादा गंभीर नहीं है!”

(थाई भाषा में 'गिक' का अर्थ है एक तरह का व्यभिचारी प्रेमी, जो नियमित प्रेमी या पति जितना गंभीर नहीं होता।)

“वाह, बहुत बढ़िया,” स्टीफन ने कहा। “मुझे आपके लिए खुशी है। मुझे आपको इस तरह खुश और मुस्कुराते हुए देखना बहुत अच्छा लगता है। हम सब चाहते हैं कि आप खुश रहें क्योंकि हम आपके आभारी हैं कि आप हमारी मदद करते हैं।”

“आप सभी का धन्यवाद,” मैंने कहा। “हो सकता है कि मैं अब ज़्यादा व्यस्त हो जाऊँ और हर रोज़ न आ पाऊँ, लेकिन मैं वादा करती हूँ कि मैं आप लोगों को नहीं भूलूँगी और आप खाने-पीने और कपड़ों के लिए हमेशा मुझ पर भरोसा कर सकते हैं। जब मैं यहाँ नहीं रहूँगी, तो जैको आपकी देखभाल करने में मदद

करेगा। आज मेरा नया बॉयफ्रेंड, सैम भी आ रहा है, तो आप सब उससे मिल सकते हैं। वह जल्द ही आ जाएगा। उसका नाम सैम है।"
सभी लड़कों ने सिर हिलाकर कहा कि सैम से मिलना बहुत अच्छा होगा।
तो फिर मैंने उसे फोन करके बताया कि मैं कहाँ हूँ और उसे आमंत्रित किया, और वह मेरे ग्राहकों से मिलने और हमारे साथ मॉल में कुछ खाना खाने के लिए आने को सहमत हो गया।
जब सैम आया, तो मैंने उसका परिचय सभी से कराया, और सभी लोग उससे बहुत अच्छे से घुलमिल गए। उन्होंने एक-दूसरे को कहानियां सुनाईं और हँसे, और मैं बहुत खुश था क्योंकि उस दिन वहाँ मौजूद हर कोई खूब आनंद ले रहा था।
हम सब वहाँ थे - मैं, फ्रांस से सैम, जर्मनी से स्टीफन, इटली से विक, हॉलैंड से जैको और ऑस्ट्रिया से जेरी - ऐसा लग रहा था जैसे पूरा यूरोपीय संघ हमारी मेज पर बैठा हो, बस फर्क इतना था कि हम अमेरिकी फास्ट फूड खा रहे थे!
सैम मेरे सभी दोस्तों के साथ बहुत ही दोस्ताना और विनम्र था, और जब सैम शौचालय गया तो सभी लड़कों ने कहा कि वह एक अच्छा आदमी है और मैंने उसके साथ डेटिंग करने का एक अच्छा निर्णय लिया।
उन्होंने कहा कि सैम मुझे बहुत पसंद करता था और मेरे प्रति स्नेह रखता था।
"नोंग," जेरी ने कहा। "हमारे बारे में ज़्यादा चिंता मत करो, ठीक है? अपनी ज़िंदगी जियो! हमें बहुत खुशी है कि अब तुम किसी के साथ हो।"
"धन्यवाद दोस्तों," मैंने कहा। "लेकिन मैं हमेशा आपकी चिंता करूंगा, चाहे कुछ भी हो जाए, इसलिए अगर आप में से किसी को भी किसी चीज की जरूरत हो, तो मुझे फोन कर देना। बिल्कुल भी संकोच मत करना। ठीक है?"
वे मान गए, और जब सैम वापस आया, तो कहानियां और चुटकुले फिर से शुरू हो गए और हम सब खूब हंसे, और मेरे जाने के सामान्य समय दोपहर 2 बजे से भी आगे तक रुके रहे।

अध्याय छियालीस

एक नया

थाई

आश्रय सदस्य

फूड कोर्ट में सैम को अपने ग्राहकों से मिलवाने के कुछ दिनों बाद, मैं और वह उसकी बाइक पर सवार होकर एक खाली और सुनसान इमारत के पास से गुजर रहे थे, तभी मैंने देखा कि एक बेचारा थाई आदमी बेंच पर अपने पायजामे में लेटा हुआ है।

मुझे पूरा यकीन था कि वह बीमार होगा, क्योंकि वह शारीरिक रूप से बिल्कुल भी स्वस्थ नहीं दिख रहा था।

“सैम, रुको!” मैंने चिल्लाकर कहा, और उसने साइकिल को फुटपाथ के किनारे रोक दिया।

“क्या हो रहा है?” उसने पूछा।

"मैंने पीछे एक बेघर आदमी को देखा, क्या हम जाकर उसकी खैरियत जान सकते हैं?"

“हाँ, बिल्कुल,” सैम ने कहा, और फिर उसने झट से यू-टर्न लिया और उस इमारत की ओर वापस चला गया जिसकी ओर मैंने इशारा किया था।

मैं बाइक से उतरा और बेंच पर सो रहे आदमी के पास गया और उससे पूछा कि क्या वह ठीक है।

"मुझे ऐसा लगता है," उस आदमी ने कहा, लेकिन उसकी आवाज कमजोर लग रही थी और बोलते समय ऐसा नहीं लग रहा था कि वह बिल्कुल ठीक है।

मैंने पूछा, "क्या तुम्हें भूख लगी है? प्यास लगी है?"

“मुझे एचआईवी है,” उस व्यक्ति ने कहा। “मैं पटाया में मरने का इंतजार कर रहा हूँ।”

“यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। लेकिन यकीन मानिए, आप आज या कल नहीं मरेंगे,” मैंने उन्हें दिलासा देने की कोशिश करते हुए कहा। “अभी के लिए, क्या मैं आपको कुछ पौष्टिक खाने और थोड़ा जूस दे सकती हूँ?”

“मुझे लगता है, धन्यवाद,” उसने कहा।

मुझे उस पर बहुत दया आई, बेघर और बीमार होना उसके लिए बहुत दुखद था।

"एक मिनट रुकिए, मैं अभी वापस आता हूँ," मैंने उससे कहा और सड़क के उस पार स्थित एक 7-11 स्टोर की ओर चल दिया।

सैम और मैं कुछ दही, ब्रेड, दूध, पानी और संतरे का रस लेकर वापस आए ताकि बेघर आदमी के पास कुछ समय तक खाने के लिए पर्याप्त भोजन हो।

मैंने सैम से उस आदमी को खाना देने के लिए कहा, ताकि मैं अपनी चैरिटी संस्था की ओर से काम करते हुए उसकी एक तस्वीर ले सकूं।
"मैं हीरो नहीं बनना चाहता, नोंग," सैम ने कैमरे से शर्माते हुए कहा।
मैंने कहा, "इसका उद्देश्य लोगों को दयालुता के लिए प्रेरित करना है! इसका उद्देश्य यह दिखाना है कि हर कोई नायक बन सकता है, भले ही छोटे-छोटे तरीकों से, हर दिन दयालुता के छोटे-छोटे कार्य करके।"
“ठीक है, अगर आप इस तरह से कह रहे हैं, तो मैं आपको कैसे मना कर सकता हूँ?” सैम ने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए पूछा।
फोटो लेने के बाद, मैंने उस बेघर बीमार थाई व्यक्ति से कहा कि अगर मैं उसे फिर से देखूं तो मैं उससे मिलूंगा और उसके लिए और खाना खरीदूंगा।
उन्होंने मुझे धन्यवाद दिया, और सैम और मैं वहां से चले गए।
बाद में मैंने इलाके के कुछ और लोगों से पायजामा पहने इस बीमार आदमी के बारे में पूछा, और उन्होंने बताया कि उसके पास पहले बहुत पैसा था और कई अमीर दोस्त थे, लेकिन पैसा खत्म हो गया और उसने अपना घर खो दिया, इसलिए अब वह ज्यादातर बेंचों पर सोता है।
जब मैंने दोबारा उसकी तलाश की, तो वह मुझे कहीं नहीं मिला।
आज भी मैं उसके लिए बुद्ध से प्रार्थना करता हूं और आशा करता हूं कि वह अभी भी जीवित है, शायद उसे कोई ऐसा व्यक्ति मिल गया हो जिसने उसे सड़कों से हटाने के लिए मुफ्त में कमरा किराए पर दिया हो।

अध्याय सैंतालीस

"मुझे प्यार करो
प्यार
मेरा काम।"

जब सैम और मैं साथ थे, तो मुझे बहुत खुशी महसूस हुई और उसने मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया।
हम एक-दूसरे के साथ रहे और साथ में पटाया बीच पर टहलते थे और कचरा और प्लास्टिक का कूड़ा इकट्ठा करते थे, ताकि पर्यावरण को साफ किया जा सके और शहर को और अधिक सुंदर बनाया जा सके।
सैम ने कहा कि यह हमारे लिए भी अच्छा था, क्योंकि रेत पर चलना अच्छी कसरत थी और उसने कहा कि उसे अपना सन टैन पसंद आया।
अधिकांश लोग इस तरह की गतिविधि नहीं करेंगे क्योंकि उन्हें इसमें आनंद नहीं आता, लेकिन हमारे लिए यह एक अच्छा शौक था।
अब जब भी मैं वहां से चले जाने के बाद पटाया लौटता हूं, तो मैं पुराने दिनों की तरह कम से कम कुछ घंटे समुद्र तट पर कूड़ा इकट्ठा करने में बिताने की कोशिश करता हूं।
सैम मेरे द्वारा किए जाने वाले हर काम में शामिल होना चाहता था, जिसमें शेल्टर सेंटर पटाया भी शामिल था।
हम हमेशा साथ में अच्छा समय बिताते थे और लोगों की मदद करने और पर्यावरण की रक्षा करने के दौरान खूब हंसते थे।
एक पुरानी कहावत है: "मुझसे प्यार करो, मेरे कुत्ते से भी प्यार करो," लेकिन सैम के मामले में मैंने इसे बदलकर "मुझसे प्यार करो, मेरे काम से भी प्यार करो" कर दिया।
वह मुझसे और मेरे काम से दोनों से प्यार करता था।
जल्द ही सैम मेरे साथ मेरी सभी गतिविधियों और चैरिटी के कामों में शामिल होने लगा, और उसे यह पूछने की भी जरूरत नहीं पड़ी कि क्या-क्या काम पूरे करने हैं और हमें किन कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।
वह मेरी प्राथमिकताओं को समझते थे और उनके पास पटाया में बेघर और जरूरतमंद लोगों की मदद करने के बारे में कई बेहतरीन और रचनात्मक विचार भी थे।
इसके लिए मैं सदा आभारी रहूंगा।
उस समय, मेरे मन में हमेशा यह बात रहती थी कि सैम को फ्रांस वापस लौटना होगा।
आखिरकार, उसके माता-पिता और भाई-बहन वहीं थे, और उसे भी अपनी आजीविका कमाने के लिए वहीं रहना पड़ता था।

“मुझे नहीं पता कि मैं कब वापस आ पाऊंगा,” वह कहा करता था। “लेकिन मैं इतना जरूर जानता हूं कि मुझे तुम्हारी बहुत याद आएगी, और मैं चाहता हूं कि तुम हमेशा खुश रहो, नोंग।”

“कोई बात नहीं। मुझे भी तुम्हारी बहुत याद आएगी,” मैंने कहा। “लेकिन मुझे शुरू से ही पता था कि एक दिन तुम्हें अपने देश लौटना ही पड़ेगा।”

हम दोनों इस बात पर सहमत हुए कि हम लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप के लिए ज्यादा कोशिश नहीं करेंगे, क्योंकि इससे लोगों को जीवन में बहुत तनाव हो सकता है।

हमने इस बात पर भी सहमति जताई कि अगर हम किसी और खास व्यक्ति से मिलते हैं - चाहे वह फ्रांस में सैम हो या मैं थाईलैंड में - तो हम एक-दूसरे के लिए खुश होंगे और हमेशा एक-दूसरे के लिए शुभकामनाएं देंगे।

मैं सैम से हर तरह से बहुत प्रभावित थी, इसीलिए मैं इस किताब का एक हिस्सा हमारे वैवाहिक जीवन की कहानी साझा करने के लिए समर्पित करना चाहती थी।

वह बहुत खुले विचारों वाले और परिपक्व थे, साथ ही साथ बहुत रोमांटिक, भावुक और सज्जन भी थे।

जब हम आखिरकार हवाई अड्डे के बस स्टेशन पर अलग हुए ताकि वह अपनी फ्लाइट पकड़ सके, तो सैम और मेरी दोनों की आंखों में आंसू थे और हमने काफी देर तक एक-दूसरे को गले लगाया।

मैं उसके साथ फ्रांस जाना चाहता था, या मैं चाहता था कि वह थाईलैंड में ही रहे।

लेकिन मैं उससे शादी करने और मुझे यूरोपीय संघ का वीजा देने की मांग नहीं करने वाली थी, क्योंकि मैं समझती थी कि यह कितना जटिल था।

थाईलैंड में मेरा परिवार भी है और मेरा काम भी यहीं है, इसलिए मैं इतनी दूर जाना नहीं चाहता था।

जब वह बैंकॉक हवाई अड्डे पर पहुंचा, तो उसने मुझे फोन किया और कहा, "मुझे तुम्हारी बहुत याद आ रही है!"

यह लगभग एक प्रेम कहानी या रोमांटिक फिल्म की तरह था, और मैं सैम के साथ बिताए अपने समय को जीवन भर संजो कर रखूंगा।

अध्याय अड़तालीस

बाहर

का

जेब

सैम के फ्रांस स्थित अपने घर लौटने के बाद, कुछ समय तक सब ठीक रहा, मैं ज्यादातर अकेले ही चैरिटी का संचालन कर रहा था और कुछ नए सदस्य शामिल हुए और कुछ ने छोड़ दिया।

एक समय थाईलैंड की अर्थव्यवस्था इतनी अच्छी नहीं थी।

मेरे पास धन की कमी होने लगी और मेरे बैंक खाते में अपने ग्राहकों के लिए भोजन और कपड़े खरीदने के लिए बहुत कम पैसे बचे थे।

कई महीनों से मैं चिकित्सा सामग्री जैसी चीजों के लिए अपनी जेब से भुगतान कर रहा था, और खर्चे तो बहुत थे लेकिन आमदनी पर्याप्त नहीं थी।

मैं चिंतित था।

मैंने खुद से पूछा, अब मुझे क्या करना चाहिए?

मेरे पास क्या विकल्प हैं?

निश्चित रूप से, मैं सैम से पैसे नहीं मांगना चाहता था, क्योंकि वह अमीर नहीं था और उसे अपने परिवार के खर्चों का भी ध्यान रखना था।

फिर मुझे एक विचार आया।

उस समय मेरे पास दो मोटरसाइकिलें थीं, इसलिए मैंने उनमें से एक को फिलहाल गिरवी की दुकान में छोड़ने का फैसला किया।

बेशक, मुझे हमेशा दो साइकिलें रखना पसंद था ताकि अगर एक खराब हो जाए तो दूसरी काम आ सके, लेकिन फिलहाल मेरी प्राथमिकता शेल्टर सेंटर पटाया के साथ थी और मैं अपने दोस्तों और ग्राहकों की मदद करना जारी रखना चाहता था।

मुझे अपने परोपकारी कार्यों में बहुत आनंद आता था, और मैं लोगों की मदद करना और उनके जीवन को बेहतर बनाना जारी रखना चाहता था - अगर जरूरत पड़ती तो मैं अपनी दोनों मोटरसाइकिलें भी गिरवी रख देता!

हालांकि, गिरवी रखी गई एक साइकिल से मुझे अच्छी खासी रकम मिली, 20,000 बाहत।

इसलिए कुछ समय तक मुझे चैरिटी का काम जारी रखने और यह सुनिश्चित करने में कोई आपत्ति नहीं थी कि हर किसी को वह सब कुछ मिले जिसकी उन्हें जरूरत है।

मैंने गिरवी की दुकान के मालिक को धन्यवाद दिया, और वहां से निकलते समय मैंने उम्मीद जताई कि यह पैसा लंबे समय तक चलेगा।
मैंने सोचा, चरण दर चरण।
चाहे आप किसी चैरिटी संस्था का संचालन कर रहे हों या जीवन में किसी भी चीज में, आमतौर पर एक-एक कदम करके आगे बढ़ना ही सही तरीका होता है।
क्रमशः।
जैसे-जैसे मैंने अपनी ऑनलाइन उपस्थिति बढ़ाई और अपना फेसबुक पेज बनाया, वैसे-वैसे मेरे काम में अधिक से अधिक लोगों की रुचि बढ़ने लगी और कई लोग यह जानना चाहते थे कि वे कैसे योगदान दे सकते हैं।
कभी-कभी आर्थिक दान मिलता था, कभी-कभी कपड़े, भोजन या दवाइयों का दान भी मिलता था।
समर्थन पाकर बहुत अच्छा लगा, और मुझे विश्वास था कि मैं जीवन में सही काम कर रही हूं और मैंने अपनी रचनात्मक ऊर्जा के लिए एक अच्छा उद्देश्य ढूंढ लिया है।
समय बीतता गया और मुझे अधिक से अधिक दान प्राप्त होने लगे, और साथ ही समाचार पत्रों जैसी मीडिया कंपनियों की ओर से भी शेल्टर सेंटर के बारे में अधिक रुचि दिखाई देने लगी।
इससे पटाया के बेघरों के लिए अधिक आपूर्ति लाने में भी मदद मिली।
उन लोगों के चेहरों पर जो मुस्कान थी, वह मेरे लिए अनमोल थी, और मुझे अपने लिए बहुत अधिक पैसे की जरूरत नहीं थी क्योंकि इन दोस्तों का होना और उनकी मदद करना, अमीर होने और बड़ा घर या शानदार कार रखने से कहीं बेहतर महसूस होता था।
मुझे जो काम मैं कर रही थी, उसे करने में बहुत खुशी महसूस हो रही थी, और मैंने खुद से कहा कि मैं इस जीवन को किसी और जीवन से नहीं बदलूंगी।

अध्याय उनतालीस

बेघर

बच्चे

इस दौरान, जब मैं ज्यादातर पश्चिमी देशों के बेघर पुरुषों के साथ स्वयंसेवा कर रहा था, तो मुझे पटाया में बेघर बच्चों के बारे में सोचने का ज्यादा समय नहीं मिला।

कभी-कभी मैं उन्हें आसपास देखता था, और वे बहुत सारे थे।

हालांकि, मैं जरूरतमंद विदेशियों की सहायता करने वाले अपने फाउंडेशन के काम में इतना व्यस्त था कि मैं थाई बच्चों और युवाओं को केवल कभी-कभार ही भोजन दे पाता था, इससे ज्यादा उनकी मदद करने में मैं असमर्थ था।

मुझे यह तो पता था कि पटाया में कंबोडियाई माता-पिता का अपने छोटे बच्चों को शहर और थाईलैंड के अन्य शहरों में लाना आम बात है।

बच्चे भीख मांगकर बहुत अधिक पैसे कमाते हैं, खासकर पर्यटन स्थलों पर।

पर्यटक लगभग हमेशा जरूरतमंद युवाओं के प्रति अधिक उदार होते हैं, और यही कारण था कि मैंने शुरू में उन बुजुर्ग पुरुषों पर ध्यान केंद्रित किया जिन्हें ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी।

थाई, कंबोडियन और यहां तक कि बर्मी या लाओटियन बच्चे भीख मांगते हुए अक्सर समुद्र तट पर या वॉकिंग स्ट्रीट पर फूल या मिठाई बेचते हैं।

हालांकि वे मुझे असुरक्षित प्रतीत होते थे, लेकिन मुझे हमेशा लगता था कि उनके माता-पिता कहीं आस-पास ही हैं और उन पर नज़र रख रहे हैं।

यानी, जब तक स्टीफन ने मुझसे कुछ नहीं पूछा।

“हे नोंग,” उसने एक दिन कहा। “क्या तुम कभी किसी बेघर लड़के से मिली हो?”

“नहीं, ऐसा नहीं है,” मैंने जवाब दिया। “कभी-कभी उन्हें खाना या थोड़े पैसे दे दो, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें वयस्क भिखारियों से ज्यादा पैसे मिलते हैं।”

मैंने कहा, “मैं एक लड़के को जानता हूँ जिससे आपको बात करनी चाहिए। आपको वो पसंद आएगा, और अगर आप चाहें तो उसकी कहानी सुन सकते हैं। मैंने उसे शॉपिंग एरिया में सोते हुए देखा था और मुझे यकीन है कि वो बेघर है।”

मैंने पूछा, “उसका नाम क्या है? वह कैसा दिखता है? उसकी उम्र कितनी है?”

स्टीफन ने अपना हाथ अपनी कमर के स्तर तक फैलाया।

“वह लंबा है, लगभग इतनी ऊंचाई का, और उसके बाल लंबे हैं। मुझे लगता है कि वह आठ साल का होगा। मैं उसे लगभग हर दिन केएफसी के खेल के मैदान में खेलते हुए देखता हूँ। आप उसे वहाँ लगभग रात 8 बजे देख सकते हैं।”

“ठीक है स्टीफन!” मैंने कहा। “सुझाव के लिए धन्यवाद!”

यह देखकर मेरा दिल बहुत खुश हो गया कि कैसे एक बेघर व्यक्ति दूसरे बेघर व्यक्ति का ध्यान रखता है और सभी उम्र और पृष्ठभूमि के अन्य बेघर लोगों की सुरक्षा की परवाह करता है।

पटाया शेल्टर सेंटर की जिम्मेदारी संभालने के पूरे समय के दौरान, मैंने कभी अकेले काम नहीं किया।

लड़कों के पास हमेशा चीजों के बारे में अच्छे विचार और सुझाव होते थे, जिनमें एक-दूसरे की सुरक्षा और लापता या खतरे में पड़े किसी भी व्यक्ति को खोजने के तरीके शामिल थे।

मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि लंबे बालों वाला यह छोटा लड़का खतरे में था।

दरअसल, बेघरों की मदद करने की मेरी यात्रा पश्चिमी देशों के बुजुर्ग पुरुषों से ही शुरू हुई थी।

ऐसे बहुत से बच्चे थे जिन्हें मदद की जरूरत थी, और वह मदद सिर्फ भोजन, कपड़े और चिकित्सा सामग्री तक ही सीमित नहीं थी।

पटाया में खतरनाक शिकारी मौजूद थे, ऐसे लोग जो शहर में कुछ पैसे कमाने के लिए आने वाले बेघर और गरीब बच्चों का शोषण करने की कोशिश करते थे।

इनमें से कई दरिंदे वास्तव में बाल यौन शोषण करने वाले थे, और यह मेरी अगली किताब की कहानी है।

फिलहाल, पढ़ने के लिए धन्यवाद, और याद रखें: जीवन में कभी-कभी, किसी की मदद करने के लिए सबसे अच्छा व्यक्ति आप ही होते हैं, और शुरुआत करने का सबसे अच्छा समय अभी है।

समाप्त

किसी भी प्रश्न या पूछताछ के लिए, कृपया नॉन्ग को nongsunanta1979@gmail.com पर ईमेल करें।

अंतभाषण

यह लेख लिखते समय, नोंग सुनांता अब पटाया स्थित शेल्टर सेंटर का संचालन नहीं कर रही हैं।
वह रियल एस्टेट उद्योग में काम कर रही हैं और साथ ही अपनी स्वास्थ्य एवं कल्याण कंपनी, थाई रिलीफ हर्ब पर भी ध्यान केंद्रित कर रही हैं।
हालांकि, नोंग आश्रय स्थल को फिर से खोलने और पटाया और बैंकॉक में जोखिमग्रस्त बेघर लोगों के लिए एक मोबाइल देखभाल सेवा शुरू करने की कोशिश कर रहे हैं।
इस उद्देश्य के लिए किसी भी प्रकार का दान सहर्ष स्वीकार किया जाएगा।
आप कभी भी nongsunanta1979@gmail.com पर नोंग को ईमेल कर सकते हैं।
पढ़ने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद और थाई लोगों की तरह, चोक डी।
आपको कामयाबी मिले!

लेखक के बारे में

जब सुनंता

बेघर पश्चिमी लोगों और स्थानीय बच्चों के लिए दान-पुण्य कार्य चलाने के अलावा, नोंग ने रियल एस्टेट उद्योग में भी काम किया है। वह रिलीफ हर्ब नामक एक स्वास्थ्य एवं कल्याण व्यवसाय भी चलाती हैं। पाठक पूछताछ और टिप्पणियों के लिए nongsunanta1979@gmail.com पर ईमेल द्वारा उनसे संपर्क कर सकते हैं। शेल्टर सेंटर पटाया के पुनः खुलने में सहायता और एक मोबाइल चैरिटी वैन के वित्तपोषण के लिए दान हेतु कृपया sheltercenterpattaya@gmail.com पर ईमेल करें। धन्यवाद!

लेखक के बारे में

गेब्रियल वॉकर लैंड

गेब्रियल वॉकर लैंड ने यूरोप, एशिया, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के कई राज्यों में समय बिताया है। उन्होंने फिल्म और टेलीविजन उद्योग, अंग्रेजी शिक्षण, व्यावसायिक मछली पकड़ने और पियानो स्थानांतरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम किया है और स्वयंसेवा भी की है। लैंड का अधिकांश लेखन विज्ञान कथा पर केंद्रित है। हालाँकि, उन्हें वर्तमान युग में स्थापित रोमांचक रहस्य कथाएँ लिखना भी पसंद है। शैली चाहे जो भी हो, लैंड की विशिष्ट शैली में तीखे संवाद और तीव्र गति वाले एक्शन दृश्य होते हैं, जो हमेशा हास्य और बेतुकेपन का स्पर्श लिए रहते हैं। लेखन के अलावा, लैंड योग का अभ्यास करते हैं, भाषाओं का अध्ययन करते हैं और कला का अन्वेषण करते हैं। नगाड़ा बजाना।

इस लेखक की पुस्तकें

पटाया हीट

पटाया हीट की प्रशंसा:

"अगर आपको पुरानी जासूसी कहानियाँ पसंद हैं, तो आपको यह भी पसंद आएगी।"
"शानदार किताब और एक बेहतरीन नया जासूस!"

थाईलैंड के पटाया शहर में आपका स्वागत है।

यह बेहद बदहाल जगह लास वेगास को किसी पीजी-13 डिज़्नी फिल्म जैसा दिखाती है।

पटाया वह जगह है जहाँ रिची स्काई अपने समय से पहले के मध्य-जीवन संकट से जूझ रहा है।

वह यहाँ नहीं रहना चाहता, छोटे-मोटे निजी जासूसों का काम करके जैसे-तैसे गुजारा करना। ज्यादातर बेवफाई की जांच से जुड़े काम। यह मजा, अगर इसे मजा कहा जा सकता है, हमेशा नहीं चल सकता, और अब रिची को इससे निकलने का रास्ता दिख रहा है - एक नई नौकरी, जो बहुत अच्छी तनख्वाह देती है। उसे बस एक गुमशुदा प्राचीन घड़ी ढूंढनी है जिसकी कीमत उसके मालिक के अनुमान से भी कहीं ज्यादा है। वह घड़ी एक कलाई पर बंधी है, और वह कलाई एक ऐसे हाथ से जुड़ी है जिसमें एक धधकती हुई बंदूक है। गोली किसने चलाई, यह पता लगाने से पहले ही रिच बुरी तरह पिटने वाला है। फिर उसके दोस्त भी इस मामले में फंस जाते हैं, और जासूस रिची स्काई अपने दोस्तों की रक्षा के लिए मरने को भी तैयार है। दोस्तों, पटाया हीट एक तेज़ रफ़्तार, 80,000 शब्दों वाली, एक्शन से भरपूर, रोमांचक रहस्य कथा है, जिसकी कहानी उमस और उमस से तर एक अनोखे इलाके में घटित होती है। इस किताब में वो सब कुछ है जो पाठक को अंत तक सस्पेंस, हास्य और तेज़ गति से आगे बढ़ने वाले कथानक में सस्पेंस बनाए रखता है।